// दान की तुलना इस आधार पर न करें, कि उसने कितना दिया, किंतु इस आधार पर करें, कि उसकी क्षमता क्या है? \\

दैनिक अर्थ प्रकाश

खबरों की विश्वसनीयता, हमारी पहचान

पंजाब • हरियाणा • हिमाचल • चंडीगढ़ • दिल्ली • उत्तराखंड • बिहार • उत्तरप्रदेश • राजस्थान • छत्तीसगढ़ से प्रसारित

सुबल वाणी

सब सही हो रहा है, गलत इसलिए लग रहा है क्योंकि तुम्हारे हिसाब से नहीं हो रहा है।

वर्ष 40 | चंडीगढ़, शनिवार, 14 जून, 2025 | अषाढ़ कृष्ण पक्ष: तृतीया विक्रमी संवत-2082 | www.arthparkash.com | YouTube/Arth Parkash TV | अंक: 163 | मूल्य 2.00 रुपये | पृष्ठ: 12

न्यूज ब्रीफ

हरियाणा के गांवों में खुलेंगे सीएससी सेंटर

चंडीगढ़ (अप्रस)। हरियाणा सरकार ने गांवों में खुलने वाल कॉमन सर्विस सेंटर के माध्यम से युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने की योजना बनाई है। गांवों में सीएससी खोलने वाले युवाओं को छह हजार रुपये मासिक मानदेय दिया जाएगा। इस योजना का उद्देश्य लोगों को गांव में ही ऑनलाइन सेवाएं उपलब्ध करवाना और युवाओं को रोजगार उपलब्ध होगा। विकास एवं पंचायत विभाग की ओर से ग्राम पंचायतों को निर्देश दिए गए हैं कि वे गांवों में बनाए जा रहे कॉमन सर्विस सेंटर में लैपटॉप व प्रिंटर का प्रबंध करें। इन सेंटर्स के लिए जगह और वहां के स्टाफ के बैठने का प्रबंध ग्राम पंचायतों को करना होगा। युवाओं को ग्रामीणों को ऑनलाइन सेवाएं देनी होगी। उन्हें इस काम के लिए फीस भी दी जाएगी। पहले चरण में 4500 लैपटॉप खरीदने का निर्णय लिया है। सरकार की नोडल एजेंसी हारट्रोन के जरिये यह खरीद होगी। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता वाली हाई पावर परचेज कमेटी ने 31 करोड़ 50 लाख रुपए की लागत से ये लैपटॉप खरीदने को हरी झंडी दे चुकी है।

ब्लैक बॉक्स खोलेगा विमान हादसे का राज

अर्थ प्रकाश नेटवर्क

अहमदाबाद। अहमदाबाद में एअर इंडिया फ्लाइट एआई-171 हादसे के 27 घंटे बाद शुक्रवार को एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो (एएआईबी) ने ब्लैक बॉक्स को खोज लिया है। यह हॉस्टल की छत पर मिला। इसके जरिए पता चल सकेगा कि क्रैश होने के पहले आखिरी पलों में क्या हुआ था। विमानन मंत्रालय ने इसकी पुष्टि की। मंत्रालय ने बताया कि ब्लैक बॉक्स को इमारत की छत से बरामद किया गया। विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) ने हादसे के तुरंत बाद पूरी ताकत से जांच शुरू कर दी थी। राज्य सरकार के 40 से अधिक कर्मचारी भी मौके पर मौजूद विमानन मंत्रालय की टीमों के साथ मिलकर राहत और जांच कार्य में जुटे हुए हैं। मंत्रालय ने बताया कि डीएफडीआर को छत से बरामद किया गया है।

इससे पहले, पुलिस और दमकल अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि इस ब्लैक बॉक्स का विश्लेषण हादसे की वजहों को समझने में अहम भूमिका निभाएगा। अहमदाबाद के दमकल अधिकारियों ने बताया कि मेटल कटर जैसे खास उपकरणों से लैस एक टीम को मेघाणीनगर इलाके में दुर्घटनास्थल पर भेजा गया था। यह इलाका हवाई अड्डे के पास स्थित है, जहां गुरुवार दोपहर बोइंग 787 ड्रीमलाइनर विमान दुर्घटनाग्रस्त हुआ था। जहां पर काफी मशक्कत के बाद टीम ब्लैक बॉक्स को खोजने में सफल रही।

हर उड़ान से पहले बोइंग 787 की होगी जांचः डीजीसीए

डीजीसीए ने शुक्रवार को एअर इंडिया के बोइंग 787 ड्रीमलाइनर बेड़े के सुरक्षा जांच के आदेश दिए हैं। यह आदेश 12 जून को अहमदाबाद प्लेन हादसे में 241 लोगों की मौत के एक दिन बाद जारी किया गया है। इसमें कहा गया है कि बोइंग के 787-8 और 787-9 हवाई जहाजों की हर उड़ान से पहले जांच होगी। सभी रिपोर्ट्स डीजीसीए को सौंपी जाएंगी। डीजीसीए ने एअर इंडिया को जेनएक्स इंजन वाले बोइंग 787-8 और 787-9 विमानों के अतिरिक्त रखरखाव का निर्देश दिया है। यह आदेश 15 जून से लागू हो जाएगा।

अहमदाबाद पुलिस ने की 250 शव बरामदगी की पुष्टि

अहमदाबाद पुलिस ने शुक्रवार को कहा कि अहमदाबाद हवाई अड्डे के पास दुर्घटनाग्रस्त विमान के मलवे और प्रभावित स्थल से 250 शवों की बरामदगी हुयी है। पुलिस के एक अधिकारी ने यूनीवार्ता से कहा कि दुर्घटना स्थल से करीब 250 शव बरामद किये गये हैं और उनकी पहचान का काम भी जारी है। अधिकारी ने इस बारे में और ब्योरा नहीं दिया।

पीएम ने किया घटनास्थल का दौरा, रूपाणी के परिजनों से भी मिले

अहमदाबाद। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एयर इंडिया विमान दुर्घटना में मारे गये गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री और भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता विजय रूपाणी के परिजनों से शुक्रवार को मुलाकात की। प्रधानमंत्री सुबह यहां पहुंचे और उन्होंने घटनास्थल का मुआयना किया। इसके बाद उन्होंने रूपाणी के परिजनों से मुलाकात की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल भी उनके साथ थे। पीएम मोदी ने मुलाकात के बाद सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में श्री रूपाणी के साथ अपना फोटो साझा करते हुए कहा कि श्री विजयभाई रूपाणी जी के परिवार से मुलाकात की। यह अकल्पनीय है कि विजयभाई हमारे बीच नहीं हैं। मैं उन्हें दशकों से जानता हूँ। हमने कंधे से कंधा मिलाकर काम किया, जिसमें सबसे चुनौतीपूर्ण समय भी शामिल है। विजयभाई विनम्र और मेहनती थे, पार्टी की विचारधारा के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध थे। पद पर रहते हुए, उन्होंने संगठन में विभिन्न जिम्मेदारियाँ संभालीं और गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में पूरी लगन से काम किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि श्री रूपाणी ने हर भूमिका में अपने काम से अपनी पहचान बनायी। मोदी ने लिखा कि राजकोट नगर निगम में, राज्यसभा सांसद के रूप में, गुजरात भाजपा अध्यक्ष के रूप में और राज्य सरकार में कैबिनेट मंत्री के रूप में, उन्होंने हर भूमिका में खुद को प्रतिष्ठित किया। जब विजयभाई गुजरात के मुख्यमंत्री थे, तब भी मैंने और विजयभाई ने बड़े पैमाने पर काम किया था। उन्होंने कई ऐसे कदम उठाए, जिससे गुजरात के विकास में तेजी आई, खासकर 'जीवन की सुगमता' को बढ़ावा मिला। हमारे बीच हुई बातचीत हमेशा याद रहेगी। इस दुख की घड़ी में मेरी संवेदनाएँ उनके परिवार और दोस्तों के साथ हैं। ओम शांति।

प्लेन क्रैश में बचे रमेश कुमार का पीएम मोदी ने जाना हालचाल

प्लेन क्रैश में बचे इकलौते यात्री रमेश कुमार से पीएम मोदी ने शुक्रवार को मुलाकात कर हालचाल जाना। दोनों के बीच करीब 10 मिनट बातचीत हुई। रमेश कुमार ने बताया कि मुझे विश्वास नहीं होता कि मैं कैसे जिंदा बाहर निकला। शायद दरवाजा टूटा और सीट समेत नीचे गिर गया। मुझे कुछ याद नहीं था।

पंजाब विधानसभा स्पीकर का एसजीपीसी प्रधान पर जुबानी हमला, बोले-

सरकार को भी धार्मिक कार्यक्रम करवाने का अधिकार, पंथ के प्रचार प्रसार पर सबका हक

अर्थ प्रकाश संवाददाता

फरीदकोट। पंजाब में फरीदकोट के कोटकपूरा क्षेत्र से विधायक व पंजाब विधानसभा के स्पीकर कुलतार सिंह संधवां ने एसजीपीसी प्रधान एडवोकेट हरजिंदर सिंह धामी के उस बयान पर कड़ा एतराज जताया है, जिसमें उन्होंने राज्य सरकार द्वारा सिख पथ से संबंधित शताब्दी समारोह आयोजित किए जाने के लिए आम लोगों से सुझाव मांगे हैं।

एडवोकेट धामी ने सरकार द्वारा सुझाव मांगे जाने पर अपनी प्रतिक्रिया में कहा था कि शताब्दी समागम आयोजित करना एसजीपीसी के दायरे में आता है, ना कि पंजाब सरकार के दायरे में। इस पर विधानसभा स्पीकर संधवां ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा पहली बार शताब्दी समागम आयोजित नहीं किए जा रहे। पिछली सरकारों के समय में भी यह समागम होते रहे हैं। वह भी गुर सिख है और पंजाब के लोगों द्वारा चुनी हुई सरकार है। ऐसे में उन्हें भी ऐसे सिख पंथ के प्रचार प्रसार के लिए शताब्दी कार्यक्रम आयोजित करने का पूरा हक है। उन्होंने शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी की कार्य प्रणाली पर भी सवाल खड़े किए और कहा कि एसजीपीसी, समूचे सिख पंथ का प्रतिनिधित्व करती हैं। इसके चलते एसजीपीसी के प्रधान को एक राजनीतिक पार्टी के प्रतिनिधि के तौर पर प्रतिक्रिया देने से गुरेज करना चाहिए।

विवाद खड़ा करने की जगह योग्य सुझाव दें एसजीपीसी: विधानसभा स्पीकर संधवां ने अकाली दल पर भी तंज कसते हुए कहा कि 1999 में अकाली दल ने सिख कौम को अमृतधारी होने का आहवान किया था पर वर्तमान समय के हालात किसी से छिपे नहीं है। इस पार्टी के प्रतिनिधियों के नाम से सिंह शब्द भी गायब हो चुके है। उन्होंने एसजीपीसी को विवाद खड़ा करने के जगह योग्य सुझाव देने व सहयोग की अपील की है।

गौरतलब है कि राज्य सरकार ने हाल ही में श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वां शहीदी दिवस और श्री अमृतसर साहिब के 450वां स्थापना दिवस के मौके पर समागम आयोजित करने के लिए आम लोगों से सुझाव आमंत्रित किए गए हैं और इसके लिए 31 जुलाई तक का समय दिया गया है। सुझावों के आधार पर पंजाब सरकार द्वारा इन दोनों धार्मिक शताब्दी समागमों की रूपरेखा तैयार की जाएगी।

इजराइल की ईरान पर एयर स्ट्राइक, 78 की मौत

दो सैन्य अड्डे भी बर्बाद, सेना प्रमुख, स्पेशल फोर्स चीफ और दो परमाणु वैज्ञानिकों की मौत

- 329 घायल, 6 परमाणु वैज्ञानिक और 4 मिलिट्री कमांडर ढेर
- नेतन्याहू ने की मोदी से बात

अर्थ प्रकाश नेटवर्क

तेहरान/तेल । इजराइल ने शुक्रवार सुबह 200 फाइटर जेट्स से ईरान के 6 ठिकानों पर एयरस्ट्राइक की। इसमें 78 लोग मारे गए और 329 घायल हो गए। मरने वालों में ईरान के 6 परमाणु वैज्ञानिक और टॉप 4 मिलिट्री कमांडर समेत 20 सैन्य अफसर भी शामिल हैं। इजराइली एयरस्ट्राइक ईरान के 4 परमाणु ठिकाने और 2 मिलिट्री साइट्स भी तबाह हो गई। इस बीच इजराइली पीएम नेतन्याहू ने पीएम मोदी से फोन पर बात कर मिडिल ईस्ट के हालात की जानकारी दी। इजराइली हमले के जवाब में ईरान ने दोपहर में पलटवार किया और 100 से ज्यादा ड्रोन दागे। इजराइली सेना (आईडीएफ) ने दावा किया है कि उन्होंने सभी ड्रोन मार गिराए। अभी तक एक भी ड्रोन इजराइल की सीमा में नहीं पहुंचा। इससे पहले आज सुबह इजराइल ने ईरान पर 200 फाइटर जेट्स से हमला किया था। न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक, इजराइली सेना ने तेहरान के आसपास कम से कम 6 सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया है। इन 6 में से 4 जगहों पर परमाणु ठिकाने भी मौजूद हैं।

ईरान समझौता करे या विनाश का सामना करेः ट्रम्प

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा है कि वह परमाणु समझौता करने पर राजी हो या विनाश का सामना करने के लिए तैयार रहे। ट्रम्प ने शुक्रवार को कहा कि ईरान को समझौता करना होगा, वरना कुछ नहीं बचेगा। ईरान के कट्टरपंथी नेताओं को समझौते पर पहुंचने की जरूरत है,नहीं तो उन्हें विनाश का सामना करना पड़ेगा। अमेरिकी राष्ट्रपति ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल'पर लिखा कि मैंने ईरान को समझौता करने के लिए एक के बाद एक मौका दिया लेकिन उसने बात नहीं मानी।

योग दिवस पर 11 लाख साधक एक साथ करेंगे योगाभ्यास: सीएम सैनी

- कुरुक्षेत्र में एक लाख की भागीदारी से रिकॉर्ड बनाने का लक्ष्य
- मुख्यमंत्री ने आईटीबीपी जवानों के साथ किया योग

अर्थ प्रकाश संवाददाता

आईटीबीपी जवानों के साथ योग करते सीएम नायब सिंह सैनी। **फोटो: अजय गौतम**

पंचकूला। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि 21 जून को मनाए जाने वाले 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर राज्य के 22 जिलों और 121 खंडों में एक साथ आयोजित होने वाले योग कार्यक्रमों में लगभग 11 लाख से अधिक लोग भाग लेंगे। इस वर्ष का राज्य स्तरीय मुख्य कार्यक्रम कुरुक्षेत्र के पावन ब्रह्मसरोवर पर आयोजित किया जाएगा। इस आयोजन में एक लाख से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने का लक्ष्य रखा गया है,जिससे एक नया विश्व रिकॉर्ड भी स्थापित किया जा सके।

मुख्यमंत्री शुक्रवार को पंचकूला में भारत तिब्बत सीमा पुलिस बल (आईटीबीपी) प्राथमिक प्रशिक्षण केंद्र, भानू में आयुष विभाग, हरियाणा योग आयोग और आईटीबीपी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित योग प्रोटोकॉल प्रशिक्षण शिविर को में भाग ले रहे थे। सैनी ने भारत तिब्बत सीमा पुलिस बल के जवानों के अद्भुत योगदान को नमन करते हुए कहा कि यह स्थान अनुशासन, सेवा, समर्पण और राष्ट्रभक्ति की जीवंत परंपरा है। हमारे जवान कठिन परिस्थितियों में उत्तर-पूर्वी सीमाओं की दिन-रात रक्षा करते हैं।

आज का यह योग प्रोटोकॉल प्रशिक्षण शिविर विशेष महत्व रखता है,क्योंकि यह देश की सीमाओं की रक्षा करने वाले जवानों के लिए आयोजित किया गया है। योग हमें उत्तम स्वास्थ्य प्रदान करने के अतिरिक्त टीम भावना, आपसी सहयोग और अनुशासन भी सिखाता है, इसलिए योग और सैनिकों का गहरा संबंध है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि विभिन्न योग कार्यक्रमों के माध्यम से प्रदेशभर में अब तक लगभग 15 लाख 60 हजार से अधिक लोगों ने भागीदारी कर योग का अभ्यास किया है। योग कार्यक्रमों के दौरान 61 हजार से ज्यादा औषधीय पौधे लगाए गए हैं। हरित योग अभियान के तहत 21 जून तक 10 लाख औषधीय पौधे बांटे जा रहे हैं। इसके अलावा, सरकार ने एक पोर्टल भी बनाया है, जिस पर अब तक 7 लाख 65 हजार 500 लोगों ने 21 जून के अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के लिए अपना रजिस्ट्रेशन करवाया है।

लुधियाना पश्चिम में 'आप' को मिला बड़ा समर्थन, कांग्रेस-भाजपा और अकाली दल के सैकड़ों समर्थक पार्टी में शामिल

प्रदेश अध्यक्ष अमन अरोड़ा और कार्यकारी अध्यक्ष शैरी कलसी ने सभी नेताओं को पार्टी में कराया शामिल

अर्थ प्रकाश/अक्षित जैन

लुधियाना, 13 जून। लुधियाना पश्चिम विधानसभा उपचुनाव से पहले आम आदमी पार्टी को ने बड़ी बढ़त हासिल हुई है, जबकि कांग्रेस, भाजपा और अकाली दल को झटका लगा है। शुक्रवार को इन पार्टियों के सैकड़ों नेता और कार्यकर्ता आप में शामिल हो गए।

इसके अलावा, शिवसेना (उद्धव ठाकरे) के प्रदेश अध्यक्ष यशपाल शर्मा और प्रवक्ता चंद्रकांत चड्डा ने भी आप उम्मीदवार संजीव अरोड़ा को अपनी पार्टी की तरफ से समर्थन देने की घोषणा की।

आप पंजाब के प्रदेश अध्यक्ष अमन अरोड़ा ने पार्टी कार्यकारी अध्यक्ष शैरी कलसी और पार्टी नेता डॉ. सनी आहलूवालिया की मौजूदगी में सभी लोगों को औपचारिक रूप से पार्टी में शामिल कराया और आप परिवार में उनका स्वागत किया।

कांग्रेस से आप में शामिल होने वाले नेताओं में वार्ड नंबर- 1 से दिव्येश मक्कड़, पूर्व युवा कांग्रेस महासचिव केके डिगली, अशोक कांडा, नीरज कांडा, सुमित अरोड़ा, राकेश जैन, हरदीप कौर, रेणु गौतम, तनवीर सिंह, साधु सिंह, सरदार जसविंदर सिंह, सरदार सुखपाल सिंह और सरदार कुलदीप सिंह के नाम प्रमुख है।

वहीं लुधियाना के प्रसिद्ध बिल्डर और अकाली दल के नेता रमन कुमार सेंगर भी अपने सहयोगियों गुरजगदीप सिंह, हरप्रीत सिंह रंधावा, जसदीप सिंह, करनैल सिंह, निर्मल सिंह, गुरविंदर सिंह, पलविंदर सिंह, जतिंदर सिंह, हरजिंदर सिंह, संतोख सिंह, अमनदीप सिंह, गुरमेल सिंह, मोहम्मद तारिक, बलराज ग्रेवाल, सुखविंदर ग्रेवाल, चनप्रीत, गगन कनौजिया, आकाश, नूर और शमशेर के साथ आप में शामिल हुए। इसके अलावा, मंजीत सिंह धालीवाल (वार्ड नंबर 56), रणदीप सिंह बॉम्बे (वार्ड नंबर 54), जसविंदर कौर और कामिनी सागर भी पार्टी में शामिल हुए।

भाजपा महिला मोर्चा की उपाध्यक्ष किरणदीप कौर, अनु, सिमरन, सरबजीत कौर, सुनीता (कोषाध्यक्ष), रमनप्रीत, भाविका, लवली गुप्ता, उर्मिला, वीना रानी, कुलविंदर, मनजीत, किरण और कुलजीत भी पार्टी में शामिल हुईं। पार्टी में शामिल होने वाले सभी लोगों ने कहा कि वे आम आदमी पार्टी की नीतियों और आप सरकार द्वारा किए गए कार्यों से बेहद प्रभावित हैं। पार्टी के कामों ने उन्हें इसका हिस्सा बनने के लिए प्रेरित किया।

पंजाब के लोगों का आप सरकार पर पूरा भरोसा

इस अवसर पर मीडिया को संबोधित करते हुए अमन अरोड़ा ने कहा कि पंजाब के लोगों को आप सरकार पर पूरा भरोसा है। सभी वर्गों और समुदायों के लोग पार्टी की नीतियों का समर्थन कर रहे हैं और रोजाना बड़ी संख्या में आम आदमी पार्टी में शामिल हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि लुधियाना पश्चिम में आप के पक्ष में लहर है। आप उम्मीदवार संजीव अरोड़ा इस उपचुनाव में बड़े अंतर से जीत हासिल करेंगे।

'ईजी जमाबंदी' क्रांतिकारी फैसला, आम लोगों को सरकारी दफ्तरों के चक्कर से मिलेगी मुक्ति भुल्लर

अर्थ प्रकाश संवाददाता

लुधियाना, 13 जून। मुख्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व में पंजाब की 'आप' सरकार द्वारा 'ईजी जमाबंदी' पोर्टल शुरु करने के फैसले की आप नेता और कैबिनेट मंत्री लालजीत सिंह भुल्लर ने तारीफ की और इसे एक क्रांतिकारी फैसला बताया। उन्होंने कहा कि इस कदम से आमलोगों को सरकारी दफ्तरों के चक्कर काटने से मुक्ति मिलेगी और भ्रष्टाचार भी खत्म होगा।

मंत्री लालजीत भुल्लर ने इस मुद्दे को लेकर आप नेता नील गर्ग और बलतेज पन्नू के साथ लुधियाना में एक प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित किया। भुल्लर ने कहा कि आम लोगों को भ्रष्टाचार मुक्त, परेशानी रहित और पारदर्शी शासन प्रदान करने के लिए यह कदम बेहद उपयोगी साबित होगा।

उन्होंने कहा कि इस पहल का उद्देश्य राजस्व विभाग में रजिस्ट्रियों, इंतकाल और फर्द आदि प्रक्रियाओं से भ्रष्टाचार को जड़ से खत्म करना एवं किसी भी तरह की संपत्ति रजिस्ट्री को सरल व पारदर्शी बनाना है। उन्होंने कहा कि इन सेवाओं में भ्रष्टाचार खत्म होने से हर साल लाखों लोगों को की तरह की परेशानियों से मुक्ति मिलेगी।

उन्होंने कहा कि पहले रजिस्ट्री और इंतकाल से संबंधित कागजों में राजस्व कर्मचारी जानबूझकर नाम या अन्य चीजों के साथ छेड़छाड़ कर देते थे, फिर लोगों को उसे ठीक करवाने के लिए ऑफिस के चक्कर काटने पड़ते थे और रिश्वत देने पड़ते थे। अब ये सारी चीजें ऑनलाइन हो जाने के बाद लोगों को किसी भी तरह की कोई परेशानी नहीं आएगी।

उन्होंने कहा कि राजस्व विभाग से भ्रष्टाचार दूर करने के लिए करीब 99 प्रतिशत जमीनों के रिकॉर्ड ऑनलाइन हो गए हैं, बाकी बचे एक प्रतिशत को भी जल्द ऑनलाइन कर दिया जाएगा ताकि भविष्य में लोगों को इससे संबंधित कोई परेशानी न हो। वहीं रजिस्ट्री प्रक्रिया में कोई दिक्कत आ जाए तो अब कोई भी व्यक्ति अपने घर बैठे राजस्व विभाग की वेबसाइट या 1076 नंबर डायल कर इससे संबंधित किसी भी सेवाओं का लाभ ले सकता है। अगर नाम या अन्य चीजों से संबंधित भी कोई दिक्कत आ गई है, तो उसे भी 15 दिनों के भीतर ऑनलाइन शिकायत दर्ज कर ठीक कराया जा सकता है।

चरणजीत सिंह चन्नी दलितों के नाम पर बहा रहे हैं मगरमच्छ के आंसू: बरसट

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़, 13 जून। आम आदमी पार्टी (आप), पंजाब के प्रदेश महासचिव और पंजाब मंडी बोर्ड के चेयरमैन हरचंद सिंह बरसट ने कहा कि कांग्रेस पार्टी के जालंधर से मेंबर पार्लियामेंट चरणजीत सिंह चन्नी दलित वर्ग के नाम पर निजी हितों की राजनीति करते हुए मगरमच्छ के आंसू बहा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि लंबे समय तक सत्ता में रहने के बावजूद कांग्रेस पार्टी ने दलित वर्ग को बुनियादी सुविधाएं तक नहीं दीं, बल्कि दलित वर्ग को चुनाव के समय खोखले नारे लगाकर गुमराह किया जाता रहा है। दलित वर्ग के लिए कभी भी अच्छे स्कूल, अस्पताल, रोजगार के साधन पैदा नहीं किये गये और आज जब कांग्रेस पार्टी दलितों से पूरी तरह निखड़ चुकी है, तो चरणजीत सिंह चन्नी जैसे नेता केवल गुमराह करने वाले बयान दे रहे हैं। बरसट ने कहा कि दूसरी तरफ आम आदमी पार्टी की ओर से सरकार बनते ही सभी वर्गों का ध्यान रखते हुए विकास कार्यों और लोक भलाई के कार्यों की अंधेरी लाई गई। सभी वर्गों को दो महीने के लिए 600 यूनिट मुफ्त बिजली दी जा रही है। महिलाओं को सफर करने के लिये मुफ्त बस सर्विस चलाई जा रही है।

उन्होंने कहा कि एडवोकेट जनरल आफिस में पहली बार ऐसा हुआ है कि सरकारी वकीलों के पदों का भर्ती के समय रिर्जवेशन दिया गया है। दलित वर्ग का करीब 68 करोड़ रुपये का कर्ज भी माफ किया गया है। पंजाब सरकार की ओर से बिना किसी रिश्वत या सिफारिश के करीब 55,000 सरकारी नौकरियां दी गई हैं और उनमें भी दलित वर्ग को पूरी रिजर्वेशन दी गई है। आज पंजाब सरकार में दलित वर्ग से संबंधित मंत्रियों को अहम पद देकर नवाजा गया है, ताकि दलित वर्ग के लोगों का ध्यान रखा जा सके।

पंजाब सरकार के खिलाफ जाखड़ के आरोप बिल्कुल निराधार: कटारूचक

जाखड़ से कटारूचक ने पूछा-अगर आपको पंजाब की इतनी ही चिंता है, तो हमेशा निजी हितों को प्राथमिकता क्यों देते हो?

जाखड़ भाजपा की 'वाशिंग मशीन' के बारे में क्यों नहीं बोलते जो भ्रष्टों को संत बना देती है: कटारूचक

अर्थ प्रकाश संवाददाता

लुधियाना, 13 जून। आप पंजाब के मंत्री लालचंद कटारूचक ने भाजपा के पंजाब अध्यक्ष सुनील जाखड़ द्वारा आप सरकार के खिलाफ लगाए गए आरोपों पर कड़ा जवाब देते हुए इसे लुधियाना पश्चिम उपचुनाव से पहले मतदाताओं को गुमराह करने की एक हताश चाल बताया है। कटारूचक ने कहा कि जाखड़ के पाखंड की कोई सीमा नहीं है। देश के सबसे भ्रष्ट लोगों को पनाह देने वाली भाजपा के पास आप के पारदर्शी, जनहितैषी शासन पर सवाल उठाने का कोई नैतिक आधार नहीं है। कटारूचक ने कहा कि भाजपा ने स्वाशिंग मशीन' राजनीति को अपनाया। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र से लेकर पंजाब तक भाजपा ने भ्रष्ट नेताओं को खुले दिल से गले लगाया है। हजारों करोड़ के घोटाले के आरोपी नेता भाजपा का चोला ओढ़ते ही अचानक संत बन जाते हैं।

जाखड़ के राजनीतिक अवसरवाद की आलोचना करते हुए कटारूचक ने कहा कि जाखड़, जब कांग्रेस का हिस्सा थे, तब वह भ्रष्टाचार के लिए उसे बदनाम करते थे, अब भाजपा के भ्रष्टाचार और घोटालों पर चुप रहते हैं। उन्होंने हमेशा पंजाब के कल्याण से ज़्यादा निजी लाभ को प्राथमिकता दी है।

जाखड़ के भूमि अधिग्रहण के आरोपों पर कटारूचक ने कहा कि भूमि माफियाओं और बड़े पूंजीपतियों का पक्ष लेने के भाजपा के इतिहास के विपरीत, हमारी भूमि पूलिंग योजना वास्तव में किसान हितैषी है। यह योजना सुनिश्चित करती है कि किसान, जमींदार और नागरिक समान रूप से लाभान्वित हों। भाजपा का इस नीति का विरोध अपने पूंजीपति मित्रों की रक्षा करने की इच्छा से उपजा है जो किसानों का शोषण करते हैं।

भ्रष्टाचार के प्रति आप की जीरो टॉलरेंस नीति पर प्रकाश डालते हुए कटारूचक ने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में, हमने गलत कामों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की है, यहां तक कि अपनी पार्टी के भीतर भी। इसके विपरीत, भाजपा अपने भ्रष्ट नेताओं को बचाती है और उन्हें अच्छे पदों से पुरस्कृत करती है।

कटारूचक ने कहा कि बेरोजगारी और किसान कल्याण जैसे वास्तविक मुद्दों को संबोधित करने के बजाय, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष खोखली बयानबाजी पर उतर आए हैं। उन्होंने सुझाव दिया कि अगर जाखड़ वास्तव में भ्रष्टाचार के बारे में चिंतित हैं, तो उन्हें सबसे पहले अपने घर की सफाई करनी चाहिए और इसकी शुरुआत अपनी पार्टी के शीर्ष नेतृत्व से करनी चाहिए।

कटारूचक ने पंजाब के लोगों को उनके कल्याण के लिए आप सरकार की प्रतिबद्धता के बारे में बताया।

46 नई अत्याधुनिक एम्बुलेंसें पंजाब में इमरजैंसी सेवाओं को देंगी काफी बढ़ावा

15 मिनटों के अंदर-अंदर एम्बुलेंस सेवा पीड़ितों तक पहुँच रही हैं: डा. बलबीर सिंह

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़, 13 जून। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार की राज्य में समय पर, सुलभ और मानक स्वास्थ्य देखभाल यकीनी बनाने के प्रति वचनबद्धता की पुष्टि करते हुये पंजाब के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री डा. बलबीर सिंह ने आज 46 अत्याधुनिक एम्बुलेंसों को हरी झंडी देकर रवाना किया जो राज्य भर में एमरजैंसी डाक्टरी सेवाओं का और विस्तार करेंगी। नयी एम्बुलेंसें शामिल करने से पंजाब के एमरजैंसी एम्बुलेंस फ्लिट की संख्या 371 हो गई है, जिससे इसकी जीवन रक्षक क्षमता में काफ़ी विस्तार हुआ है।

इन नयी शामिल की एम्बुलेंसों में 7 'चाइल्ड मेमोरियल एम्बुलेंसें' भी शामिल हैं जो इस साल 7 मई को समाना (पटियाला) में घटित सडक़ हादसे में दुखदायी तौर पर अपनी जानें गंवाने वाले बच्चों की याद को समर्पित हैं। अत्याधुनिक मैडीकल उपकरणों के साथ लैस यह एम्बुलेंसें क्षेत्र में एमरजैंसी रिस्पांस को मज़बूत करते हुए उन बच्चों को श्रद्धांजलि के तौर पर काम करेंगी।

अन्य विवरण सांझे करते हुये डा. बलबीर सिंह ने बताया कि सभी नयी शामिल की गई एम्बुलेंसें अत्याधुनिक डाक्टरी उपकरणों के साथ लैस हैं जिनमें आक्सीजन और ऐंबू-बैग, जीवन-रक्षक दवाएँ और तुरंत रिस्पांस को यकीनी बनाने के लिए जीपीएस- आधारित ट्रेकिंग सिस्टम शामिल है। उन्होंने कहा कि शहरी क्षेत्रों में एम्बुलेंसों सेवा पीड़ितों तक 15 मिनट और ग्रामीण क्षेत्रों में 20 मिनट में पहुँच रही है, जोकि देश में सबसे बेहतर और अंतरराष्ट्रीय मापदण्डों के मुताबिक है। उन्होंने आगे कहा, ''हमारा लक्ष्य रिस्पांस समय को 10 मिनट तक घटाना और यह यकीनी बनाना है कि गंभीर देखभाल सेवा गोल्डन ऑवर के अंदर मरीजों तक पहुँचे।'' ज़िक्रयोग्य है कि 108 एम्बुलेंस सेवा जो पंजाब का सबसे भरोसेमन्द एमरजैंसी रिस्पांस नैटवर्क है, जिसने 2011 में अपनी शुरुआत से लेकर अब तक 30 लाख से अधिक नागरिकों को सेवाओं दी हैं और हादसों, दिल की बीमारियों सम्बन्धी आपात स्थितियों, माताओं की स्वास्थ्य समस्याओं और हादसों के दौरान गंभीर देखभाल प्रदान की है। डा. बलबीर सिंह ने कहा, ''108 सेवा हमारी एमरजेंसी स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली की रीढ़ की हड्डी है। इन नयी एम्बुलेंसों से हम यह यकीनी बना रहे हैं कि हर जरूरतमंद तक सेवाएं पहुंचाई जाएँ।'' स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि एमरजैंसी के बाद पहले घंटे को ''गोल्डन ऑवर'' माना जाता है, जहाँ समय पर डाक्टरी सहायता जानें बचा सकती है।

हाथ से मैला ढोने से मशीनीकरण की ओर; सीवरों की हाथ से सफाई खत्म करने के लिए उन्नत उपकरण अपनाने वाला पंजाब अग्रणी राज्य बना

स्थानीय निकाय मंत्री ने अत्याधुनिक मशीनों को हरी झंडी दिखाई

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़, 13 जून। शहरी स्वच्छता को आधुनिक बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल करते हुए, पंजाब के स्थानीय निकाय मंत्री, डॉ. रवजोत सिंह ने आज 150 नगर पालिकाओं के लिए 39.56 करोड़ रुपये की लागत वाली 730 उन्नत सफाई मशीनों के बेड़े को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह पूरे राज्य में सीवरों की हाथ से सफाई से मशीनीकृत सफाई की ओर एक निर्णायक कदम है। इस व्यापक मशीनीकरण कार्यक्रम में ऐसे विशेष उपकरण शामिल हैं जो सफाई संबंधी हर चुनौती का समाधान करने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं और सीवर लाइनों में मानवीय हस्तक्षेप की आवश्यकता को समाप्त करते हैं। इस बेड़े में जेटिंग-कम-सक्शन मशीनें शामिल हैं जो सीवर में जमा कचरे को साफ करने के लिए शक्तिशाली सक्शन के साथ उच्च दबाव वाले पानी के जेट का संयोजन करती हैं। इसके अतिरिक्त, ग्रैब बकेट मशीनें भी शामिल हैं जो कर्मचारियों को खतरे में डाले बिना मैनहोल से गाद को सुरक्षित रूप से हटाती हैं। संकरी गलियों और भीड़भाड़ वाले शहरी क्षेत्रों के लिए, प्रशासन ने कॉम्पैक्ट माउस जेटर और पर्यावरण के अनुकूल ई-रिक्शा माउंटेड डीसिल्टिंग मशीनें तैनात की हैं जो बैटरी पावर पर काम करती हैं। स्वच्छता उपकरणों में टिकाऊ रॉडिंग सेट, खतरनाक स्थानों का आकलन करने के लिए सीवर निरीक्षण कैमरे, ओवरफ्लो संबंधी आपात स्थितियों से निपटने के लिए पंपिंग सेट और संपूर्ण सफाई कार्यों की क्षमता वाली औद्योगिक-ग्रेड सुपर सक्शन मशीनें शामिल की गई हैं।

एसडीएम का स्टेनो 24 लाख रुपए नकदी सहित काबू

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़ 13 जून। पंजाब विजीलैंस ब्यूरो ने मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार द्वारा अपनाई गई ज़ीरो सहनशीलता नीति के अंतर्गत एस. डी. एम. दफ्तर, ज़िला रायकोट, लुधियाना में तैनात स्टेनो जतिन्दर सिंह को 24,06,000 रुपए रिश्वत लेने के दोष के तहत गिरफ़्तार किया है। यहाँ यह जानकारी देते हुये राज्य विजीलैंस ब्यूरो के सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि यह गिरफ़्तारी गाँव सुखाना, तहसील रायकोट, ज़िला लुधियाना के एक निवासी की तरफ से दर्ज करवाई गई शिकायत के बाद की गई है। उन्होंने आगे बताया कि शिकायतकर्ता ने दोष लगाया है कि एस. डी. एम. रायकोट और उसका स्टेनो जतिन्दर सिंह, निवासी गाँव नूरपुरा, तहसील जगराओं, आम लोगों के सरकारी काम करने के बदले लोगों से मोटी रकम वसूल रहे हैं। उन्होंने आगे बताया कि इस जानकारी के आधार पर कार्यवाही करते हुये विजीलैंस ब्यूरो की टीम ने मुलजिम स्टेनो जतिन्दर सिंह से पूछताछ की और उसके दफ़्तर की तलाशी के दौरान एक अलमारी में से 24 लाख 6 हज़ार रुपए की नकदी बरामद हुई। मुलजिम इस नकदी का ब्यौरा बताने में असफल रहा और विजीलैंस ब्यूरो की टीम ने उसको गिरफ़्तार कर लिया। प्रवक्ता ने बताया कि इस सम्बन्धी भ्रष्टाचार रोकथाम कानून के अंतर्गत विजीलैंस ब्यूरो थाना लुधियाना रेंज में केस दर्ज किया गया है और इस केस की आगे जांच जारी है।

नार्को-तस्करी रैकेट का पर्दाफाश; 4.5 किलोग्राम हेरोइन, 11 लाख रुपए की ड्रग मनी बरामद

अर्थ प्रकाश संवाददाता

अमृतसर, 13 जून। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के दिशा-निर्देशों पर शुरू की मुहिम ''युद्ध नशों विरुद्ध' के दौरान एक और बड़ी सफलता हासिल करते हुये पंजाब एंटी-नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एऐनटीऐफ) बार्डर रेंज अमृतसर ने दो तस्करों को गिरफ़्तार करके सरहद पार से नारकोटिक्स तस्करी रैकेट का पर्दाफाश किया है और उनके कब्ज़े में से 4. 5 किलो हेरोइन और 11 लाख रुपए की ड्रग मनी बरामद की है। यह जानकारी डायरैक्टर जनरल ऑफ पुलिस (डीजीपी) पंजाब गौरव यादव ने शुक्रवार को यहाँ दी। बताने योग्य है कि गिरफ़्तार किये गए व्यक्तियों की पहचान गुरभेज सिंह उर्फ भेजा, निवासी गाँव धनोए खुर्द और मौजूदा समय निवासी गाँव रत्न और अभिजीत सिंह उर्फ हैपी, निवासी गाँव माहल और मौजूदा समय भल्ला कालोनी, छेहरटा, अमृतसर के निवासी के तौर पर हुई है।

डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि प्राथमिक जांच से पता लगा है कि गिरफ़्तार किया गया मुलजिम गुरभेज पाकिस्तान आधारित तस्कर राणा के सीधा संपर्क में था और खेप की डिलीवरी के लिए तालमेल कर रहा था। उन्होंने कहा कि अपनी गिरफ़्तारी से कुछ दिन पहले, पाक आधारित समगलर के साथ मिल कर इस हेरोइन की खेप को ड्रोन के द्वारा पहुँचाने का प्रबंध किया था और मुलजिम गुरभेज ने इस कार्यवाही में अपने अन्य साथियों समेत अभिजीत सिंह को भी शामिल किया था। डीजीपी ने कहा कि भरोसेयोग खुफ़िया जानकारी के आधार पर एएनटीएफ बार्डर रेंज अमृतसर की टीमों ने खुफ़िया कार्यवाही की और दोनों मुलजिमों को उस समय गिरफ़्तार किया जब वह हेरोइन को आगे बेचने की कोशिश कर रहे थे। उनके कब्ज़े में से हेरोइन और ड्रग मनी बरामद करने के इलावा पुलिस टीमों ने उनका स्कूटर फैसीनो ऐस, जो कि बिना नंबर प्लेट से था, भी ज़ब्त कर लिया है। उन्होंने कहा कि पूरी स्पलाई चेन को ख़त्म करने के लिए आगे जांच जारी है और आगामी दिनों में और गिरफ़्तारियाँ और बरामदगियां होने की संभावना है। इस सम्बन्धी एनडीपीएस एक्ट की सम्बन्धित धाराओं के अंतर्गत एफआईआर नंबर 157, तारीख़ 11. 06. 2025 को थाना एएनटीएफ, एस. ए. एस. नगर में केस दर्ज किया गया है।

DIRECTORATE OF PUNJAB STATE LOTTERIES

DRAW TIME: 06:00 PM ONWARDS DRAW DATE:13/06/2025

RESULT OF PUNJAB STATE DEAR 10 COPPER FRIDAY WEEKLY LOTTERY

MRP Rs 10/- Per Ticket

1st Prize Amount (10)Rs.10,000/-,Common to all series (On last 4 digits)
(Seller Prize Amount Rs.500/-, Total Prize Amount Rs.10500/- each)

7705

2nd Prize Amount (10)Rs.2000/-, Common to all series (On last 4 digits)
(Seller Prize Amount Rs.200/-, Total Prize Amount Rs.2200/- each)

7670

3rd Prize Amount (100)Rs.500/-, Common to all series (On last 4 digits)
(Seller Prize Amount Rs.50/-, Total Prize Amount Rs.550/- each)

0037	3235	4744	5234	5319	6124	6196	7269	8024	9634

4th Prize Amount (100)Rs.200/-, Common to all series (On last 4 digits)
(Seller Prize Amount Rs.20/-, Total Prize Amount Rs.220/- each)

0257	0472	1876	2983	4305	4483	7237	7537	7539	7903

5th Prize Amount (2000)Rs.100/-, Common to all series (On last 4 digits)
(Seller Prize Amount Rs.10/-, Total Prize Amount Rs.110/- each)

0007	0074	0123	0178	0234	0246	0261	0304	0358	0462
0484	0506	0629	0653	0674	0694	0772	0810	0965	1014
1158	1252	1357	1443	1505	1529	1531	1532	1540	1562
1564	1671	1696	1700	1748	1789	1802	1804	1866	1904
1959	2084	2183	2209	2300	2302	2338	2362	2389	2505
2777	2808	2849	2850	2872	2903	2943	3034	3065	3109
3175	3186	3200	3202	3275	3281	3323	3358	3373	3382
3449	3489	3494	3508	3592	3634	3778	3966	4019	4067
4140	4149	4178	4267	4328	4333	4407	4463	4553	4564
4709	4722	4733	4764	4792	4831	4935	5050	5120	5191
5203	5251	5289	5388	5529	5546	5576	5615	5622	5647
5656	5674	5735	5768	6011	6013	6021	6088	6120	6157
6169	6266	6342	6540	6544	6581	6585	6628	6691	6753
6853	6888	6903	6941	6947	7017	7050	7103	7121	7187
7218	7266	7288	7362	7465	7478	7507	7512	7514	7546
7571	7589	7625	7645	7784	7802	7814	7844	7871	7943
8017	8173	8248	8270	8329	8343	8504	8517	8529	8542
8579	8699	8769	8809	8816	8976	8997	9000	9120	9121
9196	9205	9237	9267	9303	9314	9370	9427	9498	9567
9575	9591	9618	9626	9803	9870	9901	9925	9946	9995

Issued by DIRECTORATE OF PUNJAB STATE LOTTERIES
Kindly Check The Final Result With Official Gazette Notification

'युद्ध नशों विरुद्ध' के 104वें दिन 116 नशा तस्कर गिरफ़्तार; 9.9 किलो हेरोइन व 11.23 लाख रुपए की ड्रग मनी बरामद

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़, 13 जून। राज्य में से नशों के मुकम्मल ख़ात्मे के लिए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निर्देशों पर शुरु किये गए ''युद्ध नशों विरुद्ध'' के 104वें दिन पंजाब पुलिस ने आज 116 नशा तस्करों को गिरफ़्तार करके उनके कब्ज़े में से 9.9 किलो हेरोइन, 1.5 किलो अफ़ीम और 11.23 लाख रुपए की ड्रग मनी बरामद की है। इससे सिर्फ़ 104 दिनों के अंदर गिरफ़्तार किये गए कुल नशा तस्करों की संख्या 17,282 हो गई है।

यह ऑपरेशन डायरैक्टर जनरल ऑफ पुलिस (डीजीपी) गौरव यादव के निर्देशों पर राज्य के सभी 28 जिलों में एक ही समय चलाया गया। ज़िक्रयोग्य है कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने पुलिस कमीशनरों, डिप्टी कमीशनरों और एस. एस. पीज़ को पंजाब को नशा मुक्त राज्य बनाने के हुक्म दिए हैं। पंजाब सरकार द्वारा नशों के विरुद्ध जंग की निगरानी के लिए वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा के नेतृत्व में 5 सदस्यीय कैबिनेट सब कमेटी भी बनाई गई है।

आपरेशन के विवरण देते हुये स्पैशल डीजीपी कानून और व्यवस्था अर्पित शुक्ला ने बताया कि 90 गज़टिड अधिकारियों की निगरानी अधीन 1300 से अधिक पुलिस कर्मचारियों की शमूलियत वाली 200 से अधिक पुलिस टीमों ने राज्य भर में 469 स्थानों पर छापेमारी की, जिसके चलते राज्य भर में 80 ऐफआईआरज़ दर्ज की गई। उन्होंने आगे कहा कि दिन भर चले इस आपरेशन के दौरान पुलिस टीमों ने 499 शक्की व्यक्तियों की जांच भी की।

स्पैशल डीजीपी ने बताया कि पंजाब सरकार द्वारा राज्य में से नशों के ख़ात्मे के लिए तीन-आयामी रणनीति - इनफोरसमैंट, डी-एडिकशन और प्रीवैंशन (ईडीपी) - लागू की गई है और पंजाब पुलिस ने इस रणनीति के हिस्से के तौर पर 56 व्यक्तियों को नशा छोड़ने और पुनर्वास का इलाज लेने के लिए राज़ी किया है।

तेज रफ्तार ऑल्टो कार की चपेट में आने से मोटरसाइकिल चालक की मौत

अर्थ प्रकाश/संदीप सिंह बावा

जीरकपुर, 13 जून। जीरकपुर-पटियाला फ्लाइओवर के नीचे एक मोटरसाइकिल सवार व्यक्ति को तेज रफ्तार ऑल्टो कार ने टक्कर मार दी। हादसे में 48 वर्षीय व्यक्ति बूरी तरह से घायल हो गया जिसे ईलाज के लिए सिविल अस्पताल डेराबस्सी भर्ती करवाया गया। डॉक्टरों ने उसकी गंभीर हालत को देखते हुए उसे जीएमसीएच-32 रैफर कर दिया जहां उसकी मौत हो गई। मृतक व्यक्ति की पहचान सूरज वीर निवासी फेज-1 राम दरबार चंडीगढ़ के रुप में हुई है। इस मामले में पुलिस ने मृतक के बेटे सौरभ के बयान पर अज्ञात कार चालक पर बीएनएस की धारा 106(1), 281, 324(4) के तहत मामला दर्ज कर लिया है। ऑल्टो कार हिमाचल नंबर थी जिसका नंबर नोट कर लिया गया है। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। सौरभ ने बताया कि उसके पिता पीजीआई में सफाई कर्मचारी थे। 9 जून को रात करीब साढ़े 10 बजे उसके पिता किसी काम के लिए रामदरबार से डेराबस्सी गए थे। जब वह जीरकपुर के दूसरे फ्लाईओवर के नीचे पहुंचे तो पंचकुला साइड से हिमाचल नंबर ऑल्टो कार आई जिसने उसके पिता के मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। उसके पिता नीचे गिर गए और सिर फुटपाथ पर लगा। ऑल्टो कार चालक मौके से फरार हो गया। लोगों ने उसके पिता को डेराबस्सी सिविल अस्पताल पहुंचाया जहां डॉक्टरों ने उसे जीएमसीएच-32 रैफर कर दिया और वहां उसकी मौत हो गई। पुलिस ने बयान दर्ज करने उपरांत कार चालक पर मामला दर्ज कर लिया।

नगर परिषद कर्मी पर हमला करने व गाड़ी तोडने़ के आरोप में चार अज्ञात पर मामला दर्ज

अर्थ प्रकाश/संदीप सिंह बावा

जीरकपुर, 13 जून। नगर परिषद जीरकपुर में कार्यरत रामगोपाल पर हमला करने व गाड़ी तोडने़ के मामले में जीरकपुर थाना पुलिस ने चार अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ बीएनएस की धारा 115(2), 117(2), 126(2), 296, 351(2), 324 (4) के तहत मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस ने वारदात के आसपास वाले क्षेत्र से सीसीटीवी की फुटेज खंगाली है। पुलिस हमलावरों की आई-20 गाड़ी को ट्रेस कर रही है। बताया जा रहा है कि हमले के दौरान उनकी गाड़ी की नंबर प्लेट पर मिट्टी लगी थी, जिस कारण नंबर ट्रेस नहीं हो पाया था। पंचकुला सेक्टर-26 के रहने वाले रामगोपाल ने पुलिस को बयान दिया था कि बुधवार शाम पौने 7 बजे वह ड्यूटी खत्म कर अपनी स्विफ्ट डिजायर कार में पंचकुला अपने घर जा रहा था। उसकी कार का आई-20 कार में आए चार युवक पीछा कर रहे थे। रामगोपाल की कार के-एरिया लाइट प्वाइंट से पहले सोही बैंक्विट के पास पहुंची तो आई-20 कार में सवार युवकों ने उसकी कार के आगे गाड़ी लगाकर घेर लिया। कार से चार युवक उतरे जिनमें तीन के हाथों में रॉड और एक के हाथ में टकुआ था। हमलावरों ने आते ही कार के शीशे तोड़ दिए और रामगोपाल की बाजू पर रॉड से वार किए। लोग इक्ट्ठा हुए तो आरोपी अपनी आई-20 कार में पंचकुला की तरफ फरार हो गए। हमलावरों ने अपनी आई-20 कार की नंबर प्लेट पर मिट्टी लगाकर उसे छुपाया हुआ था। रामगोपाल को उसके भतीजे रोबिन सिंगला ने प्राइवेट अस्पताल में भर्ती करवाया जहां वह जेरे ईलाज है।

गर्भवती महिला पर नवजात की हत्या का आरोप, स्कूल बैग से मिला शिशु का शव

पति तीन साल से पुर्तगाल में, सास की शिकायत पर एफआईआर दर्ज

अर्थ प्रकाश/ओम प्रकाश

कैथल, 13 जून। गांव भागल में एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है जहां एक महिला पर नवजात शिशु की हत्या कर शव छिपाने का आरोप लगा है। घटना की शिकायत आरोपी महिला की सास ने दी, जिस पर कार्रवाई करते हुए चीका थाना पुलिस ने महिला समेत तीन लोगों पर मामला दर्ज कर लिया है। शिकायतकर्ता फूलपति ने बताया कि उसका बेटा गुरुचरण सिंह पुर्तगाल में नौकरी करता है। उसकी शादी वर्ष 2015 में पूनम देवी से हुई थी और उनके तीन बच्चे हैं। महिला का आरोप है कि बेटे के विदेश जाने के बाद कथित तौर पर बहू का व्यवहार बदल गया। वह अकसर बाहर रहने लगी। अपनी शिकायत में फूलपति ने आरोप लगाया है कि बहू पूनम उसके साथ भी मारपीट करती थी जिस कारण वह 6 महीने पहले अपने मायके जाकर रहने लगी थी। फूलपति ने बताया कि तकरीबन 10 दिन पहले जब वह मायके से लौटी तो बहू गर्भवती दिखाई दी। पूछने पर बहू ने कहा कि पेट में पानी बन गया है। फूलपति ने बताया कि उसे शक था कि उसकी बहू गर्भवती है। इस बात को लेकर घर में तकरार भी हुई लेकिन बहू यही कहती रही कि वह बीमार है तथा उसके पेट में पानी भर गया है। इसी बीच 11 जून को उसकी बेटी गुरजिंदर अपनी ससुराल गांव करोड़ा से भागल अपने मायके आई तो पास ही के पशुबाड़े में नीले रंग का स्कूल बैग पड़ा मिला। जब बैग खोला गया तो उसमें प्लास्टिक की थैली में नवजात शिशु का शव मिला जो देखने में लडका प्रतीत हो रहा था और उसके गले में लाल रंग की चुन्नी बंधी थी। इसकी सूचना गुरजिंदर ने अपनी मां फूलपति को दी और फूल पति के बुलावे पर गांववासी और भाईचारा मौके पर जमा हो गए।

केस दर्ज, जांच में जुटी पुलिस: घटना की सूचना 112 पर नंबर पर दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस और गुहला सरकारी अस्पताल से डॉक्टरों की टीम ने पूनम देवी को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गुहला पहुंचाया, जहां से उसे जिला सरकारी अस्पताल कैथल रेफर कर दिया गया। इस मामले में फुलपति ने अपनी बहू पूनम देवी के अलावा नन्ही पत्नी कृष्ण व मीना पत्नी बलवान सिंह को भी संलिप्त बताया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और भारतीय न्याय संहिता की धारा 103(1), 238 और 3 (5) के तहत कार्रवाई शुरू कर दी है। फिलहाल पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है और घटना की गहराई से जांच की जा रही है।

पूर्व सैनिकों की पेंशन विसंगति के लिए लगाया समाधान शिविर

कैथल (अप्रस)। ईसीएचएस पॉलीक्लिनिक के प्रांगण में ओआईसी ग्रूप कैप्टन स्वरूप सिंह की अध्यक्षता में सब एरिया हेड क्वाटर की ओर से अंबाला वेटरेनस सहायता केंद्र की टीम कैप्टन रामकुमार कुमार के साथ पहुंची। शिविर में ग्रूप कैप्टन स्वरूप सिंह ने ईसीएचएस के कार्ड व दवाइयों बारे अपना वक्तव्य रखा। तत्पश्चात समाधान शिविर की टीम ने पेंशन में जो खामियां थी उनको दूर करने के लिए कार्य शुरू किया। आज लगभग 30 शिकायतों को निपटाया गया। एसोसिएशन के प्रधान ने बताया कि वे वेटेरन सहायता केंद्र की टीम का धन्यवाद करते हैं क्योंकि अभी देखने में आया है कि हमारे वीर योद्धा जिन्होंने 62, 65, 71 की लड़ाइयां लड़ी हैं वे पेंशन आए और उसके बाद में उनका स्वर्गवास हो गया। उनकी पत्नियों की फैमिली पेंशन की हकदार हैं, उनको कई महीने से पेंशन नहीं मिल रही। ऐसे मामले देखकर बहुत दुख होता है और हम धन्यवाद कैप्टन राम कुमार का करते हैं जिन्होंने हमारी विधवा माता बहनों के लिए की स्पर्श पेंशन को चालू करवाने के लिए प्रयास किया।

राष्ट्रीय सीनियर वूशु प्रतियोगिता के लिए सरकारी वूशु सेंटर की 3 खिलाड़ी जयपुर रवाना

अर्थ प्रकाश/ओम प्रकाश

कैथल, 13 जून। 34वीं राष्ट्रीय सीनियर वूशु प्रतियोगिता के लिए सरकारी वूशु सेंटर की 3 महिला खिलाड़ी कैथल से रवाना हुई। जानकारी देते हुए सरकारी वूशु कोच रीता रानी ने बताया कि चौधरी छोटू राम इंडोर स्टेडियम अंबाला रोड कैथल में चल रहे सरकारी वूशु सेंटर की 3 महिला खिलाड़ी मोनिका आरकेएसडी कालेज, ट्विंकल धीमान आरकेएसडी कालेज और राजपति राजस्थान के जयपुर में होने जा रही 34वीं राष्ट्रीय सीनियर वूशु प्रतियोगिता के लिए रवाना हुई। यह प्रतियोगिता 14 से 19 जून तक होगी।

वूशु कोच ने बताया कि मई में हुई सीनियर राज्य प्रतियोगिता में मोनिका ने 2 इवेंट्स में भाग लिया और दोनों में ही स्वर्ण पदक जीत कर राष्ट्रीय प्रतियोगिता में अपनी जगह निश्चित कर ली। इसी तरह राजपति ने भी 2 इवेंट्स में शानदार प्रदर्शन करते हुए एक स्वर्ण एक रजत और एक कांस्य पदक हासिल कर के राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए जगह बनाई। इसी तरह ट्विंकल धीमान ने भी अपने इवेंट्स में एक स्वर्ण और एक रजत पदक प्राप्त कर के राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए स्थान निश्चित किया।

ये तीनों महिला खिलाड़ी कुछ वर्षों से वूशु खेल का अभ्यास कर रहीं हैं, राज्य स्तर पर लगातार पदक जीत रहीं हैं। इससे पहले भी मोनिका ने दो बार ऑल इंडिया वूशु प्रतियोगिता में पदक प्राप्त किए हैं और सीनियर राष्ट्रीय प्रतियोगिता में अच्छा प्रदर्शन किया है। इसी प्रकार राजपति ने भी 2 बार ऑल इंडिया वूशु प्रतियोगिता में पदक प्राप्त किए है और जूनियर और सीनियर राष्ट्रीय वूशु प्रतियोगिता में भी राज्य की ओर से भाग लिया है। खेलो इंडिया, दस का दम, राज्य स्तरीय वूमेन वूशु लीग में भी दोनों खिलाडियों ने अपने अपने इवेंट में स्वर्ण पदक हासिल किए। राज्य स्तर पर सांशू और ताओलु इवेंट्स में पदक प्राप्त कर चुकी हैं। तीनों महिला खिलाड़ी इंटर कालेज वूशु प्रतियोगिता में भी स्वर्ण पदक प्राप्त कर चुकी हैं। इस बार भी तीनों खिलाडियों ने राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए कड़ी मेहनत की है और उम्मीद है कि इस बार भी इनका प्रदर्शन शानदार रहेगा। खेल अधिकारी राजरानी राणा ने और कोच रीता रानी ने खिलाडियों को शुभकामनाएं दीं।

न्यूज ब्रीफ

गौभक्त एडवोकेट अमित राठी हुए सम्मानित

समालखा (अप्रस/मनदीप कुमार)। शहर के भापरा रोड स्थित बेसहारा गौवंश चिकित्सालय में गोसेवा में सक्रिय योगदान के लिए समालखा बार एसोसिएशन के उपप्रधान एडवोकेट अमित राठी को सम्मानित किया गया। इससे पूर्व चिकित्सालय टीम ने लघु सचिवालय स्थित उनके चैम्बर में पहुंचकर उन्हें प्रशंसा पत्र और स्मृति चिन्ह भेंट किया। राठी ने कहा कि गायों की सेवा से आत्मिक शांति मिलती है और यह समाज के लिए भी पुण्य कार्य है। खजांची संदीप शर्मा ने बताया कि राठी समय-समय पर गौशालाओं में दान, शैड निर्माण और दवाइयों के माध्यम से सहयोग करते रहे हैं। कुलदीप रोहिल्ला ने बताया कि मिले हुए दान से बीमार और बेसहारा गायों की देखभाल, दवाइयां और चारा आदि की व्यवस्था की जाती है। चिकित्सालय टीम ने उनके उज्ज्वल भविष्य और अच्छे स्वास्थ्य की कामना करते हुए सभी से गौसेवा में सहयोग की अपील की।

एसडीएम ने किया विभिन्न राशन डिपो का निरीक्षण

टोहाना (अप्रस/संजीव सिंगला)। एसडीएम प्रतीक हुड्डा ने खाद्य एवं आपूर्ति विभाग के अधिकारियों के साथ टोहाना क्षेत्र के विभिन्न राशन डिपो का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने शहर के वार्ड नंबर 20, वार्ड नंबर 16, वार्ड नंबर 14, चंदड़ खुर्द व फतेहपुरी के राशन डिपो का औचक निरीक्षण किया और डिपो संचालकों को जरूरी दिशा निर्देश दिए। एसडीएम प्रतीक हुड्डा ने सार्वजनिक वितरण प्रणाली की पारदर्शिता सुनिश्चित करने और लाभार्थियों को समय पर राशन वितरण सुनिश्चित के लिए टोहाना क्षेत्र के विभिन्न राशन डिपो का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने प्रत्येक डिपो पर उपलब्ध राशन की मात्रा का प्रत्यक्ष निरीक्षण किया। उन्होंने डिपो संचालकों से पीओएस मशीन के डेटा की समीक्षा की और उसमें दर्ज स्टॉक की स्थिति का राशन स्टॉक से तुलनात्मक मिलान किया। निरीक्षण के दौरान यह स्पष्ट किया गया कि स्टॉक बोर्ड हर डिपो पर स्पष्ट रूप से प्रदर्शित होना चाहिए और उस पर प्रतिदिन की अद्यतन जानकारी अंकित की जानी चाहिए, ताकि उपभोक्ताओं को डिपो की स्थिति की सटीक जानकारी मिल सके। एसडीएम ने निर्देश दिए कि डिपो तय समय पर खोले जाएं और राशन वितरण प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की लापरवाही न हो। उन्होंने कहा कि पात्र लाभार्थियों को सरकार द्वारा निर्धारित मात्रा और गुणवत्ता का राशन बिना किसी बाधा के उपलब्ध हो, यह सुनिश्चित करना डिपो संचालकों की प्राथमिक जिम्मेदारी है। निरीक्षण के दौरान फतेहपुरी स्थित राशन डिपो के स्टॉक में अनियमितता पाई गईं जिस पर डिपो संचालक को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। इस दौरान खाद्य एवं आपूर्ति विभाग के उप निरीक्षक रविन्द्र कुमार, भीम ऑपरेटर एवं अन्य संबंधित कर्मचारी उपस्थित रहे।

अवैध देसी पिस्तौल व जिंदा रोंद सहित आरोपी काबू

पानीपत (अप्रस/सुभाष जैन)। सीआईए टू पुलिस टीम ने चौटाला रोड स्थित

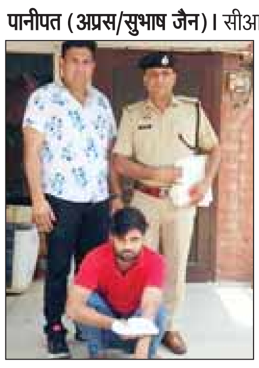

रिसालू डाडौला मोड पर एक युवक को अवैध देसी पिस्तौल व जिंदा रौंद सहित गिरफ्तार किया। आरोपी की पहचान यूपी के शामली जिला के गांव तितरवाडा निवासी वसीम उर्फ तोतू के रूप में हुई है। सीआईए टू प्रभारी इंस्पेक्टर फूल कुमार ने बताया कि वीरवार को उनकी टीम गश्त के दौरान चौटाला रोड पर मौजूद थी। तभी टीम को गुप्त सूचना मिली की चौटाला रोड स्थित रिसालू डाडौला मोड़ पर संदिग्ध किस्म का एक युवक खड़ा है। युवक के पास अवैध हथियार होने की संभावना है। पुलिस टीम ने तुरंत मौके पर दंबिश देकर युवक को हिरासत में लिया। पूछताछ में उसने अपनी पहचान यूपी के शामली जिला के गांव तितरवाडा निवासी वसीम उर्फ तोतू पुत्र आयुब के रूप में बताई। उसकी तलाशी ली तो पेंट की जेब से एक देसी पिस्तौल 32 बोर व एक जिंदा रौंद बरामद हुआ। देसी पिस्तौल को खोलकर जांच की तो अनलोड मिला। पूछताछ में आरोपी वसीम उर्फ तोतू ने पुलिस को बताया बरामद देसी पिस्तौल व जिंदा रौंद को वह दोस्तों में रौब दिखाने के लिए करीब 5 महीने पहले यूपी के कांधला में एक अज्ञात ई रिक्शा चालक से 12 हजार रूपए में खरीदकर लाया था। प्रभारी इंस्पेक्टर फूल कुमार ने बताया कि पुलिस ने आरोपी के कब्जे से बरामद अवैध देसी पिस्तौल व जिंदा रौंद को कब्जा पुलिस में लेकर आरोपी के खिलाफ थाना औद्योगिक सेक्टर 29 में आर्म्स एक्ट के तहत अभियोग दर्ज कर शुक्रवार को पूछताछ के बाद आरोपी को माननीय न्यायालय में पेश किया जहा से उसे न्यायिक हिरासत जेल भेज दिया।

बिजली कटों से परेशान कलायत के गांव शिमला के लोगों ने बुलाई पंचायत

अर्थ प्रकाश/कपिल देव रोहिल्ला

कलायत, 13 जून। कलायत के गांव शिमला के लोगों ने बिजली कटों से परेशान होकर शुक्रवार को पंचायत बुलाई। इसमें बिजली के लगातार लगने वाले कटों की समस्या का निवारण के लिए रणनीति तय की गई। पंचायत की अध्यक्षता भारतीय किसान यूनियन ब्लाक प्रधान जिले सिंह मोर ने की। उनके साथ मुख्य रूप से कृष्ण मोर, छोटा मोर, राजेंद्र सिंह, बलवान मोर और यूथ कल्ब अध्यक्ष आशीष मोर मौजूद रहे। जिले सिंह ने कहा कि बिजली आपूर्ति को लेकर भारी संकट है। समय पर बिजली के न आने के कारण पेयजल समस्या भी गंभीर होती जा रही है। दिन-रात लोग बिजली संकट से बेहाल रहते हैं। यही हालात रामगढ़ पांडवा गांव के बने हैं। हालात इस कदर खराब हैं कि बिजली केवल 9 से 10 घंटे तक आती है। शेष समय बिजली सप्लाई बंद रहती है। कहीं न कहीं बिजली निगम गांव शिमला में जानबूझ कर दो-दो घंटे के कट लगा रहा है। गांव शिमला के ग्रामीणों ने बिजली निगम को हालात सुधारने के लिए दो दिन का समय दिया है। इसके उपरांत ग्रामीण नेशनल हाई-वे पर पड़ाव डालने के लिए रवाना होंगे।

बिजली निगम उपमंडल अभियंता अंकित रंगा ने बताया कि बिजली की मांग अपेक्षाकृत अधिक बढ़ रही है। जिन गांवों में बिजली चोरी नहीं होती उन गांवों में 18 घंटे तक बिजली दी जा रही है। जबकि कलायत नगर में बिजली आपूर्ति 24 घंटे है। यदि पावर हाउस ओवरलोड हो जाए तो कुछ समय के लिए पावर सप्लाई बंद करनी होती है। इसके अलावा यदि कहीं कोई फाल्ट आ जाता है तो भी उस क्षेत्र की बिजली आपूर्ति बंद करके उसे दूर किया जाता है।

जिले में 83 नए मतदान केंद्र बनाने का प्रस्ताव राजनैतिक दलों के प्रतिनिधि 17 तक दे सकते हैं सुझाव: डीसी

अर्थ प्रकाश/ओम प्रकाश

कैथल, 13 जून। डीसी प्रीति ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग की हिदायतानुसार मतदाता सूचियों के पुनरीक्षण से पहले मतदान केंद्रों में संशोधन की कार्रवाई की जाएगी। विधानसभा गुहला, कलायत, कैथल, पूंडरी में वर्तमान में कुल 807 मतदान केंद्र हैं।

इन सभी मतदान केंद्रों पर मतदाताओं की संख्या 1200 रखने का प्रावधान किया गया है, जिसके तहत 83 नए मतदान केंद्र बनाने का प्रस्ताव रखा गया है। नए प्रस्तावित मतदान केंद्रों को लेकर राजनीतिक दल के प्रतिनिधि तय समय अवधि में अपने सुझाव दे सकते हैं। डीसी लघु सचिवालय में मतदान केंद्रों के संशोधन विषय पर संबंधित विभागों के अधिकारियों तथा राजनैतिक प्रतिनिधियों के साथ समीक्षा बैठक कर रहीं थीं। उन्होंने कहा कि चारों विधानसभा में 807 मतदान केंद्रों के तहत 1200 से कम मतदाताओं की संख्या वाले 624 मतदान केंद्र हैं तथा 183 मतदान केंद्र ऐसे हैं जोकि मतदाताओं की संख्या 1200 से अधिक है।

आयोग द्वारा जारी हिदायतानुसार वर्तमान में 1200 से अधिक मतदाताओं वाले मतदान केंद्रों का समायोजन अथवा नए मतदान केंद्र बनाए जाने वाले केंद्रों तथा इनके लिए मतदान केंद्र स्तर के अधिकारियों की पहचान की गई है, जोकि प्रस्तावित हैं। पहले से ही मतदान केंद्रों के भवनों में समायोजित किए जाने वाले मतदान केंद्रों की संख्या 100 है तथा नए भवनों में बनाए जाने वाले मतदान केंद्रों की संख्या 83 है। जो नए बूथ प्रस्तावित किए गए हैं, उनको लेकर राजनैतिक दलों के प्रतिनिधि आगामी 17 जून तक अपने सुझाव जिला निर्वाचन कार्यालय में भिजवा सकते हैं। उन्होंने कहा कि नए बनाए जाने वाले मतदान केंद्रों में गुहला विधानसभा में 19, कलायत विधानसभा में 17, कैथल विधानसभा में 26 तथा पूंडरी विधानसभा में 21 मतदान केंद्र की पहचान की गई है। इस मौके पर कैथल सीटीएम गुरविंद्र सिंह, एसडीएम अजय कुमार, कलायत एसडीएम अजय हुड्डा, चुनाव नायब तहसीलदार सुभाष, राजनैतिक प्रतिनिधियों में सुरेंद्र रांझा, चंद्रभान, गुलाब सिंह, अमरीक सिंह के अलावा अन्य संबंधित अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

अवैध खनन का विरोध कर रहे किसानों का धरना जारी

करनाल (अप्रस)। मुस्तफाबाद गांव के रकबे में अपनी मांगो को लेकर चलाया जा रहा धरना शुक्रवार को 10 वें दिन में प्रवेश कर गया है। किसान दिन रात धरने पर डटे हुए है। धरने की अध्यक्षता युवा किसान नेता देवेंद्र सागवान ने की। गांव शेखुपुरा के किसानों के जत्थे ने नारेबाजी करते हुए अपना समर्थन दिया। भारतीय किसान यूनियन(भाकियू) से जुडे किसानों ने कहा कि अभी भी प्रशासनिक अधिकारी किसानों की काश्त भूमि को मैसर्ज मेक्स माईनिंग कंपनी के हवाले करने के प्रयास कर रहे है। किसान कई बार जिला प्रशासन को अपनी जमीन को बचाने के लिए अपनी फरियाद कर चुके है। आंदोलित किसानों का कहना है कि गत 9 जून को करनाल में किसानों ने बड़ी संख्या में एकत्रित होकर प्रदर्शन करके मंख्यमंत्री नायाब सैनी के नाम एसडीएम अनुभव मेहता को ज्ञापन सौंपा गया था।

कृषि महाविद्यालय के छात्रों ने नारेबाजी कर जताया रोष

छात्रों ने विश्वविद्यालय हिसार के वीसी को बर्खास्त करने की मांग की

अर्थ प्रकाश/ओम प्रकाश

कैथल, 13 जून। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में छात्रों पर हुई बर्बरतापूर्ण मारपीट, छात्रवृत्ति में कटौती एवं अन्यायपूर्ण नियमों के खिलाफ कृषि महाविद्यालय कौल के छात्रों ने धरना प्रदर्शन कर नारेबाजी की। छात्र पारस, आर्यन, गौरव, निकिता, गरीमा, योगेश, रमन, राहुल, अंकित, प्रतिभा, प्रिति, पूनम, स्विटी ने बताया कि गत दिनों कृषि विश्वविद्यालय हिसार में अपनी मांगे मनवाने के लिए शांतिपूर्ण धरना प्रदर्शन कर रहे छात्र-छात्राओं पर विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा लाठी जार्च करना हमारे अधिकारों का हनन है। जिसकी छात्र संघ कड़े शब्दों में निंदा करता है। छात्रों का कहना है कि यह सब कुछ वीसी के कहने पर हुआ है। उन्होंने कहा कि चीफ सिक्योरिटी आफिसर एवं अन्य सुरक्षा कर्मियों द्वारा छात्रों के साथ मारपीट एवं गाली गलौच करना किसी भी सभ्य समाज व शैक्षणिक संस्थान के लिए शर्मनाक घटना है। हम शांतिपूर्ण तरीके से छात्रवृत्ति में की गई कटौती और एलडीवी सीटों में बदलाव के विरोध में धरना प्रदर्शन कर रहे थे जो कि हमारा अधिकार है। उन्होंने कहा कि वीसी के इशारे पर रजिस्ट्रार डा. पवन कुमार की मौजूदगी में सिक्योरिटी गार्डो द्वारा बर्बरता पूर्ण लाठीचार्ज किया गया। जिसमें कई छात्र घायल हुए है। छात्रों का कहना है कि कुलपति डा. बलदेव राज कंबोज की तानाशाही, सत्ता का दुरुपयोग और छात्रों के मौलिक अधिकारों का घोर उल्लंघन हुआ है। हम न्याय की गुहार लगाते हुए सरकार से मांग करते है कि वीसी का तत्काल इस्तीफा लिया जाए। प्रो. राधेश्याम पर हत्या के प्रयास का मुकद्दमा दर्ज कर उन्हें पद से बर्खास्त किया जाए, रजिस्ट्रार डा. पवन कुमार,छात्र कल्याण निदेशक डा. एमएल खिचड,मुख्य सुरक्षा अधिकारी सुखबीर सिंह, सभी हमलावर सुरक्षा कर्मचारियों को गिरफ्तार कर कानूनी कार्यवाही की जाए।

शहरवासी साइबर अपराधियों से रहें सावधान

करनाल (अप्रस/शैलेंद्र जैन)। नगर निगम आयुक्त डॉ. वैशाली शर्मा ने आमजन को जागरूक करने के लिए बताया कि साईबर अपराधियों द्वारा फोन करके शहरवासियों से सीवरेज व जलापूर्ति के बिल की राशि जमा करने की मांग की जा रही है। नागरिकों को सम्पर्क नम्बर 9242029307 या अन्य किसी नम्बर से फोन कर बिल की राशि व बार कोड वाले बिल की मांग की जा रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह फोन नगर निगम द्वारा नहीं किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि नगर निगम की टीम द्वारा घर-घर जाकर बिल बांटे जाते हैं या एस.एम.एस. के माध्यम से सम्बंधित व्यक्ति के पास बिल की राशि भेजी जाती है। इस राशि को नागरिक नगर निगम के नागरिक सुविधा केन्द्र (सी.एफ.सी.) पर कैश भुगतान कर या ऑनलाई डॉट यूएलबी हरियाणा डॉट जीओवी डॉट इन पोर्टल पर जाकर ऑनलाईन पेमेंट कर सकते हैं।

हीट वेव व गर्मी से बचाव के लिए पहनें ढीले सूती कपड़े: एसडीएम

अर्थ प्रकाश/सीमा देवी

इन्द्री, 13 जून। एसडीएम अशोक कुमार मुंजाल ने बताया कि गर्मी के मौसम में गर्म हवा और बढ़े हुए तापमान से लू (हीट वेव) लगने का खतरा बढ़ जाता है, खासकर धूप में घूमने वालों बच्चों, बुजुर्गों और बीमार व्यक्तियों को लू लगने का डर ज्यादा रहता है। लू लगने पर उसके इलाज से बेहतर है, हम लू से बचे रहें यानी बचाव इलाज से बेहतर है। प्रशासन द्वारा जनहित में लू से बचाव के लिए एडवाइजरी जारी की गई है, जिसका सभी पालन करते हुए स्वास्थ्य सुरक्षा बनाए रखें।

एसडीएम अशोक कुमार मुंजाल ने आमजन से आह्वान किया कि प्रशासन की ओर से जारी की गई एडवाइजरी की पालना करें और हीट वेव से बचे रहें। उन्होंने बताया कि हीट वेव से बचाव के लिए स्थानीय मौसम संबंधी खबरों के लिए रेडियो सुनें, टीवी देखें, समाचार पत्र पढ़ें। गर्मी में हल्के रंग के ढीले सूती कपड़े पहनें, अपना सिर ढककर रखें, कपड़े, हैट अथवा छतरी का उपयोग करें, पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं-भले ही प्यास न लगी हो, ओआरएस (ओरल रिहाइड्रेशन सॉल्यूशन), घर में बने पेय जैसे लस्सी, तोरानी (चावल का मांड) नींबू पानी, छाछ आदि का सेवन कर तरोताजा रहें। पार्किंग के समय बच्चों को वाहनों में छोड़कर न जाएं, उन्हें लू लगने का खतरा हो सकता है, नंगे पांव बाहर न जाएं, गर्मी से राहत के लिए हाथ का पंखा अपने पास रखें, काम के बीच में थोड़ा-थोड़ा विश्राम लें, खेत खलिहान में काम कर रहे हैं तो समय-समय पर पेड़ या छाया में ही आसरा लें।

अवैध पिस्तौल सहित युवक काबू, हथियार बरामद

अर्थ प्रकाश/सुरेश सिसोदिया

जींद, 13 जून। जिले में अपराधियों पर शिकजा कसने व अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस अधीक्षक कुलदीप सिंह द्वारा दिए गए दिशा-निर्देशों की पालना करते हुए डिटेक्टिव स्टाफ जींद की टीम ने एक युवक को अवैध असला साहित गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपी की पहचान योगेश उर्फ डोगा वासी अमृत कालोनी सुनारिया चौक रोहतक के रुप में हुई है।

जानकारी देते हुए डिटेक्टिव स्टाफ जींद इंचार्ज उपनिरीक्षक चंद्रपाल ने बताया कि पुलिस टीम अपराधों की रोकथाम के लिए नगूरा बस अड्डा मौजूद थी तभी सहायक उपनिरीक्षक राजेश कुमार को गुप्त सूचना मिली की एक नौजवान लडका योगेश उर्फ डोगा वासी रोहतक जो सफेद रगं की जीसं पैन्ट व सफेद-भुरे रगं की शर्ट पहने हुए जुम्मु-कटडा हाईवे पुल के नीचे कही जाने की फिराक मे खडा है और नाजायज असला लिये हुए है अगर फौरी रेड की जावे तो अवैध असले सहित मौका पर काबु आ सकता है। मिली सूचना आधार पर पुलिस टीम जम्मु-कटडा हाईवे पुल के नीचे पहुची तो एक नवयुवक द्वारा बतलाये हुलिये अनुसार खडा दिखाई दिया जो पुलिस पार्टी को देखकर एकदम तेज-2 कदमो से अलेवा की तरफ जाने लगा। जिसको काबु करके नामपता पूछा तो उसने अपना नाम योगेश उर्फ डोगा वासी अमृत कालोनी सुनारिया चौक रोहतक बतलाया। जिसकी नियमानुसार तलाशी ली तो योगेश की पैन्ट जीसं की दाहनी डब से एक पिस्तोल देशी-32 बोर बरामद हुआ जिसकी मैगजीन उतारकर चैक किया तो खाली मिला। बरामद देशी पिस्तोल 32 बोर बारे योगेश से लाईसैस/प्रमिट मागा तो वह कोई लाईसैस व प्रमिट पेश नही कर सका।

भीषण गर्मी ने अंबाला में तोड़ा रिकॉर्ड, पारा 45 डिग्री के पार

बिजली की खपत चरम पर, स्वास्थ्य विभाग ने लोगों को सतर्क रहने की दी सलाह

अर्थ प्रकाश/जयबीर राणा थंबड

बराड़ा, 13 जून। उत्तर भारत में जारी गर्म हवाओं की मार से अंबाला का बराड़ा भी अछूता नहीं रहा। वीरवार को अधिकतम तापमान 45 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जिसने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित किया। दिन चढ़ते ही सड़कों पर सन्नाटा पसर गया और लोग आवश्यक कामों के सिवा घरों से निकलने से कतराते नजर आए। न्यूनतम तापमान 32 डिग्री रहा, जिससे रात का भी चैन छिन गया। गन्ने के रस, शिकंजवी, तथा अन्य पेय पदार्थों की दुकानों पर ग्राहकों की भीड़ दिखाई दी।

जनजीवन बेहाल, गर्म हवा का कहर जारी: सुबह दफ्तर, कालेज और बाजार के लिए निकलने वाले लोग सूरज की तीखी किरणों और लू के थपेड़ों से परेशान रहे। स्थानीय नागरिक छतरी, गमछे और सूती कपड़ों से अपने को ढक कर निकलते देखे गए। राहत की कोई संभावना फिलहाल नजर नहीं आ रही।

मौसम विशेषज्ञों की राय: चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार के कृषि मौसम विभागाध्यक्ष डॉ. मदन खीचड़ के अनुसार, 13 जून तक लू का असर बना रहेगा। उन्होंने बताया कि इस दौरान तापमान में और वृद्धि हो सकती है तथा धूलभरी हवाएं भी चल सकती हैं। 14 जून के बाद मौसम में मामूली बदलाव संभव है।

बिजली निगम के अधीक्षण अभियंता विशाल सैनी ने बताया कि गर्मी के दबाव से निपटने के लिए पावर हाउस में ऑटोमेटिक कूलिंग सिस्टम पूरी तरह सक्रिय है और आपूर्ति व्यवस्था फिलहाल सामान्य बनी हुई है।

स्वास्थ्य विभाग की अपील- सावधानी जरूरी वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ. कुलदीप राणा ने नागरिकों से अपील की है कि वे अनावश्यक रूप से दोपहर के समय बाहर न निकलें। उन्होंने हल्के सूती कपड़े पहनने, छाता या टोपी का इस्तेमाल करने और पर्याप्त मात्रा में पानी, नींबू पानी व ओआरएस लेने की सलाह दी है। नागरिक अस्पताल में गर्मी से प्रभावित मरीजों के लिए विशेष वातानुकूलित वार्ड स्थापित किया गया है।

बिजली की खपत नए स्तर पर पहुंची तपती गर्मी के चलते अंबाला सर्कल में बिजली की मांग में तेजी से उछाल आया है:

तिथि	मांग (लाख किलोवाट)
1 जून	59.90 लाख किलोवाट
2 जून	60.72 लाख किलोवाट
3 जून	55.43 लाख किलोवाट
4 जून	54.89 लाख किलोवाट
5 जून	54.53 लाख किलोवाट
6 जून	62.03 लाख किलोवाट
7 जून	71.92 लाख किलोवाट
8 जून	79.77 लाख किलोवाट
9 जून	84.56 लाख किलोवाट
10 जून	92.42 लाख किलोवाट

प्राइवेट अस्पताल के चिकित्सक डॉ कुलदीप शर्मा ने कहा है कि लोग केवल उबला या आरओ का पानी पिएं और खुले में बिकने वाले खाद्य पदार्थों से परहेज करें ताकि संक्रमण और डिहाइड्रेशन से बचा जा सके। गर्मी में बाहर का तला भुना खाना खाने से परहेज करें ।

सीएम नीतीश कुमार ने 62 लाख से ज्यादा लाभार्थियों को डीबीटी से भेजे 271 करोड़ रुपए

बिहार सरकार का कल्याणकारी योजनाओं को बढ़ावा

अर्थ प्रकाश संवाददाता

पटना, 13 जून। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज 1, अणे मार्ग स्थित 'संकल्प' से सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना एवं मुख्यमंत्री कन्या उत्थान योजना के लाभुकों के खाते में 271 करोड़ 15 लाख रूपये की राशि का डी0बी0टी0 के माध्यम से हस्तांतरण किया।

आज के इस कार्यक्रम में पांच सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के कुल 61 लाख 29 हजार 548 लाभुकों को 254 करोड़ 45 लाख 5 हजार 900 रूपये तथा मुख्यमंत्री कन्या उत्थान योजना के 85 हजार 556 लाभुकों को 16 करोड़ 70 लाख 33 हजार रूपये की राशि हस्तांतरित की गयी अर्थात कुल 62 लाख 15 हजार 104 लाभुकों को कुल राशि 271 करोड़ 15 लाख 38 हजार 900 रूपये की राशि डी0बी0टी0 के माध्यम से हस्तांतरित की गयी।

इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुये मुख्यमंत्री ने कहा कि खुशी की बात है कि आज कुल 62,15,104 (बासठ लाख पन्द्रह हजार एक सौ चार) लाभुकों को 271,15,38,900 (दो सौ एकहत्तर करोड़ पन्द्रह लाख अड़तीस हजार नौ सौ) रुपये की राशि हस्तांतरित की गयी है, जिसमें इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना, इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय निःशक्तता पेंशन योजना तथा इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय विधवा पेंशन योजना के अन्तर्गत केन्द्र सरकार की ओर से 112.14 करोड़ तथा राज्य सरकार की ओर से 68.93 करोड़ की राशि सम्मिलित है। इसके अलावा राज्य सरकार की ओर से संचालित योजनाओं बिहार निःशक्तता पेंशन योजना, लक्ष्मीबाई सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना तथा मुख्यमंत्री कन्या उत्थान योजना अन्तर्गत राज्य सरकार की ओर से कुल 90.08 करोड़ की राशि दी जा रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार निःशक्तता पेंशन योजना के तहत 9 लाख 64 हजार 220 लाभार्थियों को 38 करोड़ 68 लाख 95 हजार 600 रूपये की राशि राज्य सरकार की तरफ से हस्तांतरित की गयी है। लक्ष्मीबाई सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के तहत 8 लाख 63 हजार 76 लाभार्थियों को राज्य सरकार की तरफ से 34 करोड़ 69 लाख 19 हजार 600 रूपये की राशि हस्तांतरित की गयी है।

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना के तहत 35 लाख 59 हजार 667 लाभार्थियों को केन्द्र की तरफ से 89 करोड़ 83 लाख 43 हजार 600 रूपये तथा राज्य सरकार की तरफ से 61 करोड़ 48 लाख 85 हजार 500 रूपये की राशि हस्तांतरित की गयी है। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय निःशक्तता पेंशन योजना के तहत 1 लाख 10 हजार 583 लाभार्थियों को 3 करोड़ 31 लाख 77 हजार 600 रूपये की राशि केन्द्र सरकार द्वारा जबकि 1 करोड़ 10 लाख 59 हजार 200 रूपये की राशि राज्य सरकार द्वारा हस्तांतरित की गयी है।

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय विधवा पेंशन योजना के तहत 6 लाख 32 हजार 2 लाभार्थियों को केन्द्र सरकार की तरफ से 18 करोड़ 99 लाख 18 हजार 600 तथा राज्य सरकार की तरफ से 6 करोड़ 33 लाख 06 हजार 200 रूपये की राशि हस्तांतरित की गयी है। यानि कुल 61 लाख 29 हजार 548 लाभुकों के बीच कुल 254 करोड़ 45 लाख 5 हजार 900 रूपये की राशि हस्तांतरित की गयी, जिसमें केन्द्र सरकार की तरफ से 112 करोड़ 14 लाख 39 हजार 800 रूपये तथा राज्य सरकार की तरफ से 142 करोड़ 30 लाख 66 हजार 100 रूपये की राशि शामिल है। मुख्यमंत्री कन्या उत्थान योजना के तहत 85 हजार 556 लाभुकों को राज्य सरकार की तरफ से 16 करोड़ 70 लाख 33 हजार रूपये की राशि हस्तांतरित की गयी है।

उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार का भी सभी क्षेत्रों में पूरा सहयोग मिल रहा है। इन योजनाओं में भी केन्द्र सरकार द्वारा राशि प्रदान की गयी है। समाज कल्याण विभाग द्वारा जो सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनायें चलायी जा रही हैं उसका लाभ लोगों को मिल रहा है। समाज कल्याण विभाग सभी सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं के संबंध में लोगों को अवगत कराये और इसका लाभ लोगों को मिलता रहे।

कार्यक्रम में समाज कल्याण विभाग की सचिव मती बंदना प्रेयषी ने मुख्यमंत्री को हरित पौधा भेंटकर स्वागत किया।

कार्यक्रम के दौरान समाज कल्याण विभाग की सचिव, मती बंदना प्रेयषी, सामाजिक सुरक्षा निदेशालय की निदेशक, मती रंजिता एवं आईएसडी0एस0 के निदेशक, अमित कुमार पाण्डेय ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से विभाग की योजनावार उपलब्धियों की जानकारी दी।

इस दौरान जानकारी दी गयी कि वित्तीय वर्ष 2005-06 में 12 लाख 25 हजार 106 लाभार्थियों को सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं का लाभ दिया जा रहा था, जबकि वित्तीय वर्ष 2024-25 में 1 करोड़ 9 लाख 69 हजार 255 लाभार्थियों को सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना का लाभ दिया जा रहा है। वित्तीय वर्ष 2005-06 में सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं पर 9834.32 लाख रूपये की राशि खर्च की जा रही थी, जबकि वित्तीय वर्ष 2024-25 में 524167.02 लाख रूपये की राशि खर्च की जा रही है।

इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, समाज कल्याण मंत्री मदन सहनी, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, मुख्य सचिव अमृत लाल मीणा, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव डॉ0 एस0 सिद्धार्थ, समाज कल्याण विभाग की सचिव मती बंदना प्रेयषी, मुख्यमंत्री के सचिव कुमार रवि, सामाजिक सुरक्षा निदेशालय की निदेशक मती रंजिता, आईएसडी0एस0 के निदेशक अमित कुमार पाण्डेय, दिव्यांगजन सशक्तिकरण निदेशालय के निदेशक योगेश कुमार सागर सहित अन्य वरीय अधिकारी उपस्थित थे, जबकि सभी जिलों के जिलाधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े हुये थे।

सीएम रेखा गुप्ता ने उत्तर-पश्चिमी दिल्ली के विकास कार्यों की समीक्षा की

अर्थ प्रकाश/नरेश वत्स

नई दिल्ली, 13 जून। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने उत्तर-पश्चिमी दिल्ली संसदीय क्षेत्र के विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा के लिए गुरुवार को एक उच्चस्तरीय बैठक की। इसमें सांसदों, विधायकों और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ क्षेत्र की प्रमुख विकास परियोजनाओं और संबंधित मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की गई।

सीएम रेखा गुप्ता ने विकास कार्यों को उच्च गुणवत्ता के साथ समयबद्ध तरीके से पूरा करने के लिए अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए।

बैठक में सड़कों की मरम्मत, जलापूर्ति, स्ट्रीट लाइटिंग और नालों की सफाई जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर विशेष ध्यान दिया गया। मुख्यमंत्री ने इन क्षेत्रों में सुधार के लिए ठोस कदम उठाने और कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के निवासियों को बेहतर बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है।

सीएम रेखा गुप्ता ने डॉ. भीमराव अंबेडकर अस्पताल के नए ब्लॉक के निर्माण कार्य को जल्द से जल्द पूरा करने का आदेश दिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्माण में तेजी लाने और तय समयसीमा के भीतर कार्य पूरा करने के लिए संसाधनों का प्रभावी उपयोग करने को कहा। यह नया ब्लॉक क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

विकासपुरी से मुकरबा चौक तक रिंग रोड के नवीनीकरण कार्य को भी प्राथमिकता दी गई। सीएम रेखा गुप्ता ने इस परियोजना को जल्द पूरा करने के निर्देश दिए और घोषणा की कि वह 30 जून को स्वयं कार्य की प्रगति का निरीक्षण करेंगी। इस सड़क के नवीनीकरण से क्षेत्र में यातायात सुगम होगा और लोगों की आवाजाही आसान होगी।

रोहिणी सेक्टर-4 में वृद्धाश्रम के निर्माण को शीघ्र शुरू करने के आदेश भी दिए गए। इस परियोजना से वरिष्ठ नागरिकों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी। इसके अतिरिक्त, यात्रियों की सुविधा के लिए डीटीसी बस स्टैंड के पुनर्विकास पर जोर दिया गया। बस स्टैंड पर बैठने की व्यवस्था, छाया और स्वच्छता जैसी सुविधाओं में सुधार किया जाएगा, ताकि यात्रियों को बेहतर अनुभव मिले।

मानसून से पहले जलभराव की समस्या से निपटने के लिए सीएम ने सभी विभागों को नालों की सफाई को प्राथमिकता देने का निर्देश दिया। उन्होंने अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने को कहा कि जल निकासी व्यवस्था दुरुस्त हो, ताकि बारिश के मौसम में लोगों को असुविधा न हो।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सभी विभागों से समन्वय बनाए रखने और परियोजनाओं को समय पर पूरा करने के लिए ठोस कार्ययोजना तैयार करने को कहा। उन्होंने कहा कि उत्तर-पश्चिमी दिल्ली के विकास के लिए सरकार प्रतिबद्ध है और सभी कार्यों की नियमित निगरानी की जाएगी।

पंजाब के 8 जिलों में लू का अलर्ट, तापमान 46 डिग्री पार

कल से आंधी-बारिश की संभावना, बिजली की खपत बढ़ी

अर्थ प्रकाश/साजन शर्मा

चंडीगढ़, 13 जून। पंजाब में अगले दो दिन तक भीषण गर्मी बनी रहेगी। मौसम विभाग ने शुक्रवार को भी लू को लेकर रेड अलर्ट जारी किया है। शुक्रवार से एक पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हो रहा है, जिससे मौसम में कुछ बदलाव आ सकता है। हालांकि पिछले 24 घंटे में तापमान में सिर्फ 0.1 डिग्री की कमी आई है, लेकिन तापमान अभी भी सामान्य से करीब 5 डिग्री ज्यादा बना हुआ है। बठिंडा सबसे गर्म रहा, जहां 46.8 डिग्री तापमान दर्ज हुआ। गर्मी के कारण बिजली की खपत भी तेजी से बढ़ी है। बुधवार को 16,836 मेगावाट की खपत दर्ज हुई, जो अब तक की सबसे ज्यादा है। गुरुवार को यह घटकर 16,300 मेगावाट रही। कई जगहों पर बिजली कटौती भी हो रही है। हालांकि पंजाब में बिजली विभाग का कहना है कि हमारे पास 17,000 मेगावाट तक बिजली सप्लाई करने की क्षमता है और हम हालात से निपटने के लिए तैयार हैं। चंडीगढ़ में भी तापमान 41.7 डिग्री रिकॉर्ड किया गया है।

आठ जिलो में हीटवेव का रेड अलर्ट

भीषण गर्मी के बीच राज्य को तीन हिस्सों में बांटा गया है, जिसके अनुसार मौसम का पूर्वानुमान जारी किया गया है। फरीदकोट, फाजिल्का, मुक्तसर, बठिंडा, अमृतसर, तरनतारन, मानसा और फिरोजपुर में हीटवेव का रेड अलर्ट जारी किया गया है। यहां रात के समय भी तापमान अधिक रहने की संभावना है। वहीं, कपूरथला, जालंधर, लुधियाना, बरनाला, मोहाली और फतेहगढ़ साहिब में कुछ स्थानों पर हीटवेव और रात को अधिक गर्मी रहने की संभावना जताई गई है। इसके अलावा, पहाड़ों से सटे पठानकोट, गुरदासपुर, होशियारपुर, मोगा, संगरूर, रूपनगर और पटियाला में भी हीटवेव का अलर्ट जारी किया गया है। सभी जिलों का तापमान 40 डिग्री से अधिक चल रह है।

कल से आंधी की भी संभवना

मौसम विभाग के मुताबिक 14 और 15 जून को कुछ स्थानों पर लू चलने व हलकी बारिश की संभावना है। 18 तारीख तक अलग-अलग स्थानों पर पर गरज के साथ तूफान, बिजली गिरने व तेज हवाएं 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से चलेगी। इसके बाद बारिश की संभावना है। पटियाला में शुक्रवार को हीटवेव का अलर्ट जारी किया गया है। रात में भी तापमान में वृद्धि होगी। तापमान 31 से 42 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। मोहाली में आसमान साफ रहेगा। धूप तेज चमकेगी और तापमान में वृद्धि होगी। तापमान 31 से 42 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है।

29 जून को मनोलो मार्क्वेज के भविष्य पर फैसला करेगा एआईएफएफ

अर्थ प्रकाश/साक्षी जैन

नई दिल्ली, 13 जून। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के अध्यक्ष कल्याण चौबे ने पुष्टि की है कि लगातार खराब नतीजों के बाद भारत के मुख्य कोच मनोलो मार्क्वेज के कार्यकाल की समीक्षा के लिए कार्यकारी समिति 29 जून को बैठक करेगी।

इगोर स्टिमैक के विवादास्पद रूप से बाहर होने के बाद, अगस्त 2024 में मनोलो को नियुक्त किया गया था, और तब से उन्होंने टीम को केवल एक जीत दिलाई है, मालदीव पर एक दोस्ताना मैच में 3-0 से जीत।

पिछले साल फीफा विश्व कप क्वालीफायर के तीसरे दौर में बाहर होने के बाद, भारत 2027 एएफसी एशिया कप के लिए क्वालीफाई करने के मामले में भी खुद को मुश्किल स्थिति में पाता है, एक ऐसा टूर्नामेंट जिसे टीम ने 2019 में 24 टीमों तक विस्तारित करने के बाद से नहीं छोड़ा है।

चौबे ने शुक्रवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में संवाददाताओं से कहा, मनोलो मार्क्वेज एक उच्च श्रेणी के कोच हैं और उन्हें भारतीय फुटबॉल और खिलाड़ियों की अच्छी समझ है। हालाँकि, पिछले कुछ दिनों में, मुझे इस बारे में कई कॉल आए हैं कि कोच जारी रहेंगे या नहीं। हमारी 29 जून को कार्यकारी समिति की बैठक है, जहां हम इस पर फैसला करेंगे।

एआईएफएफ अध्यक्ष ने यह भी बताया कि राष्ट्रीय टीम में क्या गलत हो रहा है और उनका मानना ??है कि भारतीय फॉरवर्ड की कमी के कारण खराब प्रदर्शन हुआ है। भारत ने 2024 की शुरुआत से अब तक केवल सात गोल किए हैं, जिनमें से तीन मालदीव के खिलाफ आए हैं।

उन्होंने कहा, यह सच है कि हमारी राष्ट्रीय टीम को मलेशिया, बांग्लादेश और हांगकांग जैसी टीमों के खिलाफ जीत हासिल करने में संघर्ष करना पड़ा है, लेकिन यह बेहद अवास्तविक है कि हम गोल के बिना जीत की उम्मीद करते हैं। भारत को एक अच्छे स्ट्राइकर की जरूरत है। इसका एक समाधान विदेशी स्ट्राइकरों के खेल के समय को कम करना और घरेलू फुटबॉल में भारतीय फॉरवर्ड को अधिक मौके देना है।

2008 में प्रतिबंधित होने के बाद देश का प्रतिनिधित्व करने के लिए ओवरसीज सिटीजन ऑफ इंडिया (ओसीआई) कार्डधारकों की मंजूरी को लेकर भी काफी चर्चा हुई है। केवल भारतीय पासपोर्ट धारकों को ही देश के लिए प्रतिस्पर्धा करने की अनुमति है। सोशल मीडिया पर प्रशंसकों ने कुछ समय से ओसीआई धारकों को देश का प्रतिनिधित्व करने की अनुमति देने की गुहार लगाई है और एआईएफएफ अध्यक्ष ने पुष्टि की है कि वे इसके लिए पात्र 33 खिलाड़ियों के संपर्क में हैं।

कल्याण ने कहा, प्रशंसक और अन्य लोग ओसीआई (भारत के विदेशी नागरिक) खिलाड़ियों के बारे में पूछ रहे हैं। नीचे रैंक किए गए कई देशों ने प्राकृतिक खिलाड़ियों की प्रक्रिया का उपयोग किया है। एआईएफएफ उन 33 खिलाड़ियों के संपर्क में है जो ओसीआई कार्ड के लिए पात्र हैं। उनमें से कुछ को पहले ही कार्ड मिल चुका है और एआईएफएफ अन्य खिलाड़ियों की भी मदद कर रहा है। एआईएफएफ अपनी क्षमता के अनुसार खिलाड़ियों को मंजूरी दिलाने और टीम में शामिल करने की पूरी कोशिश कर रहा है।

वाल्मीकि धर्मशाला का पुनर्निर्माण दो साल से अधर में: सुरिंदर चौहान

कालका (जग्गी)। समाजसेवी सुरिंदर चौहान, जो कि अवाम जिला पंचकूला के जिला अध्यक्ष, अखंड भारत चंड दल कालका-पिंजौर के प्रधान तथा भाजपा नेता हैं, ने जानकारी देते हुए बताया कि कालका के अप्पर मोहल्ला में स्थित वाल्मीकि धर्मशाला का पुनर्निर्माण कार्य बीते दो वर्षों से अधर में लटका हुआ है।

चौहान ने बताया कि वर्ष 1996 में हरियाणा सरकार द्वारा निर्मित इस धर्मशाला का शिलान्यास तत्कालीन विधायक चौधरी चंद्र मोहन जी ने किया था। समय के साथ धर्मशाला की स्थिति जर्जर होने पर इसे पुनर्निर्माण हेतु गिरा दिया गया, लेकिन निर्माण कार्य आज तक शुरू नहीं हो सका।

स्थानीय लोगों के अनुसार, धर्मशाला का न होना उनके लिए कई प्रकार की असुविधाएं पैदा कर रहा है। विवाह, धार्मिक आयोजनों और अन्य सामाजिक कार्यक्रमों के लिए उन्हें भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।

सुरिंदर चौहान ने प्रशासन और संबंधित अधिकारियों से अपील की है कि वाल्मीकि समाज के हितों को ध्यान में रखते हुए धर्मशाला के निर्माण कार्य को शीघ्र प्रारंभ कराया जाए ताकि क्षेत्रवासियों को राहत मिल सके।

तहसील रोड से अनाज मंडी तक बिजली के खंभों पर सज रही रंग-बिरंगी पेंटिंग्स

अर्थ प्रकाश/चौहान

डेराबस्सी, 13 जून। डेराबस्सी शहर की सड़कों को खूबसूरत और आकर्षक बनाने के उद्देश्य से नगर कौंसिल की ओर से एक नई पहल शुरू की गई है। तहसील रोड से लेकर अनाज मंडी तक के पूरे मार्ग पर लगे बिजली के खंभों को अब रंग-बिरंगी पेंटिंग्स से सजाया जा रहा है। इन खंभों पर खासतौर पर फूलों की रंगीन चित्रकारी की जा रही है, जो राहगीरों और स्थानीय लोगों के बीच आकर्षण का केंद्र बन रही है।

नगर कौंसिल प्रधान आशु उपनेजा ने जानकारी देते हुए बताया कि नगर कौंसिल डेराबस्सी द्वारा शहर की सुंदरता बढ़ाने और लोगों में स्वच्छता व जागरूकता का संदेश देने के लिए इस अभियान की शुरुआत की गई है। उन्होंने कहा कि फिलहाल पहले चरण में तहसील रोड से अनाज मंडी तक के सभी बिजली के खंभों को कवर किया जा रहा है। इन खंभों पर फूलों की थीम पर आधारित कलाकारी की जा रही है, जो न सिर्फ सौंदर्य बढ़ाएगी बल्कि शहर की एक अलग पहचान भी बनाएगी। आगे चलकर शहर के अन्य हिस्सों जैसे मुख्य बाजार, बस स्टैंड, आदि क्षेत्रों में भी इसी तरह की पेंटिंग्स की योजना है। स्थानीय निवासी भी इस पहल की सराहना कर रहे हैं। लोगों का कहना है कि रंग-बिरंगे फूलों से सजे ये खंभे शहर को नया रूप दे रहे हैं और हर रोज़ गुजरने वाली राहें अब और भी आनंददायक हो गई हैं।

सार्वजनिक सूचना

संपदा अधिकारी, यू.टी., चंडीगढ़ की शक्तियों के निर्वहन में श्री नवीन, डेनिक्स, सहायक संपदा अधिकारी-I के समक्ष।

विषय: बिक्री विलेख एवं पंजीकृत वसीयत के आधार पर मकान सं. 1269, सेक्टर 15बी, चंडीगढ़ के संबंध में 10त्न हिस्से के हस्तांतरण के संबंध में।

आम जनता एवं सभी संबंधित की जानकारी हेतु एतदद्वारा अधिसूचित किया जाता है कि इस कार्यालय के रिकार्ड के अनुसार,मकान सं. 1269, सेक्टर 15बी, चंडीगढ़ के नाम से जानी जाती संपत्ति 10त्न हिस्से के विस्तार तक श्री सुरिंदर कुमार मुंशी, श्री अशोक मुंशी, श्रीमती रीटा जलाली, श्रीमती वीना मुंशी, सुश्री सुनैना मुंशी और सुश्री मौशमी मुंशी के नाम में दर्ज है।

श्री गिरिश ललित द्वारा सूचित किया गया है कि मकान सं. 1269, सेक्टर 15बी, चंडीगढ़ श्री चंद्र प्रकाश ललित पुत्र श्री राम चंद्र (अब मृतक) द्वारा क्र.सं. 1401, बुक सं. 1, वॉल्यूम सं.., पृष्ठ सं., दिनांक 25.06.2021 पर कार्यालय सब-रजिस्ट्रार, यूटी, चंडीगढ़ में पूर्ववत पंजीकृत बिक्री विलेख के अंतर्गत इसके पूर्व स्वामी से खरीदा गया था। आगे, श्री चंद्र प्रकाश ललित की 05.07.2022 को मृत्यु हो गई है, उसने एक पंजीकृत वसीयत दिनांक 09.03.2015 छोड़ी है, जो श्री गिरिश ललित के पक्ष में क्र.सं. 988, बुक सं. 3, वॉल्यूम सं. 64, पृष्ठ सं. 170 दिनांक 09.03.2015 पर कार्यालय सब/संयुक्त रजिस्ट्रार, करनाल में पूर्ववत पंजीकृत थी। श्री गिरिश ललित द्वारा आगे सूचित किया गया है कि मृतक स्वामी ने निम्नलिखित कानूनी उत्तराधिकारी पीछे छोड़े हैं

क्र.सं.	नाम	आयु	मृतक के साथ संबंध	नवीनतम पता
1.	शांति देवी	ना	बहन	15.02.2010 को मृत्यु हो गई
स्वर्गीय श्रीमतीशांति देवी पुत्री स्व. श्री राम चंदर पत्नी श्री गणेश दास के कानूनी उत्तराधिकारी				
ii)	सतीश कुमार अरोड़ा	60 वर्ष	भतीजा	मकान संख्या 3161, सेक्टर 28-डी, चंडीगढ़
iii)	अर्जुन देव	62 वर्ष	भतीजा	270 चकरवर्ती मोहल्ला, तिलक गेट कुरुक्षेत्र, हरियाणा
iv)	निर्मल	58 वर्ष	भतीजी	18/13, अर्जुन नगर, बस स्टेंड के सामने, करनाल, हरियाणा
2.	खुशा रानी	एनए	बहन	13.11.2017 को मृत्यु
स्वर्गीय श्रीमती खुशा रानी पुत्री स्व.श्री राम चंद्र (स्वर्गीय श्री लक्ष्मण दास की पत्नी) के कानूनी उत्तराधिकारी				
ii)	गौरव कुमार	44 वर्ष	भतीजा	291, सेक्टर 20, हुडा, कैथल-136027
iii)	अलका कालडा	48 वर्ष	भतीजी	1337/11, मॉडल टाउन, अम्बाला रोड, कैथल-136027
3.	आशा रानी	एनए	बहन	16.09.1992 को मृत्यु
स्व. श्रीमती आशा रानी पुत्री श्री राम चंद्र के कानूनी उत्तराधिकारी				
i)	कमलेश कुमारी	70 वर्ष	भतीजी	मकान सं. 20, उपकार कालोनी, करनाल
4.	गोपाल दास	एनए	भाई	---को मृत्यु
स्व.श्री गोपाल दास पुत्र स्व. श्री राम चंद्र के कानूनी उत्तराधिकारी				
i)	शकुंतला देवी	78 वर्ष	भतीजी	मकान सं. 1593, सेक्टर 13, करनाल, हरियाणा 132001
ii)	अनुपम अरोड़ा	48 वर्ष	भतीजी	जी801, टुलिप इवोरी सेक्टर 70, गुरुग्राम, हरियाणा
5.	रिमला देवी	एनए	बहन	13.12.2019 को मृत्यु
स्व. श्रीमती रिमला देवी पुत्री स्व. श्री राम चंद्र (पत्नी स्व. श्री कृष्ण चंद) के कानूनी उत्तराधिकारी				
i)	सुनीता	62 वर्ष	भतीजी	मकान सं. 31/5, राम नगर, करनाल-132001, हरियाणा
ii)	सुदर्शन कुमारी	67 वर्ष	भतीजी	मकान सं. 1709, शहरी संपदा, सेक्टर 7, करनाल-132001
iii)	सत्या वाधवा	72 वर्ष	भतीजी	मकान सं. 40, डीसी कालोनी, करनाल, हरियाणा
6.	निहाल देवी	एनए	बहन	03.02.2021 को मृत्यु
स्व. श्रीमती निहाल देवी पुत्री स्व. श्री राम चंद्र (पत्नी स्व. श्री नानक चंद) के कानूनी उत्तराधिकारी				
i)	नंद किशोर मुंजाल	76 वर्ष	भतीजा	मकान सं. 451, सेक्टर 15ए, चंडीगढ़ 160015
ii)	हरीश कुमार	63 वर्ष	भतीजा	मकान सं. 276, गांव खुड्डा लहोरा, सेक्टर 12, चंडीगढ़-160012
iii)	ऊषा रानी	58 वर्ष	भतीजी	मकान सं. 486/1, ईडब्ल्यूएस सेक्टर 40ए, चंडीगढ़-160036
iv)	अंजु	55 वर्ष	भतीजी	मकान सं. 10, न्यू कालोनी, खुड्डा लाहोरा, सेक्टर 15, चंडीगढ़

अब, गिरिश ललित ने बिक्री विलेख दिनांक 25.06.2021 एवं पंजीकृत वसीयत दिनांक 09.03.2015 के आधार पर श्री चंद्र प्रकाश ललित द्वारा आयोजित 10त्न हिस्से के हस्तांतरण हेतु इस कार्यालय को आवेदन किया है तथा यह उनके नाम में हस्तांतरित की जा रही है। यदि किसी व्यक्ति को मृतक के उक्त वर्णित के अलावा किसी अन्य कानूनी उत्तराधिकारी के बारे में कोई जानकारी हो तो वह तत्काल संपदाअधिकारी, यूटी., चंडीगढ़ को सूचित करें।

यदि किसी व्यक्ति को उक्त नामत: आवेदक के पक्ष में कथित संपत्ति में कथित हिस्सेके हस्तांतरण के विरूद्ध कोई आपत्ति है, तो वह इस सूचना के प्रकाशन के 30 दिनों केभीतरअधोहस्ताक्षरी के कार्यालय मेंलिखित में अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता/सकती/सकते हैं,जिसमें असफल होने पर कथित संपत्ति में कथित हिस्सा उक्त नामत: लाभार्थियों के नामों में उक्त अनुसार हस्तांतरित करदिया जाएगा एवं बाद में कोई दावा विचारणीय नही होगा।

नवीन, डेनिक्स,
सहायक संपदा अधिकारी,
संपदा अधिकारी, यूटी., चंडीगढ़ की शक्तियों का निर्वहन करते हुए

AP-1995

बिहार सरकार

न्यायालय जिला दण्डाधिकारी, भोजपुर

(जिला विधि प्रशाखा)

अतिआवश्यक सूचना

प्रेस विज्ञप्ति

बिहार मद्य निषेध एवं उत्पाद अधिनियम, 2016 के प्रावधानों के तहत जप्त वाहनों के विरूद्ध जिला दण्डाधिकारी, भोजपुर के न्यायालय में चल रहे अधोलिखित अधिहरण वादों से संबंधित वाहन मालिकों के लिए आवश्यक सूचना:-

क्र0 सं0	उत्पाद अधिहरण वाद सं0/वर्ष	जप्त वाहन का विवरण	संबंधित थाना कांड/उत्पाद वाद सं0	वाहन मालिक का नाम/पता
1	2	3	4	5
1	01/2025 राज्य बनाम हेमंत कपानी	XUV 500 रजि0 संख्या- HR26CJ-3307, इंजन नं0-HJE4F21697, चेचिस नं0-MA1YT2HJUE6F11519	सदर उत्पाद वाद संख्या-248/2024, दिनांक-03.12.2024	हेमंत कपानी, पिता-रंजीत कपानी, सा0-फ्लैट नं0-1105, टॉवर-11, वैली व्यू इस्टेट, थाना-ग्वाल पहाड़ी, जिला-गुड़गॉव, राज्य-हरियाणा
2	172/2025 राज्य बनाम संदीप कुमार	महिन्द्रा स्कार्पियो रजि0 संख्या- HR35N-3517, इंजन नं0-WLH4E12201, चेचिस नं0-MA1TA2WLXH2E47046	सदर उत्पाद वाद संख्या-54/2025, दिनांक-03.03.2025	संदीप कुमार, पिता-बलवन सिंह, सा0-वीपीओ सैंडवा, तोषम, थाना-भिवानी (हरियाणा), पिन नं0-127043

एतद् द्वारा उपर्युक्त अधिहरण वादों से संबंधित वाहन मालिकों को अधिनियम की धारा-58(3) के तहत नोटिस निर्गत किया गया परन्तु इन वाहनों के लिए किसी के द्वारा दावेदारी प्रस्तुत नहीं किया जा रहा है। अथवा उपस्थित होने के बावजूद जबाब दाखिल नहीं किया जा रहा है। जबकि जप्त वाहन बिहार मद्यनिषेध और उत्पाद अधिनियम की धारा-56 (घ) के तहत अधिहरण योग्य है। अधिहरण मे अग्रेतर कार्रवाई हेतु अनावश्यक विलंब हो रहा है। ज्ञातव्य हो कि बिहार मद्यनिषेध और उत्पाद (संशोधन) नियमावली, 2022 के नियम 12 (क) के आलोक में शास्ति के भुगतान पर वाहनों को छोड़ने का प्रावधान है।

अत: क्रम सं0-01 से 02 तक पर स्थित वादों में सुनवाई की अगली तिथि-23.06.2025 (पूर्वाह्न 10:00 बजे) निर्धारित करते हुए सूचित किया जाता है कि आप सभी अधोहस्ताक्षरी के न्यायालय में स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर अपना-अपना पक्ष साक्ष्य सहित रखें अन्यथा अधियाचना में उल्लेखित तथ्यों/साक्ष्यों के आधार पर जप्त वाहनों के अधिहरण एवं नीलामी हेतु नियमानुसार आदेश पारित कर दिया जायेगा।

यदि सूची में उल्लेखित वाहनों पर किसी अन्य व्यक्ति का दावा बनता हो तो वैसे व्यक्ति भी निर्धारित तिथि को ससमय न्यायालय में उपस्थित होकर साक्ष्य सहित अपना पक्ष रख सकते है।

इसे अत्यावश्यक समझें।

उक्त सूचना **state.bihar.gov.in/prdbihar** पर भी देखी जा सकती है।

जिला दण्डाधिकारी
भोजपुर, आरा

PR- 005883 (District) 2025-26

नशे से बचने का है एक ही उपचार, दृढ़ संकल्प और परिवार से प्यार।

संपदा कार्यालय यू.टी., चंडीगढ़

सार्वजनिक सूचना

श्री नवीन, सहायक संपदा अधिकारी, यू.टी., चंडीगढ़ के समक्ष।

विषय: स्वर्गीय श्री एच.आर. बिंद्रा की पंजीकृत वसीयत के आधार पर 100.00 प्रतिशत शेयर की सीमा तक आवासीय साइट नंबर 3030, सेक्टर 27-डी चंडीगढ़ (आरपी 9633) के संबंध में स्वामित्व का हस्तांतरण।

आम जनता और सभी संबंधितों की जानकारी के लिए यह अधिसूचित किया जाता है कि इस कार्यालय के रिकॉर्ड के अनुसार श्री एच.आर. बिंद्रा 100.00 प्रतिशत शेयर की सीमा तक आवासीय साइट नंबर 3030, सेक्टर 27-डी, चंडीगढ़ के मालिक/पट्टेदार हैं।

राहुल बिंद्रा द्वारा सूचित किया गया है कि श्री. एच.आर. बिंद्रा का निधन 02/03/2025 को हो गया और उन्होंने मृतक मालिक/पट्टेदार के निम्नलिखित कानूनी उत्तराधिकारियों को भी सूचित किया है:-

क्रमांक	कानूनी उत्तराधिकारी का नाम	मृतक के साथ संबंध
1	राहुल बिंद्रा	पुत्र
2	आशीष बिंद्रा	पुत्र
3	रामलेश बिंद्रा	पत्नी

अब, राहुल बिंद्रा ने 19/07/2022 की पंजीकृत वसीयत के आधार पर स्वर्गीय श्री एच.आर. बिंद्रा द्वारा उनके पक्ष में धारित 100.00 प्रतिशत शेयर की सीमा तक आवासीय साइट संख्या 3030, सेक्टर 27-डी, चंडीगढ़ के संबंध में स्वामित्व के हस्तांतरण के लिए आवेदन किया है।

यदि किसी के पास ऊपर उल्लिखित के अलावा किसी भी सहदायिक के बारे में कोई जानकारी है, तो उसे तुरंत संपदा अधिकारी, यू.टी., चंडीगढ़ को सूचित किया जा सकता है।

यदि किसी को उक्त संपत्ति में उक्त हिस्से के उत्परिवर्तन पर कोई आपत्ति है, तो वह इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 30 दिनों के भीतर अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में इसे लिखित रूप में (मजिस्ट्रेट/नोटरी द्वारा विधिवत सत्यापित शपथ पत्र के साथ) प्रस्तुत कर सकता/सकती/सकते है, ऐसा न करने पर सभी सहदायिकों का अनुरोध तदनुसार स्वीकार किया जाएगा और बाद में किसी भी अन्य दावे पर विचार नहीं किया जाएगा।

श्री नवीन, दानिक्स,
सहायक संपदा अधिकारी, संपदा अधिकारी, यू.टी., चंडीगढ़ की शक्तियों का प्रयोग करते हुए

AP-1973

सार्वजनिक सूचना

श्री नवीन, सहायक संपदा अधिकारी, यू.टी., चंडीगढ़ के समक्ष।

विषय:- स्वर्गीय सुदेश पॉल शुक्ला की बिना वसीयत के मृत्यु के आधार पर 100.00 प्रतिशत शेयर की सीमा तक आवासीय साइट नंबर 142-पी, सेक्टर 46-ए, चंडीगढ़ (एलआरपी 2783) के संबंध में स्वामित्व का हस्तांतरण।

आम जनता और सभी संबंधितों की जानकारी के लिए यह अधिसूचित किया जाता है कि इस कार्यालय के रिकॉर्ड के अनुसार श्री सुदेश पॉल शुक्ला 100.00 प्रतिशत शेयर की सीमा तक आवासीय साइट नंबर 142-पी, सेक्टर 46-ए, चंडीगढ़ के मालिक हैं।

मीनू जोशी, रीनू, अनु शर्मा द्वारा सूचित किया गया है कि श्री. सुदेश पॉल शुक्ला का निधन 10.02.2025 को हो गया और उन्होंने मृतक मालिक के निम्नलिखित कानूनी उत्तराधिकारियों को भी सूचित किया है:- (1) मीनू जोशी - बेटी, (2) अनु शर्मा - बेटी, (3) रीनू - बेटी

अब, मीनू जोशी, रीनू, अनु शर्मा ने आवासीय साइट संख्या 142-पी, सेक्टर 46-ए, चंडीगढ़ के संबंध में स्वर्गीय सुदेश पॉल शुक्ला द्वारा धारित 100.00 प्रतिशत शेयर की सीमा तक उनके पक्ष में, बिना वसीयत के मृत्यु के आधार पर स्वामित्व के हस्तांतरण के लिए आवेदन किया है।

यदि किसी के पास ऊपर उल्लिखित के अलावा किसी भी सहदायिक के बारे में कोई जानकारी है, तो उसे तुरंत संपदा अधिकारी, यू.टी., चंडीगढ़ को सूचित किया जा सकता है।

यदि किसी को उक्त संपत्ति में उक्त हिस्से के उत्परिवर्तन पर कोई आपत्ति है, तो वह इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 30 दिनों के भीतर अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में इसे लिखित रूप में (मजिस्ट्रेट/नोटरी द्वारा विधिवत सत्यापित शपथ पत्र के साथ) प्रस्तुत कर सकता/सकती/सकते है, ऐसा न करने पर सभी सहदायिकों का अनुरोध तदनुसार स्वीकार किया जाएगा और बाद में किसी भी अन्य दावे पर विचार नहीं किया जाएगा।

श्री नवीन, दानिक्स, सहायक संपदा अधिकारी, संपदा अधिकारी, यू.टी., चंडीगढ़ की शक्तियों का प्रयोग करते हुए

AP-1979

सुश्री शशि वसुंधरा, एचसीएस, संयुक्त आयुक्त सह संपदा अधिकारी, नगर निगम, चंडीगढ़ के समक्ष

सार्वजनिक सूचना

विषय: बिना वसीयत के मृत्यु के आधार पर। एससीएफ नंबर 487, मोटर मार्केट और वाणिज्यिक परिसर, मनीमाजरा, यू.टी. चंडीगढ़ के 100 प्रतिशत हिस्से के स्वामित्व का हस्तांतरण।

आम जनता और सभी संबंधितों की जानकारी के लिए यह अधिसूचित किया जाता है कि इस कार्यालय के रिकॉर्ड के अनुसार, एससीएफ नंबर 487, मोटर मार्केट और वाणिज्यिक परिसर, मनीमाजरा, यू.टी., चंडीगढ़ के रूप में ज्ञात संपत्ति में 100 प्रतिशत हिस्सा स्वर्गीय श्री सतपाल सोनी पुत्र स्वर्गीय श्री देवी दयाल सोनी के नाम पर है।

(i) श्री सुरिंदर पाल सोनी पुत्र स्वर्गीय श्री सतपाल सोनी और (ii) श्री परवीन सोनी पुत्र स्वर्गीय श्री सतपाल सोनी द्वारा यह रिपोर्ट की गई है कि श्री सतपाल सोनी पुत्र स्वर्गीय श्री देवी दयाल सोनी की मृत्यु 14.11.2004 को हो गई थी।

अब (i) श्री सुरिंदर पाल सोनी पुत्र स्वर्गीय श्री सतपाल सोनी और (ii) श्री परवीन सोनी पुत्र स्वर्गीय श्री सतपाल सोनी ने स्वर्गीय श्री सतपाल सोनी पुत्र स्वर्गीय श्री देवी दयाल सोनी द्वारा धारित एससीएफ संख्या 487, मोटर मार्केट और कमर्शियल कॉम्प्लेक्स, मनीमाजरा, यू.टी., चंडीगढ़ के 100 प्रतिशत शेयर के लिए बिना वसीयत के मृत्यु के आधार पर उनके पक्ष में आवेदन किया है।

यदि किसी को भी उपरोक्त नामित आवेदकों के पक्ष में उक्त संपत्ति के म्यूटेशन पर कोई आपत्ति है, तो वह इसे इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 30 दिनों के भीतर नीचे हस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय रूम नंबर 111, पहली मंजिल, न्यू डीलक्स बिल्डिंग, नगर निगम, सेक्टर -17, चंडीगढ़ में लिखित रूप से प्रस्तुत कर सकता/सकती/सकते हैं, ऐसा न करने पर उक्त संपत्ति तदनुसार स्थानांतरित कर दी जाएगी और बाद में किसी भी चरण में कोई भी दावा स्वीकार नहीं किया जाएगा।

शशि वसुंधरा,
एचसीएस संयुक्त आयुक्त-III नगर निगम, चंडीगढ़

AP-1981

▲ अधिकतम 39 डिग्री से.
डिग्री से. 30 न्यूनतम ▼
सूर्योदय 5.19 बजे
सूर्यास्त 7.26 बजे

सोना 24 कैरेट : 99,430.00
सेंसेक्स : 81,691.98
अमेरिका : 85.53
कैनेडियन : 62.74
आस्ट्रेलिया : 55.73

न्यूज़ ब्रीफ

सम्मान प्रमाणपत्र के लिए कमेटी का यूटी प्रशासन ने किया पुनर्गठन

चंडीगढ़ (अप्रस)। यूटी प्रशासन ने गणतंत्र दिवस और स्वतंत्रता दिवस के मौके पर उत्कृष्ट सेवाओं के लिए सरकारी कर्मचारियों और आम लोगों को सम्मान प्रमाणपत्र देने के लिए कमेटी का पुनर्गठन कर दिया है। यह कमेटी तय करेगी कि 26 जनवरी और 15 अगस्त को किन्हें सम्मान मिलेगा। प्रशासन की अधिसूचना के अनुसार कमेटी गृह सचिव की अध्यक्षता में कार्य करेगी, जबकि पुलिस महानिरीक्षक, सचिव (कार्मिक), उपायुक्त और संयुक्त सचिव/अतिरिक्त सचिव/विशेष सचिव (गृह) इसके सदस्य होंगे। यह संशोधन प्रशासन की 2007, 2016 और 2023 की पूर्व अधिसूचनाओं में आंशिक बदलाव करते हुए किया गया है। पुनर्गठित कमेटी हर साल गणतंत्र दिवस और स्वतंत्रता दिवस से पहले योग्य कर्मचारियों के नाम की सिफारिश करेगी। हालांकि, सम्मान प्रमाणपत्र प्रदान करने की शर्तें और नीति पहले की तरह ही बनी रहेंगी।

पुलिस ने हेरोइन समेत आरोपी को किया काबू

चंडीगढ़ (अप्रस/रंजीत शम्मी)। यूटी ईस्ट डिविजन की थाना 26 पुलिस ने हेरोइन समेत एक आरोपी युवक को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपी की पहचान बापू धाम कालोनी सैक्टर 26 के रहने वाले रिंकू के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार पता चला कि चंडीगढ़ पुलिस के आला अधिकारियों के दिशा निर्देशों के चलते थाना 26 के प्रभारी इंस्पेक्टर दविंदर सिंह की टीम वीरवार को एरिया में पेट्रोलिंग कर रही थी। पेट्रोलिंग के दौरान जब पुलिस सैक्टर 26 स्थित टिंबर मार्किट के पास पहुंची तो पुलिस ने शक के आधार पर उक्त आरोपी को रोककर पूछताछ के दौरान उसकी तलाशी ली तो पुलिस को उसके कब्जे से 5.98 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। पुलिस ने तुरंत मामले में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया।

चाकू की नोक पर दिनदिहाड़े मोबाइल फोन और नकदी लूटमार कर फरार

चंडीगढ़ (अप्रस/रंजीत शम्मी)। यूटी साउथ डिविजन के थाना 49 क्षेत्र एरिया के अंतर्गत बाइक पर सवार दो शातिर आरोपी चाकू की नोक पर दिनदिहाड़े नकदी और मोबाइल फोन लूटमार कर फरार हो गए। मामले की सूचना तुरंत पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने मामले की जांच पड़ताल करते हुए अज्ञात बाइक सवार आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार शिकायतकर्ता सैक्टर 49 निवासी प्रेम पासवान ने पुलिस को बताया कि वह 11 जून को समय करीब 4 से साढ़े 4 बजे के बीच अपना काम खत्म कर साइकिल पर सवार होकर घर की तरफ जा रहा था। जैसे ही वह सैक्टर 48/49 डिवाइडिंग रोड बस स्टॉप के पास पहुंचा तो बाइक पर सवार दो शातिर पीछे से आए। और पीड़ित को रोककर चाकू की नोक पर उसकी जेब में रखी 5 हजार रुपए की नकदी और मोबाइल फोन लेकर फरार हो गए। जिसके चलते हड़कंप मच गया। आसपास के लोग इकट्ठे हो गए। मामले की सूचना तुरंत पुलिस को दी गई थी। यूटी पुलिस के आला अधिकारियों के दिशा निर्देशों के चलते सभी डिविजनो में नाके लगाए जाते है। लेकिन वारदातों को अंजाम देने वाले तब भी आराम से फरार हो जाते है।

चंडीगढ़ में बढ़ते धूल प्रदूषण पर प्रदूषण नियंत्रण समिति चिंतित

कई सरकारी और निजी संस्थानों को थमाया नोटिस

> क्रॉसरनोटिस वाले संस्थानों में नगर निगम, यूटी इंजीनियरिंग विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय, पीजीआई एमईआर, पंजाब इंजीनियरिंग कॉलेज, स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया, राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड और कई निजी संस्थान शामिल

अर्थ प्रकाश/साजन शर्मा

चंडीगढ़, 13 जून। शहरी नियोजन और स्वच्छता के लिए मशहूर चंडीगढ़ में बढ़ते धूल प्रदूषण ने चंडीगढ़ प्रदूषण नियंत्रण समिति (सीपीसीसी) को सख्त कदम उठाने के लिए मजबूर कर दिया है। समिति ने विभिन्न सरकारी विभागों, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (पीएसयू), शैक्षणिक संस्थानों और निजी प्रतिष्ठानों को नोटिस जारी कर तत्काल धूल प्रदूषण नियंत्रण उपाय लागू करने की मांग की है। इनमें नगर निगम, यूटी इंजीनियरिंग विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय, पीजीआई एमईआर, पंजाब इंजीनियरिंग कॉलेज, स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया, राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड और कई निजी संस्थान शामिल हैं। जानकारी के अनुसार खुले मैदान और निर्माण कार्य प्रदूषण का बड़ा कारण बन रहे हैं। सीपीसीसी ने सड़कों के किनारे और मध्य पट्टियों पर खुले पड़े मैदानों को धूल प्रदूषण का प्रमुख कारण बताया है। वाहनों की आवाजाही, हवाओं और मिट्टी के कटाव के कारण ये धूल हवा में फैल रही है। इसके अलावा, शहर भर में चल रहे निर्माण कार्यों में धूल नियंत्रण के कोई उपाय नहीं किए जा रहे। विशेष रूप से दरिया औद्योगिक क्षेत्र में निर्माण सामग्री की लोडिंग, अनलोडिंग और परिवहन से धूल का स्तर खतरनाक रूप से बढ़ गया है।

जुर्माने का है प्रावधान

अधिनियम की धारा 37 के तहत 10,000 से 15 लाख रुपये तक का जुर्माना। प्रति दिन 10,000 का अतिरिक्त जुर्माना। सरकारी अधिकारियों-विभागाध्यक्षों और लापरवाह अधिकारियों पर धारा 38-ए के तहत एक महीने के मूल वेतन के बराबर जुर्माना। पर्यावरण सचिव, जो न्यायिक अधिकारी हैं, पूछताछ कर जुर्माना लगा सकते हैं। 90 दिनों के भीतर जुर्माना न चुकाने पर तीन साल तक की कैद, जुर्माने की दोगुनी राशि, या दोनों हो सकते हैं।

चंडीगढ़ की हवा की गुणवत्ता में गिरावट

2024 के स्वच्छ वायु सर्वेक्षण में चंडीगढ़ 10 लाख से अधिक आबादी वाले 47 शहरों में 31वें स्थान पर खिसक गया, जो 2023 में 22वें स्थान से नौ पायदान नीचे है। यह शहर के प्रदूषण नियंत्रण में हो रही कमी की ओर इशारा कर रहा है। सीपीसीसी ने सभी हितधारकों से तत्काल कार्रवाई की अपील की है ताकि चंडीगढ़ फिर से अपनी सिटी ब्यूटीफुल की पहचान को बनाए रख सके।

सीपीसीसी सख्त कार्रवाई के मूड़ में

सीपीसीसी सारे कारकों को लेकर सख्त कार्रवाई कर रहा है। वायु (प्रदूषण की रोकथाम और नियंत्रण) अधिनियम, 1981 की धारा 31-ए के तहत जारी नोटिस में, सीपीसीसी ने सभी संबंधित पक्षों को तत्काल धूल नियंत्रण उपाय लागू करने के निर्देश दिए हैं। समिति ने चेतावनी दी है कि अनुपालन न करने पर भारी जुर्माना लगाया जाएगा। प्रदूषण नियंत्रण के लिए समिति की ओर से सुझाव दिये गये हैं। उनमें सबसे पहले खुले मैदानों को ढक़ने को कहा गया है। सभी सरकारी, अर्ध-सरकारी, पीएसयू, शैक्षणिक संस्थानों और निजी प्रतिष्ठानों को अपने अधिकार क्षेत्र के खुले मैदानों को घनी वनस्पति या बजरी से ढकना होगा। यूटी इंजीनियरिंग विभाग और नगर निगम को सडक़ों की मध्य पट्टियों को पर्यावरण-अनुकूल हनीकॉम्ब पेवर ब्लॉक या समान सामग्री से ढकने का आदेश दिया गया है। प्रमुख सडक़ों को रात में टर्शियरी-ट्रीटेड अपशिष्ट जल से धोने को कहा गया है। इसके लिए मुख्य मार्गों पर पाइपलाइन बिछाने की हिदायत दी गई है। नगर निगम के सीएंडडी अपशिष्ट प्रसंस्करण संयंत्र से प्राप्त उप-उत्पादों का उपयोग खुले मैदानों को ढकने में किया जाए, ऐसा आदेश दिया गया है। नगर निगम को सुबह सडक़ों पर पानी छिडक़ाव के लिए इलेक्ट्रिक वाहनों की व्यवस्था करनी होगी। नगर निगम और यूटी इंजीनियरिंग विभाग को सेक्टर 25 और औद्योगिक क्षेत्र से सीएंडडी अपशिष्ट हटाना होगा। गिरे हुए पत्तों के संग्रह और निपटान के लिए उचित तंत्र स्थापित करना होगा। सभी निर्माण परियोजनाओं में धूल नियंत्रण योजना लागू करनी होगी, जिसमें ऊँचे घेरे, पानी छिडक़ाव, एंटी-स्मॉग गन और हरे अवरोध शामिल हैं। दड्डुआ (दरिया) की मुख्य सडक़ के दोनों किनारों को हरे पेवर ब्लॉक से ढक़ना और नियमित पानी छिडक़ाव सुनिश्चित करना होगा।

ग्रेनेड हमले की जांच में एनआईए लाया तेजी

हरियाणा-पंजाब में 15 जगह छापे, अमेरिका से आया पैसा

> ड्रग तस्कर चीता के भाई शामिल

अर्थ प्रकाश/साजन शर्मा

चंडीगढ़, 13 जून। नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एनआईए) ने अमृतसर पुलिस स्टेशन पर हुए ग्रेनेड हमले की जांच तेज कर दी है। एजेंसी ने पंजाब और हरियाणा में बब्बर खालसा इंटरनेशनल आतंकी संगठन से जुड़े लोगों के 15 ठिकानों पर छापे मारे हैं। छापे के दौरान टीम ने उनके घरों से मोबाइल, डिजिटल उपकरण और दस्तावेज जैसे संदिग्ध सामान जब्त किए हैं। साथ ही एनआईए की टीम अधिक जानकारी जुटाने और बीकेआई गिरोह की असली साजिश का पर्दाफाश करने की जांच भी कर रही है।

जनवरी 2025 में पंजाब के अमृतसर जिले की गुमटाला पुलिस चौकी पर ग्रेनेड हमला हुआ था। इसका आरोप बैन किए गए बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेई) ने लिया था, और हमले की जिम्मेदारी उनके सदस्य हैप्पी पासियां ने स्वीकार किया था। गुरुवार को राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने इस मामले की जांच को तेज किया। टीम ने अमृतसर, तरनतारन, फिरोजपुर, पठानकोट, कपूरथला, रूपनगर और हरियाणा के सिरसा सहित 15 जगहों पर छापे मारे। जांच से यह साफ हुआ कि गुमटाला पुलिस चौकी पर किया गया हमला, उत्तरी राज्यों में पुलिस स्टेशनों पर किए गए हमलों की एक योजना का हिस्सा था। जांच से पता चला कि हमले के लिए पैसा अमेरिका में रहने वाले सरवन सिंह उर्फ भोला ने दिया था। उसने बग्गा सिंह उर्फ रिंकू और मनदीप सिंह मग्गा तक रुपए पहुंचाए थे। बग्गा को फरवरी 2025 में पंजाब पुलिस ने गिरफ्तार किया था, जिसने इस मामले की पहली जांच शुरू किया था। जबकि मनदीप फिलहाल फरार है। जांच ने गति तभी पकड़ी, जब अप्रैल 2025 में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने इसका जिम्मा लिया और नया मामला दर्ज किया। तभी एनआईए ने आरोपियों, संदिग्ध लोगों और अमेरिका में रहने वाले सरवन उर्फ भोला और उनके भाई मनदीप सिंह मक्का के घर पर भी तलाशी ली थी। पंजाब में अफगानिस्तान से पाकिस्तान के रास्ते लाए गए नमक के बीच छिपाकर लाई गई 532 किलो हेरोइन तस्करी के आरोपी रंजीत सिंह उर्फ चीता को हरियाणा पुलिस और एनआईए की टीमों ने पांच साल पहले सिरसा से गिरफ्तार किया था। भोला और मक्का उसी कुख्यात ड्रग तस्कर रंजीत सिंह उर्फ चीता के भाई हैं। सरवन सिंह भोला दूसरे नार्को-टेरर मामले में भी आरोपी हैं।

हेल्पेज इंडिया का इंटरजेनरेशनल बॉड्स को मजबूत करने पर जोर, रिपोर्ट लांचः उम्र कर रही बुजुर्गों को अलग-थलग लेकिन परिवार से जुड़ाव

बुजुर्ग का मुख्य रूप से बेटों और पोते के साथ जुड़ाव

> 49 फीसदी युवा दादा-दादी जबकि 45 फीसदी मां-बाप से करते हैं बातचीत

अर्थ प्रकाश/साजन शर्मा

चंडीगढ़, 13 जून। एल्डर एब्यूज अवेयरनेस डे (विश्व वृद्धजन दुर्व्यवहार जागरूकता दिवस (15 जून) के अवसर पर एनजीओ हेल्पएज इंडिया ने इंटर जेनरेशनल डायनेमिक्स एंड परसेप्शन की अंडरस्टैंडिंग (इंडिया इंटरजेनरेशनल बॉन्ड्स - आईएनबीओ रिपोर्ट)को लेकर रिपोर्ट जारी की। इस रिपोर्ट में सामने आया कि युवा ज़्यादातर दादा-दादी (49 फीसदी) और माता-पिता (45 फीसदी) के साथ बातचीत करते हैं, जबकि बुजुर्ग मुख्य रूप से बेटों (50 फीसदी) और पोते (40 फीसदी) के साथ जुड़ते हैं, जो परिवार की केंद्रीय भूमिका को रेखांकित करता है। 88 फीसदी युवा वृद्ध होने पर परिवार के साथ रहने की उम्मीद करते हैं, और 83 फीसदी बुजुर्ग वर्तमान में ऐसा करते हैं या करने की योजना बना रहे हैं जो परिवार आधारित जीवन को दर्शाता है। दोनों पीढ़ियां बुढ़ापे के लिए समान भय साझा करती हैं। बुजुर्गों व युवाओं में अकेलापन, खराब स्वास्थ्य, वित्तीय सुरक्षा का डर रहता है। इनमें अकेलापन (युवाः 69 फीसदी, बुजुर्ग 68 फीसदी), खराब स्वास्थ्य (युवा 67 फीसदी बनाम बुजुर्ग 61 फीसदी) और वित्तीय असुरक्षा (युवा 62 फीसदी बनाम बुजुर्ग 58 फीसदी) शामिल है। युवा व बुजुर्ग इस बात से सहमत हैं कि वित्तीय सुरक्षा (बुजुर्ग 70 फीसदी, युवाः 72 फीसदी) और अच्छा शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य एक संतुष्ट बुढ़ापे की कुंजी है। युवाओं के बीच समग्र मूल्य और सम्मान स्कोर 100 में से 63.59 है जो वृद्धों और उनकी सामाजिक भूमिका पर व्यापक रूप से सकारात्मक दृष्टिकोण को दर्शाता है। गैर-मेट्रो शहरों में रहने वाले युवाओं का स्कोर मेट्रो शहरों (62.52) की तुलना में अधिक (65.18) है, जो उनके गहरे सम्मान को दर्शाता है। यह संभवतः समुदाय-उन्मुख मूल्यों से जुड़ा है। गैर-मेट्रो शहरों में, युवा और बुजुर्ग मजबूत पारंपरिक मूल्यों और अंतर-पीढ़ीगत संबंधों की रिपोर्ट करते हैं, लेकिन उम्र बढने और व्यापक पीढ़ी के अंतराल के बारे में अधिक डर भी दर्शाते हैं।

पहली तरह की राष्ट्रीय अध्ययन रिपोर्ट

यह अपनी तरह की पहली राष्ट्रीय अध्ययन रिपोर्ट है। इस रिपोर्ट को राज्य निदेशक, मेरा युवा भारत (पंजाब और चंडीगढ़) परमजीत सिंह और जिला युवा अधिकारी, मेरा युवा भारत चंडीगढ़ विनय कुमार ने राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान, चंडीगढ़ में लॉन्च किया। अध्ययन में 5798 उत्तरदाताओं का सर्वेक्षण किया गया, जिसमें युवाओं 18 से 30 वर्ष के 70 फीसदी युवा और 60 वर्ष से अधिक 30 फीसदी बुजुर्गों को शामिल किया गया। यह अध्ययन शहरी भारत में अंतर-पीढ़ीगत संबंधों के भावनात्मक (इमोशनल), संबंधपरक (रिलेशनल)और मनोवैज्ञानिक (साइकलोजिकल) पहलुओं को समझने की दिशा में एक कदम था। रिपोर्ट से पता चला कि युवा मुख्य रूप से 56 फीसदी बुजुर्गों को अकेला 48 फीसदी को आश्रित, 51 फीसदी को बुद्धिमान और 43 फीसदी को सम्मानित व्यक्ति के तौर पर देखते हैं।

पंजाब विश्वविद्यालय के यूआईएएमएस में छात्रों ने प्लेसमेंट में गाड़े झंडे

9 एमबीए छात्रों को 16.42 लाख के पैकेज का शानदार प्लेसमेंट

> 3 छात्रों को मिला 10 लाख रुपये का पैकेज
>
> 26 कंपनियों ने प्लेसमेंट प्रक्रिया में लिया हिस्सा, दिये 87 जॉब ऑफर

अर्थ प्रकाश/साजन शर्मा

चंडीगढ़, 13 जून। पंजाब विश्वविद्यालय के यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ एप्लाइड मैनेजमेंट साइंसेज (यूआईएएमएस) ने अपने 2023-2025 सत्र के कैंपस प्लेसमेंट में शानदार सफलता हासिल की है। इस साल 26 नामी कंपनियों ने प्लेसमेंट प्रक्रिया में भाग लिया और 87 छात्रों को जॉब ऑफर मिले। प्लेसमेंट सीजन की सबसे बड़ी उपलब्धि रही फेडरल बैंक द्वारा 9 छात्रों को 16.42 लाख रुपये का सर्वोच्च पैकेज देना। वहीं, महिंद्रा फाइनेंस ने 3 छात्रों को 10 लाख रुपये का पैकेज ऑफर किया। औसत पैकेज 6.84 लाख रुपये रहा। छात्रों को बैंकिंग, फाइनेंस, आईटी, मार्केटिंग और कंसल्टिंग जैसे क्षेत्रों में मैनेजमेंट ट्रेनी, सेल्स एग्जीक्यूटिव और रिलेशनशिप मैनेजर जैसे रोल मिले। पंजाब विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर रेणु विग ने छात्रों और प्लेसमेंट टीम को बधाई दी और कहा कि यह उपलब्धि विश्वविद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता और छात्रों की रोजगार क्षमता का परिचायक है। उन्होंने कहा कि हम अपने छात्रों की इस उपलब्धि पर गौरान्वित हैं। प्लेसमेंट में शामिल होने वाली कंपनियों के भी आभारी हैं जिन्होंने छात्रों को प्रोफेशनल जगत में उतरने का मौका प्रदान किया। यूआईएएमएस के प्लेसमेंट अधिकारी डॉ. अमनदीप सिंह मारवाह ने कहा कि हमारे छात्रों की मेहनत और उद्योग की अपेक्षाओं के साथ तालमेल ने यह शानदार परिणाम दिया। यूआईएएमएस की निदेशक प्रोफेसर अनुप्रीत कौर मावी ने कहा, हमें अपने छात्रों की सफलता पर गर्व है और हम उन्हें उद्योग के लिए तैयार करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। यूआईएएमएस का उद्देश्य उद्योग-तैयार पेशेवरों को तैयार करना है और भविष्य में कॉर्पोरेट भागीदारी का विस्तार करना है।

प्लेसमेंट के मुख्य आकर्षण

- कुल नौकरी के ऑफर : 87
- भाग लेने वाली कंपनियां : 26

प्लेसमेंट देने वाली कंपनियां : फेडरल बैंक, महिंद्रा फाइनेंस, कैपजेमिनी, बंज, तिरुपति हेल्थकेयर, एसबीआई म्यूचुअल फंड्स, एचडीएफसी लाइफ, पॉलिसी बाजार, ग्रौटाइड और वोडाफोन आइडिया जैसी कंपनियां

- उच्चतम पैकेज : 16.42 लाख प्रति वर्ष
- औसत पैकेज : 6.84 लाख प्रति वर्ष

पुलिस ने साइबर सुरक्षा व डिजिटल इनोवेशन को मजबूत करने के लिए साइबरथॉन.एआई 2025 का किया उद्घाटन

अर्थ प्रकाश/रंजीत शम्मी

चंडीगढ़, 13 जून। यूटी पुलिस ने शुक्रवार को इंफोसिस कैंपस, आईटी पार्क में साइबरथॉन.AI 2025 का उद्घाटन किया। उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता आईजीपी पुष्पेंद्र कुमार ने की, जिसमें इंफोसिस, पीईसी, एचडीएफसी बैंक के अधिकारी और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए।

इस पहल का उद्देश्य साइबर सुरक्षा और डिजिटल इनोवेशन को बढ़ावा देना है। कार्यक्रम में तकनीक, शिक्षा, और कानून प्रवर्तन से जुड़े विशेषज्ञों और युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। मुख्य भाषणों में हैकथॉन और साइबरथॉन को सहयोगात्मक प्लेटफ़ॉर्म के रूप में रेखांकित किया गया, जो वास्तविक साइबर चुनौतियों के समाधान में सहायक हैं।

2019 से अब तक चंडीगढ़ पुलिस ने कई सफल संस्करण आयोजित किए हैं, जिनमें डीपफेक डिटेक्शन, क्रिप्टो अपराध ट्रैकिंग, और AI-आधारित पुलिस टूल्स शामिल हैं। इस वर्ष 81 प्रविष्टियों में से 11 टीमों को शॉर्टलिस्ट किया गया है, जो 13-14 जून को दो दिवसीय कोडिंग प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगी। यह आयोजन डिजिटल खतरों से निपटने के लिए पुलिस प्रणाली को सशक्त बनाने और साइबर सुरक्षा की नई पीढ़ी को तैयार करने की दिशा में एक अहम कदम है।

चंडीगढ़ के सरकारी और निजी कॉलेजों में प्रवेश के लिए ऑनलाइन संयुक्त प्रॉस्पेक्टस 2025-26 का विमोचन

> विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिये कुल 21, 500 सीटों पर होगा दाखिला

अर्थ प्रकाश/साजन शर्मा

चंडीगढ़, 13 जून। पंजाब विश्वविद्यालय चंडीगढ़ से संबद्ध सरकारी और निजी तौर पर प्रबंधित सहायता प्राप्त कॉलेजों में सत्र 2025-26 के लिए प्रवेश प्रक्रिया शुरू हो गई है। आवेदकों के लिए विभिन्न स्नातक और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में लगभग 21,500 सीटें उपलब्ध हैं। सरकारी कॉलेजों में विभिन्न स्नातक पाठ्यक्रमों में उपलब्ध हैं। उच्च शिक्षा निदेशालय, चंडीगढ़ प्रशासन की ओर से प्रकाशित संयुक्त प्रॉस्पेक्टस का विमोचन शुक्रवार को मुख्य सचिव राजीव वर्मा, शिक्षा सचिव सुश्री प्रेरणा पुरी, निदेशक उच्च शिक्षा रुबिंदरजीत सिंह बराड़ द्वारा किया गया।

कालेज में विभिन्न पाठ्यक्रमों में सीटों की संख्या तय की गई है। इसमें बी.बी.ए. की 240, बी.सी.ए की 320, बी.कॉम की 700, बी.ए की 3000 और बी.एससी की कुल 640 सीटें हैं। सरकारी कॉलेजों में स्नातक पाठ्यक्रमों की सीटों में कोई बदलाव नहीं किया गया है और सभी स्नातकोत्तर डिग्री (02 वर्षीय) पाठ्यक्रम पिछले वर्ष की तरह इस सत्र में भी जारी रहेंगे। संयुक्त प्रॉस्पेक्टस में प्रवेश प्रक्रिया, पात्रता आवश्यकताओं और सरकारी संस्थानों के उपलब्ध पाठ्यक्रमों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई है। पहले वर्ष और दूसरे वर्ष में प्रवेश लेने वाले छात्रों के लिए प्रस्तावित विषयों और आवंटित क्रेडिट के लिए एनईपी-2020 (राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020) के प्रावधान प्रॉस्पेक्टस में निर्दिष्ट हैं। युक्तिकरण समिति की सिफारिश पर, चंडीगढ़ के सरकारी कॉलेजों में एनईपी 2020 के तहत चार वर्षीय स्नातक ऑनर्स/ऑनर्स के साथ शोध पाठ्यक्रमों को आगे बढ़ाने के लिए विभिन्न विषयों में प्रमुख का विकल्प दिया जाता है।

इस संयुक्त प्रॉस्पेक्टस का मसौदा और डिजाइन पीजीजीसी-11 की संयुक्त प्रॉस्पेक्टस समिति द्वारा प्रिंसिपल श्रीमती रमा अरोड़ा के कुशल मार्गदर्शन में तैयार किया गया है। ऑनलाइन संयुक्त प्रॉस्पेक्टस के लॉन्च के समय समिति मौजूद थी। संयुक्त प्रॉस्पेक्टस को एक विश्वसनीय संसाधन बनाने की दृष्टि से तैयार किया गया है जो छात्रों को अच्छी तरह से सूचित निर्णय लेने में सक्षम बनाता है। सभी केंद्रीकृत पाठ्यक्रमों (बीबीए, बीसीए, बी.कॉम) के लिए प्रवेश फॉर्म जमा करने की तिथि 13 जून 2025 (शुक्रवार) से 28 जून 2025 (शनिवार) तक है। सभी गैर-केंद्रीकृत पाठ्यक्रमों और पीजी पाठ्यक्रमों के लिए प्रवेश फॉर्म जमा करने की तिथि 13 जून 2025 (शुक्रवार) से 4 जुलाई 2025 (शुक्रवार) तक है। किसी भी पूछताछ के लिए ई-मेल dhechdhelpline@gmail.com और संपर्क नंबर 9888989927 (डॉ. एम.एल. शर्मा, प्रोफेसर, पीजीजीसी-11) पर जानकारी ले सकते हैं।

विदेश का वीजा दिलवाने के नाम पर लाखों रुपए की ठगी के दो मामले दर्ज

अर्थ प्रकाश/रंजीत शम्मी

चंडीगढ़, 13 जून। यूटी पुलिस ने विदेश भेजने के नाम पर लाखों रुपए की ठगी करने वालों के खिलाफ लागातार अभियान चला रखा है। पुलिस आए दिन आरोपियों की धर पकड़ भी कर रही है। जानकारी के अनुसार शिकायतकर्ता हरियाणा के जिला सोनीपत के रहने वाले सतीश कुमार ने पुलिस को बताया कि उसका कुछ समय पहले सेक्टर 17 स्थित एक प्राइवेट इमीग्रेशन कंपनी के कर्मियो से हुआ था। उन्होंने पीड़ित को झांसे में लेते हुए कहा था कि वह उसका विदेश का वर्क वीजा दिलवा देंगे। पीड़ित उनके झांसे में आ गया। उसने कुल मिलाकर दो लाख 12 हजार रुपए दे दिए। जब कुछ बीत जाने के बाद संपर्क किया तो वह टाल मटोल करता रहा। ना तो उसका विदेश का वर्क वीजा दिलवाया।और ना ही लिए गए लाखों रुपए वापस किए। जिसकी शिकायत थाना 17 पुलिस को दी गई थी। पुलिस ने मामले में कारवाई करते हुए आरोपी शकील अहमद, आशीष और अन्य के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

केस नंबर दो: जानकारी के अनुसार शिकायतकर्ता हरियाणा के जिला हिसार के रहने वाले जोगिंद्र सिंह ने पुलिस को बताया कि उसका कुछ समय पहले सेक्टर 22 स्थित एक प्राइवेट इमीग्रेशन कंपनी के कर्मियो से हुआ था। उन्होंने पीड़ित को झांसे में लेते हुए कहा था कि वह उसका विदेश का वीजा दिलवा देंगे। पीड़ित उनके झांसे में आ गया। उसने कुल मिलाकर 16 लाख 54 हजार रुपए दे दिए। जब कुछ बीत जाने के बाद संपर्क किया तो वह टाल मटोल करता रहे। ना तो उसका विदेश का वर्क वीजा दिलवाया।और ना ही लिए गए लाखों रुपए वापस किए। जिसकी शिकायत थाना 17 पुलिस को दी गई थी। पुलिस ने मामले में कारवाई करते हुए गगनदीप और अन्य के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

नगर निगम चंडीगढ़ ने दो माह में वसूले प्रॉपर्टी टैक्स के 61 करोड़

> पिछले वर्ष से इस बार 2 करोड़ ज्यादा की राजस्व वसूली

अर्थ प्रकाश/वीरेंद्र सिंह

चंडीगढ़, 13 जून। प्रापर्टी टैक्स के जरिये नगर निगम चंडीगढ़ विगत दो माह के अंदर 61 करोड़ रुपये की उगाही करने में कामयाब रहा है। बता दें कि पहली अप्रैल से 31 मई 2025 तक निगम को 61 करोड़ रुपये मिले हैं। विगत वर्ष एक साल में केवल 59 करोड़ रुपये की ही वसूली हो पायी थी।

वर्ष 2024-25 में चली दो माह की स्कीम में 39 करोड़ रुपये मिले थे। इस स्कीम के अंतर्गत एमसीसी रेजिडेंशियल प्रापर्टी पर 20 प्रतिशत और कमर्शियल प्रापर्टी टैक्स जमा कराने पर 10 प्रतिशत की छूट देता है। इस पैसे एमसी के कई छोटे-छोटे विकास कार्य संपन्न किये जा सकेंगे। इसके अलावा स्टाफ कर्मियों को वेतन भी समय पर दिये जा सकेंगे। वहीं अब नगर निगम करोड़ों की प्रापर्टी टैक्स डिफाल्टरों से रिकवरी के लिए सख्ती भी करेगा। इसके अलावा अदालतों में चल रहे केसेज की पैरवी भी करेगा।

निगम कमिश्नर अमित कुमार का कहना है कि चंडीगढ़ में चली दो माह की सेल्फ असेसमेंट स्कीम से 61 करोड़ रुपये प्रापर्टी टैक्स हेड में राजस्व आया है, जबकि विगत वर्ष 59 करोड़ प्रापर्टी टैक्स हेड में राजस्व आया था। शहर के बड़े प्रापर्टी टैक्स बकायेदारों से रिकवरी के लिए उनके मैनेजमेंट के साथ बातचीत की जायेगी। इसके बाद भी यदि रिकवरी नहीं हो पाती है तो उनके विरुद्ध लीगत एक्शन किया जायेगा।

कई वर्षों से दबाव बना रहा है निगम

वर्णनीय है कि पंजाब विश्वविद्यालय (पीयू), पीजीआई और पेक पर विगत कई वर्षों से नगर निगम प्रापर्टी टैक्स जमा कराने का दबाव बना रहा रहा है। किंतु इन संस्थानों के कानों पर जूं तक नहीं रेंगती है। पहले नगर प्रशासन भी इसमें कोई दखल नहीं देता था।

पंजाब विवि पेक पर 92 करोड़ का बकाया

उल्लेखनीय है कि नगर निगम को पंजाब विश्वविद्यालय (पीयू) और पंजाब इंजीनियरिंग कालेज (पैक) व पीजीआई से लगभग ९२ करोड़ प्रापर्टी टैक्स का बकाया लेना है। इसमें पीयू पर 68.40 करोड़, पीजीआई पर 20 करोड़, पेक पर 4.20 करोड़ रुपये का बकाया है। एमसी ने इन सभी इंस्टीट्यूशंस को कई बार नोटिस भी दिया है, किंतु इन्होंने अब बकाया रकम की अदायगी नहीं की है। नगर निगम अब इन तीनों संस्थानों के डायरेक्टर्स के साथ मीटिंग करने का प्लान तैयार किया है। फिर भी यदि इस पर सहमति नहीं बनी तो इन सबके विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की जायेगी। इसके अलावा बाकी कमर्शियल डिफाल्टरों के साथ भी सख्ती की जायेगी। नोटिस के बावजूद बकाया राशि न जमा कराने पर प्रापर्टी सीलिंग का नोटिस जारी किया जायेगा। इसके बाद सीलिंग की कार्रवाई की जायेगी। इन पैसों से नगर निगम शहर में जरूरी विकास कार्यों को अंजाम दे सकेगा।

कमिश्नर ने उठाये कड़े पग

नगर प्रशासक एवं पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने भी कहा कि नगर निगम को प्रापर्टी टैक्स के बकायेदारों पर नकेल डालकर अपना राजस्व बढ़ाने का उपाय करना चाहिए। नगर निगम की बजट मीटिंग में भी कटारिया ने कुछ ऐसे ही संकेत दिये थे। इसके बाद से ही निगम कमिश्नर ने प्रापर्टी टैक्स उगाही के लिए कड़े पग उठाने शुरू किये हैं।

सम्पादकीय

एयर इंडिया विमान हादसे का दर्द देश कभी नहीं भूल सकेगा

भारत समेत तीन देशों के लिए वीरवार का दिन दुख-दर्द और संत्रास का ऐसा मौका लेकर आया, जिसे जिसने भी देखा और सुना, वह सन्न रह गया। अहमदाबाद से इंग्लैंड जा रहा एयर इंडिया का विमान उड़ान भरने के कुछ सेकंड बाद ही दुर्घटनाग्रस्त हो गया और मेडिकल कॉलेज के हॉस्टल से टकरा गया। इस आफत ने एकाएक 261 लोगों की जान ले ली। विमान में दो पायलटों के सहित कुल 242 लोग सवार थे वहीं बाकी की जान जमीन पर विमान के गिरने के बाद हुई। इस हादसे में 169 भारतीय, 53 ब्रिटिश, 7 पुर्तगाली और एक कनाडाई नागरिक मृत्यु को प्राप्त हो गए। यह कितना विचित्र है कि सबसे सुरक्षित समझे जाने वाली विमान यात्रा में उड़ान भरने के कुछ सेकंड बाद ही विमान हादसे का शिकार हो गया। हालिया समय में यह दुनिया का सबसे बड़ा विमान हादसा है, जिसने न केवल उड़ान नियमों अपितु विमानों की देखभाल की गंभीर जरूरत को पुनः रेखांकित कर दिया है। एयर इंडिया टाटा समूह की कंपनी है, जिसकी शुरुआत टाटा समूह ने ही की थी।

निश्चित रूप से यह टाटा समूह के लिए भी भारी आघात है। देश के विकास और इसकी आर्थिकी को मजबूत बनाने में टाटा समूह का अमूल्य योगदान है। इस समय निजी एयरलाइन कंपनियां मैदान से हट रही हैं, लेकिन एयर इंडिया ने खुद को विश्वस्तरीय बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया था। हालांकि इस विमान हादसे ने कंपनी की छवि को बहुत नुकसान पहुंचाया है। निश्चित रूप से यह हादसा गहनतम जांच का विषय है और वह आरंभ हो चुकी है। तमाम प्रश्न हैं, जोकि जहां-तहां से सामने आ रहे हैं। पूछा जा रहा है कि विमान में तीसरा पायलट क्यों नहीं था। वहीं यह भी कहा जा रहा है कि विमान की बीती यात्रा के दौरान यात्रियों ने इसमें सुरक्षा प्रबंधों पर सवाल उठाए थे, उनका समाधान किया गया या नहीं, यह कोई नहीं जानता। हालांकि पायलटों की सक्षमता पर सवाल नहीं उठाए जा सकते क्योंकि वे दोनों बेहद अनुभवी पायलट थे और उड़ान भरने के तुरंत बाद मेडे यानी आपातकालीन कॉल दी थी। क्या यह माना जाए कि उड़ान भरने के साथ ही समस्या पैदा हो गई थी। तब हवाई अड्डे पर क्या उड़ान से पहले सभी जांच ठीक से पूरी की गई थी, यह सवाल भी अहम है। आजकल विमान कंपनियों में आपाधापी है, वहीं जिनके कंधों पर जिम्मेदारी होती है, बहुत बार वे तय नियमों का उल्लंघन करते पाए जा सकते हैं। निश्चित रूप से विमान हादसे के बाद वैश्विक स्तर के विशेषज्ञ यह जांच कर सामने लाएंगे कि आखिर हादसे की वजह क्या रही हैं। कयास लगाया जा रहा है कि विमान की स्थिति देखकर लगता है, जैसे उड़ान भरने के तुरंत बाद दोनों ही इंजनों ने काम करना बंद कर दिया था। सामान्य जनों के लिए यह कौतूहल की बात हो सकती है कि विमान जब एक इंजन के खराब होने की स्थिति में दूसरा इंजन भी लगाया जाता है, लेकिन अगर दोनों ही इंजन खराब हो गए तो यह कैसे संभव हुआ।

> **हादसे ने गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रुपाणी की भी जान ले ली। वे अपनी बेटी से मिलने लंदन जा रहे थे। यह कितना दुखद संयोग है कि इससे पहले उन्होंने दो बार टिकट कैंसिल कराई थी, लेकिन तीसरी बार जब वे विमान में सवार हुए तो फिर कभी न लौटने वाले सफर पर चले गए। रुपाणी पंजाब भाजपा के प्रभारी भी थे, ऐसे में पंजाब भाजपा के लिए भी यह बड़ी क्षति है, जब उसने अपने एक सक्षम, अनुभवी राजनेता को खो दिया। इस हादसे में एक चमत्कार भी घटा है, जब यात्रियों में शुमार भारतीय मूल के एक ब्रिटिश नागरिक विश्वास कुमार की जान बच गई**

इस हादसे ने गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रुपाणी की भी जान ले ली। वे अपनी बेटी से मिलने लंदन जा रहे थे। यह कितना दुखद संयोग है कि इससे पहले उन्होंने दो बार टिकट कैंसिल कराई थी, लेकिन तीसरी बार जब वे विमान में सवार हुए तो फिर कभी न लौटने वाले सफर पर चले गए। रुपाणी पंजाब भाजपा के प्रभारी भी थे, ऐसे में पंजाब भाजपा के लिए भी यह बड़ी क्षति है, जब उसने अपने एक सक्षम, अनुभवी राजनेता को खो दिया। इस हादसे में एक चमत्कार भी घटा है, जब यात्रियों में शुमार भारतीय मूल के एक ब्रिटिश नागरिक विश्वास कुमार की जान बच गई। बताया गया है कि विमान के अंदर सवा लाख लीटर ईंधन भरा था और आग लगने के बाद वह जगह दावानल बन चुकी थी, जिसकी चपेट में जो आया वही जान से हाथ धो बैठा। उन परिस्थितियों में भी एक यात्री का जिसने बताया है कि वह विमान के आपातकालीन दरवाजे के पास वाली सीट पर बैठा था और धमाके के बाद उसकी सीट उछल कर बाहर गिर गई थी, अपने आप में अनूठी कहानी है। हालांकि यह सच है और ईश्वर ने उन्हें बचा लिया। बेशक, इस हादसे ने केंद्र सरकार, टाटा समूह, एयर इंडिया समेत पूरी दुनिया के समक्ष बोइंग विमानों और हवाई यातायात को और सुरक्षित बनाने की चुनौती पेश कर दी है, लेकिन यह आवश्यक है कि ऐसे हादसे भविष्य में न हों, इसको शत प्रतिशत सुनिश्चित किया जाए। देश आज उन सभी यात्रियों और अन्य लोगों के मारे जाने के दुख में शामिल है। वह कौन होगा, जिसकी आंख में नमी न होगी।

मन बांवरा माने ना

दैनिक अर्थ प्रकाश

स्पिरिचुअल हीलर
सिद्ध गुरू प्रमोद निर्वाण
गिनीज़ विश्व रिकॉर्ड विजेता लेखक

मनोविज्ञान कहता है कि हमारा मन ऐसा बांवरा है कि वह हमारे खुद के साथ ही खेल खेल जाता है और हमें पता भी नहीं चलता। हमारे सामने कोई ऐसा काम हो जो बहुत कठिन हो, या हमें नापसंद हो, तो हमारा मन दस हज़ार तरह के बहाने बनाकर हमें भटका देता है। कठिन काम, या नापसंद काम हमारे सामने हो, करना जरूरी हो, उसे न करने पर नुकसान हो सकता हो, तो भी जब हम काम शुरू करने लगें तो मन में विचार आयेगा कि हमारी दराज़ में बड़ा कूड़ा इकट्ठा हो गया है, कुछ ढूंढ़ना हो तो ढूंढ़ने में बहुत समय खराब हो जाता है, दस-पंद्रह मिनट लगेंगे, दराज़ साफ कर लें, फिर यह काम कर लेंगे, इस तरह एक पंथ दो काज हो जाएंगे, और हमने काम छोड़ कर दराज़ साफ करना शुरू कर दिया। दराज़ में सचमुच बहुत सी बेकार की चीज़ें जमा हो गई थीं, सफाई करने लगे तो खुद हैरान हो गये कि इतना कूड़ा इकट्ठा कर रखा है। सफाई पूरी करके बहुत खुश हुए कि ''एक अच्छा काम निपटा लिया'', लेकिन उस सफाई में सारा दिन गुज़ार दिया। पता ही नहीं चला कि पूरा दिन कैसे बीत गया। ''अच्छा काम'' तो किया, पर ''जरूरी काम'' को छोड़ कर। ये है हमारे मन का खेल। मन को यूं ही बांवरा नहीं कहते। अगर हम समझदारी से काम न लें तो ये बांवरा मन मानता ही नहीं।

मन के ये खेल हमारे जीवन के सभी हिस्सों में चलते रहते हैं और कई बार तो रिश्तों के भी आड़े आ जाते हैं। ऐसे ही एक मामले का ज़िक्र मेरी बात का बेहतर खुलासा करेगा। पति-पत्नी, निशा और राजेश, दोनों सरकारी नौकरी में उच्च पदों पर विराजमान हैं, अपने-अपने कार्यालय के मुखिया। दोनों बहुत पढ़े-लिखे, बहुत मिलनसार, बहुत सभ्य। पैसे की कमी नहीं, हर तरह की सुख-सुविधा से संपन्न घर। परिवार में पति-पत्नी के अलावा एक बेटा और एक बिटिया। भरा-पूरा परिवार, परमात्मा का दिया सब कुछ। जो देखे, वैसा ही परिवार चाहे। पर पति-पत्नी के रिश्ते में कशिश बिलकुल नहीं। सब कुछ औपचारिक-सा। दोनों को लगता था मानो किसी जानकार से, या किसी पड़ोसी से बात कर रहे हैं, पति-पत्नी वाला खिंचाव, लगाव या आकर्षण नदारद। यहां तक कि वैवाहिक जीवन के सर्वाधिक आवश्यक काम के समय भी सब कुछ इतना औपचारिक कि मिलन के बाद भी मन में संतुष्टि नहीं, आनंद नहीं। अच्छी बात सिर्फ यह रही कि पति-पत्नी में से किसी का कोई अफेयर नहीं। आखिर दोनों ने एक मैरिज काउंसलर के पास जाने का फैसला किया। संयोग ये रहा कि मैरिज काउंसलर मेरे मित्र हैं, मेरे काम के बारे में जानते हैं, सो उन्होंने ही निशा और राजेश को मेरे पास भेजा।

दोनों से दो-दो बार अलग-अलग और एक साथ की मीटिंग के बाद मैंने हीलिंग शुरू की। हीलिंग के समय जो तथ्य उभर कर आये वे बड़े आश्चर्यजनक थे। निशा बचपन से ही बहुत सुंदर थीं और उनके पिता इसी बात से डरे रहते थे कि बिटिया बहुत सुंदर है, कोई आवारा गुंडा कहीं निशा के साथ कुछ गलत न कर दे। इस डर के चलते उन्होंने निशा पर इतनी पाबंदियां लगा दीं कि उनका जीवन नीरस हो गया। किसी सहेली के घर जाने की छूट नहीं, किसी के साथ खेलने की छूट नहीं, घर में कैदी का-सा जीवन। वह अपने पिता से घृणा करने लगीं। मन का यह घाव धीरे-धीरे नासूर बन गया और वह पूरे पुरुष समाज से ही घृणा करने लगीं। शादी के बाद मन की इस घृणा ने ऐसा रूप दिखाया कि मन कभी भी पति के करीब नहीं हो सका।

उधर राजेश की कहानी भी कोई अलग नहीं थी। राजेश की मां बहुत तेज स्वभाव की थीं। बात-बात पर पति की गलतियां निकालते रहना, उन्हें कोसते रहना, बेटे को डांटते रहना उनका स्वभाव था। पिता काम में व्यस्त रहते थे, कभी बेटे के साथ लंबा समय नहीं बिताया, पिता-पुत्र के रिश्ते में नज़दीकियां नहीं आईं। बचपन में मां ने भी मां का वह प्यार नहीं दिया जो हर बेटे का हक होता है। मन का यह खालीपन निशा के औपचारिक व्यवहार के कारण शादी के बाद भी नहीं भर पाया। शरीर साथ थे, मन दूर-दूर था। शरीर मिले, बच्चे भी हुए, पर मन की दूरियां बनी रहीं। हीलिंग के समय दोनों को समझ आया कि पति-पत्नी दोनों ही प्यासे हैं, दोनों के बचपन में प्यार और विश्वास का अभाव रहा है जो उनके शादीशुदा जीवन में दखल दे रहा है। दोनों को यह भी समझ आया कि वह बीते समय की बात है, अब नया जीवन है। दोनों ने ही यह भी समझा कि दोनों एक-दूसरे के प्रति समर्पण के लिए तैयार हैं पर बचपन के अभाव ने मन में दूरियां पैदा कर दी हैं और इन दूरियों को मिटाने के लिए दोनों ही सक्षम हैं, बस थोड़ी-सी समझदारी की जरूरत है।

यह समझ आते ही कि दोनो के मन में एक-दूसरे के प्रति कोई दुराव नहीं है, गलतियां दोनों के मां-बाप की हैं और उसके कारण उनके शादीशुदा जीवन को खराब करने का कोई कारण नहीं है तो दोनों एक-दूसरे के गले मिल कर रोये। आंसुओं ने सारी शिकायतें धो दीं और आज निशा और राजेश सचमुच ऐसा जीवन जी रहे हैं कि हर कोई वैसा ही जीवन जीना चाहेगा। पहले जो दिखावा था, जो दुनिया को नज़र आता था, अब वह असलियत में बदल गया है, अब वह सचमुच घटित हो गया है, जीवन खुशनुमा हो गया है, जीवन संगीत बन गया है। अब वे अपने बच्चों को पूरा समय देते हैं, पूरा प्यार देते हैं, उनकी कांउसलिंग करते रहते हैं, उनका धीरज बंधाते रहते हैं, उन्हें प्रोत्साहित करते रहते हैं, उनका मार्गदर्शन करते रहते हैं, ताकि जिस प्यार से वंचित रहकर उनका शादीशुदा जीवन औपचारिकता बन गया था, वैसा उनके बच्चों के साथ न हो। अब जीवन ही अलग है।

मन तो बांवरा है ही, मन तो मानता ही नहीं, मन तो मनमानी भी करता ही है। अगर जीवन में कोई कमी हो तो मन हमें भटका सकता है, भटकाता ही है। मन के खेल सचमुच निराले हैं, इससे सावधान रहने की जरूरत है क्योंकि हमें तो यह लगता है कि हम अपने मन की कर रहे हैं, पर यह नही समझ पाते कि मन को बेलगाम छोड़ कर हम असल में अपने ही पैर पर कुल्हाड़ी मार रहे हैं। ऐसे हर मामले में स्पिरिचुअल हीलिंग एक प्रभावी औजार है जो हमें सही रास्ता दिखा सकता है और जीवन को खुशहाल बना सकता है। यूं भी थोड़े से विश्लेषण से, थोड़ी सी समझदारी से हम मन पर लगाम लगा सकते हैं। लगाम हो तो मन को काबू में रखकर जीवन आनंदमय बना सकते हैं, और लगाम न हो तो हम मन के चक्कर में फंसकर घनचक्कर भी बन सकते हैं, क्योंकि मन तो बांवरा है ही, इसे समझना जरूरी है।

अर्थ प्रकाश में 34 साल पहले आज का दिन

भजनलाल ने कर्मचारियों को झुनझुना पकड़ाया

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री भजनलाल द्वारा हड़ताल वापसी के दूसरे दिन कर्मचारियों की मांगों को मानने की घोषणा ने कर्मचारियों में व्याप्त असंतोष बढ़ा है। कर्मचारियों का एक बड़ा तबका जो बिना किसी संतोषजनक परिणाम के घुटने टेककर हड़ताल खत्म करने के विरुद्ध था, वह आनी गई मांगों को हाथ में झुनझुना पकड़ाना बता रहा है।

जहां तक पंजाब के समान वेतन देने की बात है। मुख्यमंत्री पहले से ही असमर्थता प्रकट करते आ रहे हैं। अब जो समिति इस आशय के लिए बनाई गई है, उसके कार्यों में भी आर्थिक एवं अन्य विषमताओं का पता लगाने की बात कही गई है। इसके अंतर्गत यह मानने का प्रावधान भी है कि क्या राज्य सरकार ऐसा कर भी सकती है या नहीं, इसलिए अनिश्चितता के दौर में अप्रैल 1993 के बाद ही किसी निष्कर्ष पर पहुंचा जा सकेगा।

तदर्थ कर्मियों को नियमित करने हेतु मियाद 31 दिसंबर तक 2 वर्ष की निर्धारित की गई है, जो नई बात नहीं। हरियाणा बनने के बाद का इतिहास देखने पर पता चलता है कि 2 वर्ष वाले कर्मचारी प्रायः यहां सदा ही नियमित होते रहे हैं।

दूसरी तरफ दिहाड़ीदारों को पांच साल बाद पक्का करने की घोषणा से तो सरकार का हाथ ऊपर रहा है, क्योंकि वर्ष 1986 से उच्च न्यायालय के निर्णय के पश्चात 240 दिन के दिहाड़ीदार प्रायः पक्के होते रहे हैं।

इसके अतिरिक्त 1983 में स्टाफ की 10 प्रतिशत की कटौती की समीक्षा से भी कोई विशेष अंतर नहीं पड़ेगा। गत वर्ष केंद्रीय सरकार ने सभी राज्यों के लिए एक मुश्त जो आर्थिक बचत व कटौती की नीति निर्धारित की है, उससे शायद 1983 की कटौती बहाल करने के बावजूद भी मौजूदा स्टाफ में और कमी करनी पड़े। यह आंकड़ों की कहानी है और आंकड़ों में सरकार कभी मार नहीं खाया करती।

10 और 20 साल के बाद समयबद्ध पदोन्नति की बजाय तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को 8 व 18 साल की सेवा के बाद एक-एक अग्रिह वेतन वृद्धि देना एक छलावा मात्र है। इसके अतिरिक्त चिकित्सा भत्ता में कोई वृद्धि नहीं की गई। केवल मात्र विकल्प दे दिया है कि कर्मचारी निर्धारित 45 रुपये मासिक लेने अथवा 1200 रुपये वार्षिक चिकित्सा बिलों की प्रतिपूर्ति करवा लेंगे।

ज्ञान सागर : देखें आज के दिन क्या घटा

1595-सिखों के छठे गुरु गुरु हरगोविंद सिंह का जन्म।
1880-भारतीय राष्ट्रवादी, वैज्ञानिक और आविष्कारक सतीश चंद्र दासगुप्ता का जन्म।
1900-हवाई क्षेत्र अमरीकी राष्ट्र का हिस्सा बना।
1901-पहली बार गोल्फ प्रतियोगिता का आयोजन हुआ।
1905-भारतीय शास्त्रीय संगीतकार हीराबाई बरोदकर का जन्म।
1920-प्रसिद्ध जर्मन दार्शनिक एवं इतिहासकार मैक्स वेबर का निधन।
1922-फिल्म मुगल-ए-आजम के निर्देशक के आसिफ का जन्म।
1946-अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का जन्म।
1947-कांग्रेस कार्य समिति ने भारत विभाजन के माउंटबेटन योजना की प्रस्ताव स्वीकृति को अखिल भारतीय कांग्रेस समिति के समक्ष रखा।
1949-वियतनाम राष्ट्र का गठन।
1958-डा सीवी रमन को क्रेमलिन में लेनिन शांति पुरस्कार प्रदान किया गया।
1961-प्रसिद्ध भारतीय भौतिक वैज्ञानिक कार्यमाणिवकम श्रीनिवास कृष्णन का निधन।
1967-भारतीय उद्योगपति और 'आदित्य बिड़ला ग्रुप' के अध्यक्ष कुमार मंगलम बिड़ला का जन्म।
1969-जर्मनी की टेनिस स्टार स्टेफी ग्राफ का जन्म।
1996-भारतीय महिला मुक्केबाज़ निखत ज़रीन का जन्म।
1999-थाबो मबेकी दक्षिण अफ़्रीका के राष्ट्रपति निर्वाचित।
2001-जांच आयोग ने दीपेन्द्र को ही शाही परिवार का हत्यारा बताया।
2004-पंचशील सिद्धान्त की 50वीं वर्षगांठ पर बीजिंग में अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार।
2005-माइकल जैक्सन बच्चों के साथ यौन दुर्व्यवहार से जुड़े दस मामलों में बरी।
2007-चीन के गोवी रेगिस्तान में पक्षीनुमा विशाल डायनसोर के जीवाश्म मिले।
2008-केन्द्र सरकार ने अलग गोरखालैंण्ड राज्य के निर्माण की संभावना को ख़ारिज किया। राजस्थान के बाँसवाड़ा ज़िले में 96 मीट्रिक टन की सोने की ख़ान का पता चला।
2011-रुद्रवीणा वादक असद अली ख़ाँ का निधन।
2012-विशाखापत्तनम में भारतीय इस्पात संयंत्र में विस्फोट से 11 लोगों की मौत हो गयी और 16 घायल हो गए।
2013-उत्तराखंड की केदारनाथ घाटी में आई तबाही।
2014-प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को भारतीय नौसेना ने गार्ड ऑफ ऑनर दिया।
2020-भारतीय फ़िल्म अभिनेता, थियेटर और टीवी कलाकार सुशांत सिंह राजपूत का निधन।

बोल ब्यूटीफुल

नवरूप सिंह: चूंकि ड्रीमलाइनर विमान का हादसे से जुड़ा कोई इतिहास नहीं रहा, इसलिए बोइंग को इसकी तह में जाना चाहिए कि ऐसा कैसा हुआ। उम्मीद है कि अमेरिकी संस्थान नेशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड इस दुर्घटना के कारणों की पहचान में एअर इंडिया और नागर विमानन प्राधिकरण की हरसंभव सहायता करेगी।

अवधेश कुमार: अहमदाबाद में बोइंग विमान दुर्घटना पूरे देश को हिला देने वाली है। इस त्रासदी का विवरण शब्दों से परे है।

सौरभ त्रिपाठी: हवाई यात्रा सबसे सुरक्षित मानी जाती है, पर अहमदाबाद हादसे से इस भरोसे को धक्का लगेगा। गहन जांच से ही इस भरोसे की बहाली संभव है। देश में विमानों की खस्ताहालत की शिकायतें अक्सर आती रहती है, उन पर भी ध्यान देना होगा। वहीं, इस हादसे की जिम्मेदारी भी तय होनी चाहिए।

नोफल एक उम्मीद चैरिटेबल ट्रस्ट समाजसेवी संस्था ने जरूरतमंदों के लिए शुरू की निशुल्क एंबुलेंस सेवा

पंजाब के गवर्नर व चंडीगढ़ प्रशासक ने हरी झंडी दिखा कर जनता को किया समर्पित

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़, 13 जून। ट्राईसिटी की विख्यात समाजसेवी संस्था नोफल एक उम्मीद चैरिटेबल ट्रस्ट ने जरूरतमंद लोगों के लिए मुफ्त एम्बुलेंस सेवा शुरू की है। इस पहल से उन लोगों को मदद मिलेगी, जिनके पास एम्बुलेंस सेवा के लिए पैसे नहीं हैं और जिन्हें आपातकालीन चिकित्सा परिवहन की आवश्यकता होती है। पी जी आई स्थित गुरुद्वारा प्रतख दर्शन पातशाही 6वीं में गुरुवार को नोफल एक उम्मीद चैरिटेबल ट्रस्ट समाजसेवी संस्था ने निःशुल्क एंबुलेंस सेवा की शुरुआत की है। इससे आपात स्थिति में जरूरतमंद मरीजों को मदद मिलेगी। पंजाब के गवर्नर व चंडीगढ़ प्रशासक श्री गुलाब चंद कटारिया ने हरी झंडी दिखा कर जनता को समर्पित किया।

इस अवसर पर चंडीगढ़ नोफल एक उम्मीद चैरिटेबल ट्रस्ट के प्रेसिडेंट गुरमीत सिंह, भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष संजय टण्डन, गुरु का लँगर आई हॉस्पिटल के संचालक एच एस सभरवाल, गुरुद्वारा प्रतख दर्शन पातशाही 6वीं सभा के प्रधान, सरदार सुखदेव सिंह सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे। निशुल्क एंबुलेंस सेवा शुरू कर संस्थान ने जनता की सेवा करने का जो संकल्प लिया है, उसे माननीय गवर्नर और चंडीगढ़ प्रशासक श्री गुलाब चंद कटारिया ने सराहा। उन्होंने कहा कि पी जी आई में हिमाचल, पंजाब, जम्मू एंड कश्मीर सहित कई राज्यों से लोग इलाज के लिए आते हैं। जिनमे जरूरतमंद लोग भी होते हैं, जिनकी आर्थिक स्थिति उतनी अच्छी नही होती कि वो अपने मरीज का अच्छे से इलाज करवा सके। या फिर वापिस अपने गांव, शहर और राज्य पहुंच सके। नोफल एक उम्मीद चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा फ्री एम्बुलेंस सेवा वाकई ही सराहनीय है। इस सेवा का

जरूरतमंद मरीजों को निश्चित रूप से बेहद फायदा होगा।

गुरमीत सिंह ने बताया कि समाजसेवा को ध्येय मानते हुए फ्री एंबुलेंस सेवा को जरूरतमंद जनता को समर्पित किया है। यह एंबुलेंस सेवा जरूरतमंदों के पूरी तरह से निशुल्क रहेगी, जबकि अन्य को इस सुविधा के लिए भुगतान करना पड़ेगा। एंबुलेंस सेवा का लाभ उठाने के लिए एक मोबाइल नंबर भी जारी किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि एम्बुलेंस में बेसिक सपोर्ट सिस्टम के साथ साथ ऑक्सिजन सुविधा भी उपलब्ध रहेगी। जल्द ही हम इसमें वेंटिलेटर सुविधा भी उपलब्ध करवाएंगे।

गुरमीत सिंह ने बताया कि नोफल एक उम्मीद चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से पिछले काफी लंबे समय से समाजसेवा के अनेकानेक कार्य किए जाते आ रहे हैं। ट्रस्ट ने 400 से अधिक जरूरतमंद कन्याओं की शादी करवाई है। ट्रस्ट की ओर से 7 सरकारी स्कूल अडॉप्ट किए जा चुके हैं। जिसमे बच्चों की फीस, बुक्स और स्टेशनरी का बीड़ा ट्रस्ट उठाती है।महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में ट्रस्ट की ओर से महिलाओं को सिलाई मशीनें बांटी जा चुकी हैं।

कमल कौर भाभी मर्डर

इंस्टा इन्फ्लुएंसर मर्डर के तीन आरोपी गिरफ्तार, अश्लील वीडियो बने हत्या का कारण

अर्थ प्रकाश संवाददाता

बठिंडा, 13 जून। सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर कमल कौर भाभी की हत्या के तीन आरोपियों को पुलिस ने काबू कर लिया है। आरोपी सिख युवा हैं। आरोपियों ने अश्लील वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट करने को लेकर कमल कौर की हत्या की है। कमल कौर इंस्टाग्राम पर अक्सर विवादित और अश्लील रील बनाती थी। उसके इंस्टाग्राम पर 3.86 लाख फॉलोअर्स थे। अश्लील कंटेंट को लेकर 7 माह पहले आतंकी अर्श डल्ला ने कमल कौर को मारने की धमकी और निहंगों ने उसे सुधरने की चेतावनी दी थी।

सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर कंचन कुमारी उर्फ कमल कौर भाभी का शव बठिंडा में बुधवार देर शाम को चंडीगढ़ नेशनल हाईवे पर स्थित एक प्राइवेट अस्पताल की पार्किंग में खड़ी गाड़ी से मिला था। कंचन कुमारी का इंस्टाग्राम पर कमल कौर भाभी नाम से अकाउंट था।

कंचन कुमारी मूल रूप से लुधियाना की रहने वाली थी। पुलिस की शुरुआती जांच में हत्या का मामला सामने आया था। पुलिस विभाग के एसपी नरिंदर सिंह ने कहा कि सूचना मिलने के बाद जब हमारी टीम मौके पर पहुंची, तो कार की पिछली सीट पर एक लडकी का शव बरामद हुआ। जांच के दौरान उसकी पहचान कंचन कुमारी उर्फ कमल कौर के रूप में हुई। वह 9 तारीख को अपने घर से निकली थी और उसने अपनी मां को बताया था कि बठिंडा में उसका प्रमोशनल इवेंट है।

> **पिता की हो चुकी है मौत**
>
> जानकारी के अनुसार कमल कौर के पिता का निधन करीब डेढ़ साल पहले हो गया था। वह लुधियाना में अपनी मां के साथ रहती थी। भाई के साथ भी उसकी नहीं बनती थी। कमल कौर अक्सर फेसबुक और इंस्टाग्राम पर लाइव आकर अपने परिवार के सदस्यों को गालियां देती थी।
>
> **नौ जून को डाली थी अंतिम पोस्ट**
>
> कमल कौर ने 9 जून को इंस्टाग्राम पर अपनी आखिरी पोस्ट डाली थी। अपनी एक फोटो के साथ उसने लिखा था, नो लव, नो इमोशन... शक, शक, शक। इसके बाद वह पिछले तीन दिन से सोशल मीडिया पर नहीं आई। माना जा रहा है कि इसी दौरान उसकी हत्या कर दी गई।

सत्य पाल जैन ने पंजाब कला भवन में आधुनिक पालन-पोषण पर बच्चों के नाटक का उद्घाटन किया

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़ 13 जून। पूर्व सांसद और भारत के अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल सत्य पाल जैन ने शुक्रवार शाम पंजाब कला भवन, चंडीगढ़ में 'लाइक्स, लेज एंड लेबल्स' नामक एक विचारोत्तेजक और मनोरंजक बच्चों के नाटक का उद्घाटन किया।

अपने संबोधन में श्री सत्य पाल जैन ने इस पहल की सराहना की और कलात्मक अभिव्यक्ति के माध्यम से सार्थक संवाद को बढ़ावा देने के लिए आयोजकों को बधाई दी। उन्होंने कहा, ऐसे युवा दिमागों को नाटक के माध्यम से महत्वपूर्ण सामाजिक विषयों से जूझते देखना उत्साहजनक है। ये पहल कम उम्र में जागरूकता और संवेदनशीलता के बीज बोती हैं।

यह नाटक आर. जे. फोनिक्स द्वारा जनरेशन सेवियर एसोसिएशन के सहयोग से आयोजित समर कैंप के भव्य समापन को चिह्नित करता है, जो जेननेक्स्ट-एग्जिट एनसीडी इंटरवेंशन टूल को अपनाने और बढ़ावा देने के हिस्से के रूप में है - एक डब्ल्यूएचओ द्वारा डिजाइन किया गया मॉड्यूल जिसका उद्देश्य स्कूली बच्चों में गैर-संचारी रोग (एनसीडी) जोखिम कारकों को रोकना है। इस कार्यक्रम को वैभव पाराशर, अधिवक्ता, पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय, चंडीगढ़ से भी सक्रिय समर्थन मिला।

डिजिटल युग में आधुनिक पेरेंटिंग की थीम पर केंद्रित इस नाटक ने आज के बच्चों पर ऑनलाइन मान्यता, साथियों के प्रभाव और ब्रांड चेतना के प्रभाव को रचनात्मक रूप से प्रदर्शित किया।

इस कार्यक्रम को वास्तव में उल्लेखनीय बनाने वाली बात थी 3 से 8 वर्ष की आयु के बच्चों की उत्साही भागीदारी, जिन्होंने अपने आत्मविश्वास, मासूमियत और कल्पनाशील कहानी कहने से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। उनके प्रदर्शन ने आधुनिक समय के पेरेंटिंग और बचपन की जटिल वास्तविकताओं को एक ताजा नजरिए से पेश किया।

इस कार्यक्रम को माता-पिता, शिक्षकों, कानूनी दिग्गजों और नागरिक समाज के सदस्यों से दिल को छू लेने वाली प्रतिक्रिया मिली, जिनमें से सभी ने अनूठी अवधारणा और इसके द्वारा दिए गए शक्तिशाली संदेश की सराहना की। नाटक ने मनोरंजन और आत्मनिरीक्षण के बीच एक आदर्श संतुलन बनाया, जिसने वयस्कों को डिजिटल रूप से प्रभावित दुनिया में अगली पीढ़ी के पोषण में अपनी भूमिका पर विचार करने के लिए प्रेरित किया।

ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त करना राज्य सरकार का ध्येय: मुख्यमंत्री

सरकार ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था से जुड़े विभिन्न क्षेत्रों को मजबूत बनाने के लिए अनेक अभिनव पहल की

अर्थ प्रकाश संवाददाता

शिमला, 13 जून। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन तथा हिमाचल प्रदेश पशु एवं कृषि सखी संघ के एक प्रतिनिधिमंडल ने आज शिमला में मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू से भेंट कर, अपनी विभिन्न मांगों से अवगत करवाया। मुख्यमंत्री ने उनकी मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करने का आश्वासन दिया।

मुख्यमंत्री ने उनसे संवाद करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने के ध्येय से कार्य कर रही है। सरकार ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था से जुड़े विभिन्न क्षेत्रों को मजबूत बनाने के लिए अनेक अभिनव पहल की हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्राकृतिक खेती पद्धति के उत्पादों को विशेष

अधिमान दिया जा रहा है। प्रदेश के हिम ईरा व अन्य उत्पाद दूसरे प्रदेशों में बहुत लोकप्रिय हुए हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में पहली बार दूध, प्राकृतिक खेती से उगाए गेहूं, मक्की और हल्दी के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य दिया गया है। महिला स्वयं सहायता समूहों द्वारा तैयार किए गए उत्पादों की बिक्री के लिए ई-कॉमर्स 'हिम-ईरा' वेबसाइट शुरू की गई है। प्राकृतिक खेती कर रहे प्रदेश के एक लाख 58 हजार से अधिक किसानों को प्रमाणित किया गया है।

उन्होंने कहा कि प्राकृतिक तरीके से उगाई गई मक्की का न्यूनतम समर्थन मूल्य 30 रुपये से बढ़ाकर 40 रुपये और गेहूं का 40 रुपये से बढ़ाकर 60 रुपये प्रतिकिलो किया है, जिससे हमारे लाखों किसानों को आर्थिक लाभ मिल रहा है।

प्रदेश में पहली बार प्राकृतिक हल्दी का उत्पादन बढ़ाने के लिए सरकार कच्ची हल्दी 90 रुपये प्रतिकिलो की दर से खरीदने जा रही है, जिसे हिमाचली हल्दी के नाम से बढ़ावा दिया जाएगा।

मुख्यमंत्री से विभिन्न प्रतिनिधिमंडलों ने भेंट की

मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू से आज यहां कंडाघाट क्षेत्र के प्रतिनिधिमंडल, बीएड छात्रों के प्रतिनिधिमंडल, नगर निगम शिमला आजीविका भवन के प्रतिनिधिमंडल और एमबीबीएस व बीडीएस के इच्छुक छात्रों के प्रतिनिधिमंडल ने भेंट कर, उन्हें अपनी मांगों से अवगत करवाया। मुख्यमंत्री ने उनकी मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करने का आश्वासन दिया।

लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह 15 व 16 जून को मंडी दौरे पर रहेंगे, पराशर मेला के समापन समारोह में होंगे मुख्य अतिथि

अर्थ प्रकाश/गोविन्द ठाकुर

नेरचौक, 13 जून। लोक निर्माण एवं शहरी विकास मंत्री विक्रमादित्य सिंह 15 और 16 जून को को मंडी जिले के दौरे पर रहेंगे। विक्रमादित्य सिंह 15 जून को अपराह्न 3:30 बजे शिमला से मंडी के लिए प्रस्थान करेंगे। रात्रि ठहराव उनका मंडी में होगा। अगले दिन 16 जून को प्रातः 8:30 बजे मंडी से प्रस्थान कर 10:30 बजे पराशर पहुंचेंगे, जहां वे जिला स्तरीय सरनाहुली पराशर मेला के समापन समारोह की अध्यक्षता करेंगे। पराशर में आयोजित इस कार्यक्रम के दौरान विक्रमादित्य सिंह कटौला-बोदनधार-कुंदख-टिहरी-कालंग -पटोंस सड़क का उद्घाटन करेंगे। इसके अतिरिक्त वे कमांद-कटौला-बजौरा सड़क के निर्माण कार्य का शिलान्यास करेंगे तथा पंडोह-शिवाबदार सड़क पर ब्यास नदी के ऊपर प्रस्तावित 110 मीटर लंबे पुल के निर्माण कार्य की आधारशिला भी रखेंगे। कार्यक्रम के अंत में लोक निर्माण मंत्री जनसभा को संबोधित करेंगे उसी दिन दोपहर दो बजे रामपुर के लिए रवाना हो जाएंगे।

कुल्लू के भेखली सड़क में कार दुर्घटना ग्रस्त, दो की मौत, 3 गंभीर घायल

अर्थ प्रकाश/अशेष शर्मा

कुल्लू 13 जून। हिमाचल प्रदेश के जिला कुल्लू के कुल्लू-भेखली मार्ग पर एक कार दुर्घटनाग्रस्त हो गई है। यह घटना देर सायं 9 बजे के बाद घटी जब पांच युवक एक कार में भेखली से कुल्लू की तरफ आ रहे थे।

इस घटना में अभी तक दो युवकों की मौत हो चुकी है जबकि तीन गंभीर रूप से घायल है। तीनों घायलों को कुल्लू अस्पताल में भर्ती किया गया है। घायलों की स्थिति भी चिंता जनक है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार मरने बालों में 21 वर्षीय फगवाना गांव का बालकृष्ण,18 वर्षीय आशीष शर्मा उर्फ विशू शामिल है।

जबकि साहिल,हिमांशु व रिपन गांव धारा मणिकर्ण घाटी यह सभी युवक गंभीर रूप से घायल है। घायलों का उपचार क्षेत्रीय अस्पताल कुल्लू में चला हुआ है। पुलिस ने

आज दोनों मृतकों का पोस्टमार्टम कर शब परिजनों को सौंप दिए हैं।

फिन्ना सिंह सिंचाई परियोजना के लिए 55.51 करोड़ जारी: मुकेश अग्निहोत्री

अर्थ प्रकाश संवाददाता

शिमला, 13 जून। कांगड़ा ज़िला की बहु-प्रतीक्षित फिन्ना सिंह सिंचाई परियोजना के लिए केंद्र सरकार ने 55.51 करोड़ रुपये की धनराशि स्वीकृत और जारी कर दी है। यह स्वीकृति प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के अंतर्गत त्वरित सिंचाई लाभ कार्यक्रम (एआईबीपी) के तहत दी गई है।

यह स्वीकृति उप-मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री की केंद्रीय मंत्रियों और संबंधित विभागों के साथ निरंतर वार्ता का प्रतिफल है। सरकार के गठन के पश्चात उप-मुख्यमंत्री ने परियोजना के लंबित मामलों को प्राथमिकता दी और केंद्र के समक्ष मजबूत पक्ष रखा।

यह परियोजना पिछले एक दशक से अधर में लटकी हुई थी, लेकिन अब यह कांगड़ा जिले के किसानों के लिए आशा की नई

किरण बनकर सामने आई है। इस योजना के पूर्ण होने से हजारों हेक्टेयर भूमि को सिंचाई सुविधा मिलेगी, जिससे क्षेत्र की कृषि उत्पादकता में भारी वृद्धि होगी।

अग्निहोत्री ने कहा कि यह सवीकृति किसानों के भविष्य को संवारने की दिशा में एक बड़ा कदम है। हमारी सरकार हर किसान को पर्याप्त सिंचाई सुविधाएं प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

जून माह की भीषण गर्मी में उबलती झंडूत्ता तहसील व शाहतलाई नगरी

दिन में बाजारों में कर्फ्यू जैसा माहौल, एसडीएम झंडूत्ता अर्शिया शर्मा ने बढ़ते तापमान को देखते हुए लोगों को सावधानियां बरतने की दी सलाह!

अर्थ प्रकाश/अजय मल्होत्रा

शाहतलाई, 13 जून। जून माह की भीषण गर्मी में झंडूत्ता तहसील व शाहतलाई नगरी के सभी क्षेत्र उबल रहे हैं दिन के समय बाजारों में कर्फ्यू जैसा माहौल रहता है झंडुत्ता तहसील के एसडीएम अर्शिया शर्मा ने क्षेत्र में बढ़ते तापमान तथा आगामी दिनों में गर्म हवाएं लू चलने के आसार को देखते हुए लोगों को सावधानियां बरतने की सलाह दी है!

उन्होंने लोगों से आग्रह किया है कि गर्मी के प्रभाव से बचने के लिए जहां तक संभव हो कड़ी धूप में बाहर ना निकले और जब भी धूप में बाहर जाएं तो हल्के रंग के ढीले ढाले सूती कपड़े पहने धूप के चश्मे का इस्तेमाल करें अपने सिर को ढक कर रखें अधिक तापमान में भारी काम ना करें, जहां तक संभव हो कड़ी धूप में बाहरी कामों से बचें बिना

प्यास के भी पर्याप्त पानी पिए सफर के दौरान अपने साथ पीने का पानी अवश्य रखें उन्होंने कहा कि अपने घरों को ठंडा रखें पर्दे आदि का इस्तेमाल करें और रात के समय खिड़कियां खुली रखें दिल किडनी मिर्गी जिगर की बीमारी से पीड़ित व्यक्ति आहार का द्रवप्रति धारण की समस्या बढ़ने पर डॉक्टर से अवश्य सलाह लें, हल्का भोजन करें, अधिक पानी की मात्रा वाले फल खाएं जैसे तरबूज,खीरा, नींबू, संतरा आदि का सेवन करें तथा मांस मछली इत्यादि भारी चीजों का सेवन ना करें यह चीजें शारीरिक ताप को बढ़ाती है।

उन्होंने कहा कि शरीर में पानी की उचित मात्रा बनाए रखने के लिए ओ आर एस का प्रयोग करें घर के बने पेयजल लस्सी नींबू पानी चावल पानी नारियल पानी का नियमित सेवन करें बच्चों बीमार बुजुर्गों व अधिक वजन के लोग विशेष रूप से ध्यान रखें उन्हें अधिक गर्मी का शिकार होने की संभावना ज्यादा रहती है।

उन्होंने नियोक्ताओं से अपील की कि व श्रमिकों के लिए कार्य स्थल पर पर्याप्त ठंडा पीने का पानी उपलब्ध करवाएं कर्मचारियों को आराम करने के लिए छाया स्वच्छ पानी साथ आइस पैक के साथ प्राथमिक चिकित्सा किट प्रदान करें उच्च ताप वाले स्थान में श्रमिकों से हल्का व कम समय का काम ले,

गर्मी के इस मौसम में क्या नहीं करना चाहिए

एस डी एम झंडूत्ता अर्शिया शर्मा ने कहा कि दोपहर 12.00 से 3.00 के बीच धूप में बाहर जाने से बचें भारी काम ना करें नंगे पांव धूप में ना निकले शराब, चाय, कॉफी, और बनावटी पेयजल से बचें जो शरीर को निर्जलित करते हैं अधिक प्रोटीन मसालेदार अधिक तेल वाले व बासी भोजन का सेवन ना करें!

उन्होंने बताया कि यदि किसी व्यक्ति को लू लग जाए तो उसे छाया में लिटा दें कपड़े ढीले कर दें ठंडे पानी से नहाए नींबू पानी नमक चीनी का घोल पीने को दें जो कि शरीर में जल की मात्रा को बढ़ा सकें ज्यादा तबीयत खराब होने पर नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में ले जाएं !

सोलन पुलिस की बड़ी कार्रवाई, नशा तस्कर जितेंद्र भेजा जेल

अर्थ प्रकाश/यशपाल कपूर

सोलन,13 जून। जिला सोलन पुलिस ने नशा तस्करी के खिलाफ अपनी सख्त कार्रवाई को और तेज करते हुए एक और आदतन नशा तस्कर को जेल की सलाखों के पीछे पहुंचा दिया है। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए जितेंद्र कुमार निवासी गांव झाझयाना, तहसील अर्की, जिला सोलन, हिमाचल प्रदेश, को तीन महीने के लिए जेल भेजा है। यह कार्रवाई नशा तस्करी में बार-बार शामिल होने वाले अपराधियों पर नकेल कसने के लिए की गई है। पुलिस के अनुसार, जितेंद्र कुमार एक आदतन नशा तस्कर है, जिसके खिलाफ मादक पदार्थ अधिनियम के तहत तीन मामले पहले से दर्ज हैं। इनमें दो मामले शिमला के बालूगंज थाने और एक मामला अर्की थाने में दर्ज है। इन मामलों में 17 ग्राम चिट्टा/हेरोइन बरामद किया गया था। इसके बावजूद, जितेंद्र कुमार जमानत पर रिहा होने के बाद भी नशा तस्करी की गतिविधियों में सक्रिय रहा। जिला पुलिस की लगातार निगरानी और कार्रवाई के बावजूद वह बार-बार अपराध में लिप्त पाया गया। सोलन पुलिस ने नशा तस्करी पर अंकुश लगाने के लिए इस तरह की कार्रवाइयों को और प्रभावी बनाया है। जिला पुलिस ने हिमाचल प्रदेश सरकार को 15 आदतन नशा तस्करों के खिलाफ निवारक हिरासत के प्रस्ताव भेजे थे, जिनमें से चार अपराधियों को पहले ही जेल भेजा जा चुका है। जितेंद्र कुमार के साथ अब कुल पांच आदतन अपराधी इस अधिनियम के तहत जेल में हैं। पुलिस का कहना है कि इस तरह की कार्रवाइयां भविष्य में भी जारी रहेंगी, ताकि नशा तस्करी जैसे संगठित अपराधों को पूरी तरह रोका जा सके। यह कार्रवाई न केवल नशा तस्करों के लिए सख्त संदेश है, बल्कि समाज में नशे के बढ़ते प्रचलन को रोकने की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम है।

स्थानीय लोगों ने पुलिस की इस कार्रवाई की सराहना की है और उम्मीद जताई है कि ऐसी सख्ती से नशे का कारोबार करने वालों में डर पैदा होगा। सोलन पुलिस ने स्पष्ट किया कि नशा तस्करी के खिलाफ उनकी जीरो टॉलरेंस नीति जारी रहेगी और समाज को नशामुक्त बनाने के लिए हर संभव प्रयास किए जाएंगे।

बेटियों को नया संबल दे रहा सामर्थ्य कार्यक्रम

जिला प्रशासन ने आय सीमा और दिव्यांगता मानकों में किए महत्वपूर्ण बदलाव, मानकों में ढील से अधिक छात्राएं होंगी लाभान्वित

अर्थ प्रकाश संवाददाता

ऊना, 13 जून। जिला प्रशासन ऊना द्वारा संचालित सामर्थ्य कार्यक्रम गरीब और जरूरतमंद बेटियों की शिक्षा, स्वास्थ्य और आत्मनिर्भरता का एक सशक्त माध्यम बनकर उभरा है। उपायुक्त ऊना जतिन लाल की नवाचारी सोच से प्रारंभ इस जनहितकारी कार्यक्रम में हाल ही में दो अहम संशोधन किए गए हैं, जिनके माध्यम से योजना को और अधिक समावेशी व व्यावहारिक बनाया गया है।

जिला प्रशासन ने अब इस योजना का लाभ लेने के लिए पात्र परिवारों की वार्षिक आय सीमा 60 हजार से बढ़ाकर

80 हजार कर दी है। साथ ही, दिव्यांगता की पात्रता को लेकर भी संशोधन किया गया है। पहले जहां छात्रा के पिता के 60 प्रतिशत या अधिक दिव्यांग होने पर सहायता प्राप्त की जा सकती थी, अब यह सीमा घटाकर 40 प्रतिशत कर दी गई है, बशर्ते दिव्यांगता प्रमाण-पत्र कम से कम एक वर्ष पुराना हो। उपायुक्त जतिन लाल ने बताया कि सामर्थ्य कार्यक्रम को और अधिक व्यावहारिक व प्रभावी बनाने के उद्देश्य से पात्रता मापदंडों में यह संशोधन किया गया है, ताकि कोई भी बेटी सिर्फ आर्थिक कठिनाई के कारण अपने सपनों से वंचित न रह जाए। सामर्थ्य कार्यक्रम के तहत मदद के लिए उपायुक्त कार्यालय के कक्ष संख्या 413 में संपर्क कर आवेदन किया जा सकता है।

'सामर्थ्य' उपायुक्त ऊना जतिन लाल की परिकल्पना से जन्मा एक नवाचारी कार्यक्रम है, जिसे प्रशासन द्वारा जिला रेड क्रॉस सोसायटी के माध्यम से औद्योगिक इकाइयों के सहयोग से कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के अंतर्गत संचालित किया जा रहा है।

सामर्थ्य में ये हैं प्रमुख सुविधाएं और सहायता

इस कार्यक्रम के अंतर्गत ऊना जिले की उन छात्राओं को आर्थिक सहायता दी जाती है, जिनके पिता जीवित नहीं हैं या जो शारीरिक रूप से अक्षम (पूर्व में 60 प्रतिशत, अब 40 प्रतिशत) हैं। पात्र छात्राओं को उच्च शिक्षा, प्रतियोगी परीक्षाओं की कोचिंग, मेडिकल शिक्षा और व्यावसायिक प्रशिक्षण के लिए 25 हजार से लेकर 2 लाख रुपये तक की सहायता दी जाती है। इसमें 12वीं के बाद किसी भी डिग्री, डिप्लोमा या अन्य कोई व्यवसायिक कोर्स के लिए आर्थिक मदद के अलावा यूपीएससी, नीट, आर्मी जैसी परीक्षाओं की कोचिंग के लिए भी वित्तीय सहयोग प्रदान किया जाता है। इस कार्यक्रम में महिला सशक्तिकरण की दृष्टि से महिलाओं के लिए सिलाई, डिजिटल लिटरेसी, स्वयं सहायता समूह, महिला उद्यमिता को प्रोत्साहन देने का भी प्रावधन किया गया है। वहीं समाज जागरूक करने के मकसद से स्वास्थ्य शिविर, रक्तदान अभियान और नशा मुक्ति अभियान भी इस कार्यक्रम के अंतर्गत चलाए जा रहे हैं।

अब तक 26 बेटियों को मिला लाभ

जिला रेडक्रॉस सोसायटी ऊना के सचिव एवं सीपीओ संजय संख्यान ने बताया कि अब तक सामर्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत जिले की 26 छात्राओं को उच्च शिक्षा, कोचिंग इत्यादि के लिए आर्थिक सहायता प्रदान की जा चुकी है। संशोधित पात्रता मानकों के बाद यह संख्या आगामी महीनों में और तेजी से बढ़ने की उम्मीद है।

शाह तलाई में अनजान व्यक्ति मृत अवस्था में मिला

शाह तलाई, 13 जून (अप्रस)। शुक्रवार को नगर पंचायत शाह तलाई के वार्ड नंबर 4 नजदीक चरण गंगा के पास एक ना मालूम व्यक्ति मृत अवस्था में पाया गया है शाह तलाई पुलिस द्वारा मिली जानकारी के अनुसार उस मृत व्यक्ति के शव को पोस्टमार्टम के लिए बिलासपुर भेज दिया गया है!

उसकी पहचान हेतु 72 घंटे के लिए उसे बिलासपुर में रखा जाएगा!

राज्यस्तरीय शूलिनी मेले से पहले पुलिस का सघन सत्यापन अभियान

पुलिस कर चुकी अब तक 328 प्रवासी श्रमिकों की जांच

अर्थ प्रकाश/यशपाल कपूर

सोलन, 13 जून। शहर में समर फेस्टिवल और शूलिनी मेले के दौरान बाहरी राज्यों से लोगों के बढ़ते आवागमन को देखते हुए जिला सोलन पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए प्रवासी श्रमिकों के सत्यापन का अभियान युद्ध स्तर पर शुरू किया है। इस अभियान के तहत पुलिस ने मई से अब तक 328 प्रवासी श्रमिकों का सत्यापन किया है, ताकि शहर में सुरक्षा सुनिश्चित की जा सकें।

पुलिस के अनुसार, सत्यापित श्रमिकों के स्ट्रेंजर रोल तैयार कर संबंधित थानों को भेजे गए हैं। इस दौरान 20 से अधिक ऐसे लोग पाए गए, जिनके पास पहचान से संबंधित कोई वैध दस्तावेज नहीं था। इन लोगों के फोटोग्राफ और अन्य औपचारिकताएं पूरी करने के बाद उन्हें जिला से बाहर भेज दिया गया। पुलिस ने स्पष्ट किया कि जिला में प्रवेश केवल वैध पहचान पत्रों के आधार पर ही दिया जा रहा है। यह अभियान मेले और फेस्टिवल के दौरान भी लगातार जारी रहेगा।

जिला पुलिस का यह कदम शहर में बढ़ती भीड़ के

बीच अपराधों पर अंकुश लगाने और संदिग्ध गतिविधियों को रोकने के लिए महत्वपूर्ण है। स्थानीय लोगों ने पुलिस की इस पहल की सराहना की है। पुलिस ने नागरिकों से भी अपील की है कि वे संदिग्ध व्यक्तियों की जानकारी तुरंत पुलिस को दें। इस अभियान से न केवल सुरक्षा व्यवस्था मजबूत होगी, बल्कि सोलन में मेले का उत्साह भी सुरक्षित माहौल में मनाया जा सकेगा।

मंडी जिला की महिलाओं को दी फलों और सब्जियों के प्रसंस्करण और मूल्य संवर्धन की जानकारी

नौणी यूनिवर्सिटी में 27 महिलाओं ने लिया प्रशिक्षण

अर्थ प्रकाश/यशपाल कपूर

सोलन, 13 जून। विकसित कृषि संकल्प अभियान-2025 के तहत डॉ. यशवंत सिंह परमार यूनिवर्सिटी नौणी के खाद्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग ने अंबुजा फाउंडेशन के सहयोग से मंडी जिला की महिलाओं के लिए दो दिवसीय 'फलों और सब्जियों के प्रसंस्करण और मूल्य संवर्धन' पर व्यावहारिक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। इसमें मंडी जिला की 27 महिला प्रशिक्षुओं ने भाग लिया,ये कार्यक्रम नाबार्ड द्वारा प्रायोजित किया गया था।

कार्यक्रम समन्वयक डॉ. राकेश शर्मा और सह-समन्वय डॉ. अनिल वर्मा और डॉ. अभिमन्यु ठाकुर की देखरेख में प्रशिक्षण कार्यक्रम चला। कार्यक्रम में विभिन्न संकाय सदस्यों द्वारा इंटरैक्टिव सत्र और व्यावहारिक

प्रदर्शन शामिल थे, जिनका उद्देश्य प्रशिक्षुओं के तकनीकी कौशल को बढ़ाना था। प्रशिक्षण में जूस और पल्प निकालना, फलों पर आधारित पेय पदार्थ, फ्रूट बार (पापड़), ऑस्मोटिकली सूखे उत्पाद, फ्रूट जैम, चटनी, अचार, टमाटर सॉस और कैचप तैयार करने का व्यवहारिक प्रशिक्षण दिया गया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन अवसर पर मुख्यातिथि खाद्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. राकेश शर्मा ने किया। इसमें फल प्रसंस्करण इकाइयों की स्थापना, लाइसेंसिंग, खाद्य सुरक्षा और गुणवत्ता मानकों पर विस्तार से प्रकाश डाला। साथ ही प्रतिभागियों से फीडबैक भी ली गई।

वैज्ञानिक नवाचारों से ही विकसित होगा भारत: आशीष कोहली

5 नन्हें वैज्ञानिकों का चयन राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए

अर्थ प्रकाश/यशपाल कपूर

सोलन, 13 जून। हिमाचल प्रदेश के स्कूल शिक्षा निदेशक आशीष कोहली ने कहा कि वैज्ञानिक नवाचारों से भारत देश 2047 तक विकसित देशों की श्रेणी में आएगा। उन्होंने कहा कि विकसित देश वैज्ञानिक नवाचारों से ही विकसित हुए हैं।

विकसित देशों की तुलना में विकासशील देशों में साइंस इनोवेशन में पीछे है। कोहली यहां की शूलिनी यूनिवर्सिटी के टाटा हॉल में एससीईआरटी सोलन की ओर से आयोजित 12वीं राज्यस्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी एवं प्रोजेक्ट कंपीटीशन के समापन अवसर पर बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे।

उन्होंने कहा कि यदि हमारा युवा वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा देगा

तो हमारा प्रदेश व देश सफलता की नई ऊंचाईयों को छुएगा। इस विज्ञान प्रदर्शनी में लड़कियों की भागीदारी पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि आज लड़कियां हर क्षेत्र में पुरूष के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है।

उन्होंने कहा कि जेएंडके में चिनाब नदी पर बने सबसे ऊंचे पुल को भी एक महिला ने ही डिजाइन किया है। उन्होंने कहा कि जापान के सकूरा प्रोग्राम के लिए हिमाचल प्रदेश के ऊना की लडकी साक्षी भारद्वाज का चयन हुआ है,जो हम सभी के लिए गर्व की बात है।

12वीं राज्यस्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी एवं प्रोजेक्ट कंपीटीशन का शुभारंभ एससीईआरटी सोलन की प्रिंसिपल प्रो. रजनी सांख्यान ने किया। उन्होंने कहा कि इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी 37 प्रतिभागियों को बधाई दी।

ये रहे मौजूद...

इस मौके पर एससीईआरटी सोलन की प्रिंसिपल प्रो. रजनी सांख्यान, इंसाप्यर मानक स्कीम की स्टेट नोडल ऑफिसर प्रो. रंजना शर्मा, इंस्पायर सेल के डॉ. रामगोपाल शर्मा, मंगेश ठाकुर, दिव्या शर्मा, राखी नेगी, संजीव गुप्ता, मोनिका, वंदना,हितेश, गौरव जोशी,रवि कुमार व समर ठाकुर समेत अन्य मौजूद रहे।

पांच नन्हे वैज्ञानिकों का राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए चयन

इंस्पायर अवार्ड मानक स्कीम की स्टेट नोडल ऑफिसर प्रो. रंजना ने बताया कि इस मौके पर निर्णायक ने पांच मॉडल का चयन राष्ट्रीय विज्ञान प्रदर्शनी एवं प्रोजेक्ट कंपीटीशन के लिए किया गया है। प्रतियोगिता में प्रदेशभर के 37 नन्हें वैज्ञानिकों ने भाग लिया। इन बाल वैज्ञानिकों में से 5 बाल वैज्ञानिकों का चयन राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए किया गया। इनमें जिला हमीरपुर की रावमापा डिडवीं के वंश कुमार (एडजस्टेबल फोल्डिंग फ्लैग), जिला कांगड़ा की रावमापा धाटी की श्रुति पंडित (स्मार्ट पेस्टिसाइड स्प्रेयर रोबोट), जिला सोलन की रावमापा कनाह के उमेश (रिमोडिफिकेशन आफ फ्लश बॉक्स), जिला ऊना की रावमापा घनारी के वंश कुमार (सेफ हैंड मशीन कटिंग वुड) और जिला ऊना के रॉकफोर्ड पब्लिक स्कूल ऊना की एकमजोत कौर (मल्टी टास्क मशीन) शामिल हैं।

वृद्धाश्रम में बुजुर्गों को रात में नहीं मिलती सुविधा, फैसिलिटेटर देने की मांग

सीजीएम ने बुर्जों की समस्याओं को अधिकारियों के ध्यान में लाने का दिया आश्वासन

रेड क्रॉस सोसायटी के वृद्धाश्रम में विश्व बुजुर्ग दुर्व्यवहार जागरूकता दिवस मनाया गया

अर्थ प्रकाश संवाददाता

पंचकूला। सेक्टर-15, पंचकूला स्थित रेड क्रॉस सोसायटी द्वारा संचालित वृद्धाश्रम में बुजुर्गों को रात के समय पेश आने वाली समस्याओं का शीघ्र समाधान होने की उम्मीद है। विश्व बुजुर्ग दुर्व्यवहार जागरूकता दिवस के अवसर पर शुक्रवार को मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट-सह-सचिव, डीएलएसए, पंचकूला अपर्णा भारद्वाज ने बुजुर्गों को रात के समय फैसिलिटेटर तैनात किए जाने के संबंध में अधिकारियों के ध्यान में लाने का आश्वासन दिलाया।

यह जागरूकता सूर्य प्रताप सिंह, उप-सदस्य सचिव, हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (एचएएलएसए) के निर्देशों और वेद प्रकाश सिरोही, उप-जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (डीएलएसए), पंचकूला के कुशल मार्गदर्शन में आयोजित किया गया।

अपर्णा भारद्वाज ने व्यक्तिगत रूप से शिविर में भाग लिया और बुजुर्ग निवासियों को संबोधित किया। उनके साथ पैनल अधिवक्ता कुशल चंद और पीएलवी वीना रानी भी थीं, जिन्होंने वरिष्ठ नागरिकों को उनके कानूनी अधिकारों और हकों के बारे में जागरूक करने में मदद की। बातचीत के दौरान, निवासियों ने सहायता के अभाव में आने वाली चुनौतियों के कारण रात के समय एक परिचर (फैसिलिटेटर) की आवश्यकता व्यक्त की। अपर्णा भारद्वाज ने उन्हें आश्वासन दिया कि यह मामला संबंधित अधिकारियों के ध्यान में लाया जाएगा। उन्होंने चिकित्सा सुविधाओं के बारे में भी पूछताछ की और उन्हें बताया गया कि वरिष्ठ नागरिकों के पास सरकारी अस्पताल, सेक्टर -6, पंचकूला में स्वास्थ्य कार्ड बने हुए हैं। बुजुर्गों के लिए बेहतर स्वास्थ्य सेवा सहायता सुनिश्चित करने के लिए डॉक्टरों और फिजियोथेरेपिस्ट की उपलब्धता पर चर्चा की।

कालका से बुजुर्ग को सुरक्षित बचाया गया: शिविर का एक महत्वपूर्ण आकर्षण अपर्णा भारद्वाज की एक बुजुर्ग व्यक्ति से मुलाकात थी, जिसे कालका से बचाया गया था और वृद्धाश्रम में भर्ती कराया गया था। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, पंचकूला, उप-मंडल विधिक सेवा समिति, कालका और रेड क्रॉस सोसाइटी के समन्वय के समय पर हस्तक्षेप और प्रयासों के कारण उनका सफल पुनर्वास संभव हो सका। यह घटना इस बात का उदाहरण है कि कैसे समय पर कानूनी और प्रशासनिक कार्रवाई, एक दयालु मानसिकता द्वारा समर्थित, जरूरतमंद लोगों के जीवन में सार्थक बदलाव ला सकती है।

बुजुर्गों को बताए गए कानूनी अधिकार: कार्यक्रम के दौरान, वरिष्ठ नागरिकों को नालसा (वरिष्ठ नागरिकों को कानूनी सेवाएं) योजना, 2016 के तहत उनके अधिकारों से अवगत कराया गया। उन्हें पैनल अधिवक्ताओं के माध्यम से याचिका दायर करने और अदालती मामलों में सहायता सहित मुफ्त कानूनी सहायता की उपलब्धता के बारे में भी बताया गया। आगे की सहायता के लिए टोल-फ्री नालसा हेल्पलाइन नंबर 15100 और डीएलएसए हेल्पलाइन नंबर 0172-2585566 साझा किए गए। सुश्री अपर्णा भारद्वाज ने वृद्धाश्रम के प्रत्येक निवासी से व्यक्तिगत रूप से बातचीत की, उनकी चिंताओं को धैर्यपूर्वक सुना और उचित मार्गदर्शन प्रदान किया।

योजनाओं का लाभ सही व पात्र व्यक्ति तक पहुंचाना मुख्य उद्देश्य : वरुण चौधरी

विमान हादसे के मृतकों को दो मिनट का मौन रखकर दी गई श्रद्धांजलि

जिला विकास समन्वय एवं निगरानी कमेटी की बैठक में 92 विषयों पर की चर्चा

अर्थ प्रकाश संवाददाता

पंचकूला, 13 जून। अंबाला लोकसभा क्षेत्र के सांसद वरुण चौधरी ने शुक्रवार को जिला विकास समन्वय एवं निगरानी कमेटी की बैठक में 92 योजनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई और अधिकारियों से फीडबैक लिया व उन्हें आवश्यक दिशा निर्देश दिए। जिला दिशा कमेटी की सह-अध्यक्ष व राज्य सभा सांसद श्रीमती रेखा शर्मा के साथ कालका की विधायक श्रीमती शक्ति रानी शर्मा भी मौजूद रही। बैठक में नगर निगम मेयर कुलभूषण गोयल, जिला बीजेपी अध्यक्ष अजय मित्तल, जिला परिषद चेयरमैन सुनील, नगर परिषद कालका चेयरमैन कृष्ण लाम्बा, एडीसी निशा यादव, नगर निगम कमिश्नर अपराजिता, एसडीएम चंद्रकांत कटारिया, जिला परिषद सीईओ गगनदीप सिंह, सिविल सर्जन डा. मुक्ता कुमार बैठक की शुरुआत से पूर्व गुजरात विमान हादसे के मृतकों को दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी गई। वरुण चौधरी ने कहा कि केंद्र सरकार की योजनाओं का लाभ सही व पात्र व्यक्ति तक पहुंचाना मुख्य उद्देश्य है। संबंधित अधिकारी तय समय सीमा में कार्य को पूरा करें, जिससे कि जिला की जनता को कल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिल सके। इस दौरान एक सरफेस पार्किंग को लेकर 2 करोड़ रुपए के बजट पर एक्सइन से जवाब तलब किया। उन्होंने कहा कि यह बजट 16 लाख रुपए से 2 करोड़ कैसे हुआ। उपायुक्त मोनिका गुप्ता ने इस संबंध में अधिकारी से कल तक रिपोर्ट पेश करने के निर्देश दिए। बैठक में सर्व शिक्षा अभियान के दौरान स्किल ट्रेनिंग पर भी सांसद ने अधिकारी से जवाब तलब किया। अधिकारी का कहना था कि 47 युवाओं को स्किल ट्रेनिंग दी गई, जिनमें से 14 युवाओं को रोजगार मिल चुका है। उन्होंने कहा कि अब तक 1 लाख युवाओं को स्किल ट्रेनिंग दी जा चुकी है। सांसद ने संबंधित अधिकारी को पंच, सरपंच, जिला परिषद के सदस्य को ट्रेनिंग करवाने के निर्देश ताकि ट्रेनिंग करके अन्य लोगों को जागरूक कर सके। उन्होंने जिला में प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र के बारे में विस्तार से संबंधित अधिकारी से फीडबैक लिया और जिले में और ज्यादा जन औषधि स्टोर का टारगेट पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने जिला की जनता से भी अपील की कि जन औषधि केंद्र से दवा खरीद कर 20 प्रतिशत से 90 प्रतिशत तक धन की बचत करें। उन्होंने बताया कि इन जन औषधि केंद्र खोलने का केंद्र सरकार की मंशा जनता को महंगी दवाइयां सस्ते दामों पर उपलब्ध कराकर लाभ पहुंचाना है।

सांसद वरुण चौधरी ने कहा कि सरकार की योजनाओं की जानकारी पंचकूला जिले की आधिकारिक वेबसाइट पर अपलोड करें ताकि लोगों को योजनाओं की जानकारी हो और वे उससे लाभ उठा सके। वरुण चौधरी ने जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के कार्यकारी अभियंता समीर शर्मा को निर्देश दिए कि गर्मी के मौसम को ध्यान में रखते हुए जिस क्षेत्र में पेयजल की समस्या संज्ञान में आती हैं, उसे प्राथमिकता के आधार पर दूर किया जाए।

सभी सर्विस की रेट लिस्ट चस्पा की जाए

वरुण चौधरी ने कहा कि ऑनलाइन सुविधाओं को आमजन तक पहुंचाने के लिए खोले गए कॉमन सर्विस सेंटरों (सीएचसी) पर सभी सर्विस की रेट लिस्ट चस्पा की जाए। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक स्थलों पर बने हुए शौचालयों के रखरखाव और नये निर्माण का कार्य भी जल्द किया जाए, ताकि लोगों को सुविधाएं मुहैया हो सके। उन्होंने कहा कि नगर निगम द्वारा स्वच्छ पेयजल, शौचालय, आवास, स्वच्छता अभियान का सफल क्रियान्वयन करने के लिए सर्व करवाया जा रहा है।

भगौड़ों पर पंचकूला पुलिस का शिकंजा महीनों में 119 उद्घोषित अपराधी दबोचे

चेक बाउंस, चोरी, धोखाधड़ी और अन्य आपराधिक मामलों में पुलिस ने चलाया विशेष अभियान

अर्थ प्रकाश संवाददाता

पंचकूला। पंचकूला पुलिस कमिश्नर शिवास कविराज के नेतृत्व में और डीसीपी क्राइम अमित दहिया की सख्त निगरानी में चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत जिला पुलिस ने अपराध के खिलाफ मुहिम एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की है। डीसीपी क्राइम अमित दहिया ने बताया क उद्घोषित अपराधियों और फरार आरोपियों के खिलाफ चलाए जा रहे इस विशेष अभियान के तहत पिछले पांच महीनों में 119 उद्घोषित अपराधियों को गिरफ्तार किया गया है, यानी औसतन हर महीने 24 भगौड़े अपराधियों को गिरफ्तार करके न्यायलय के कटघरे में लाया गया है। इस कार्रवाई का मुख्य उद्देश्य न्याय प्रणाली को सक्रिय बनाए रखते हुए अपराधियों को कानून के दायरे में लाकर उन्हें सजा दिलवाना और अपराध पर पूर्ण रूप से शिकंजा कसना है। ये सभी आरोपी ऐसे थे जो बार-बार कोर्ट और पुलिस की नोटिस के बावजूद न्यायालय में कार्रवाई में शामिल नहीं हुए और अदालत द्वारा भगोड़ा घोषित कर दिए गए थे। इन पर चेक बाउंस, चोरी, धोखाधड़ी और अन्य आपराधिक मामलों में गंभीर धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज थीं। इनमें से कई अपराधियों पर एक से अधिक केस दर्ज थे और कुछ जमानत पर रिहा होकर फरार हो चुके थे।

डीसीपी क्राइम अमित दहिया ने बताया कि यह अभियान पुलिस की दृढ़ इच्छाशक्ति, तेज कार्रवाई और प्रतिबद्धता का परिणाम है। ऐसे अपराधी जो कानून से बचने के लिए लगातार ठिकाने बदलते रहते हैं लेकिन पी.ओ स्टाफ ने न सिर्फ उनकी पहचान की, बल्कि योजनाबद्ध तरीके से कार्रवाई कर उन्हें गिरफ़्तार भी किया। पी.ओ. स्टाफ की टीम ने इंस्पेक्टर इन्चार्ज पी.ओं स्टाफ मुनीष कुमार के नेतृत्व में दो दिन के भीतर 5 उद्घोषित अपराधियों को गिरफ्तार किया और माननीय अदालत में पेश करने में सफलता हासिल की है।

डीसीपी क्राइम ने बताया कि अक्सर अपराधी अदालत से जमानत पर छूटने के बाद बार-बार कोर्ट द्वारा समन भेजे जाने के बावजूद हाजिर नहीं होते, और ऐसे में अदालत उन्हें उद्घोषित अपराधी करार कर देती है। पी.ओ. स्टाफ की टीम ने लगातार दबिशें देकर इन फरार अपराधियों को काबू किया है, जो पुलिस की सतर्कता और दृढ़ता का परिणाम है।

उन्होंने आम जनता से भी अपील की कि यदि किसी को किसी उद्घोषित या फरार अपराधी की जानकारी हो तो वह तुरंत पुलिस को सूचित करें। पुलिस की ओर से उनकी पहचान गुप्त रखी जाएगी। डीसीपी क्राइम ने यह भी स्पष्ट किया कि अपराध के विरुद्ध यह मुहिम केवल शुरुआत है – पंचकूला पुलिस अपराध और अपराधियों के खिलाफ अपनी कार्रवाई को और तेज करेगी, ताकि जिले में कानून व्यवस्था और अधिक सशक्त और सुरक्षित बन सके।

गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी का विमान हादसे में निधन पर जताया शोक

अर्थ प्रकाश/जे के बत्ता

न्यू- चंडीगढ़। गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री एवं भाजपा पंजाब के प्रभारी श्री विजय रूपाणी का कल एक भीषण विमान हादसे में निधन हो गया। यह दुखद हादसा गुरुवार (12 जून, 2025) को दोपहर लगभग 1÷40 बजे उस समय हुआ जब वह अहमदाबाद से लंदन के लिए एयर इंडिया के बोइंग 787 विमान से रवाना हुए। टेक-ऑफ के कुछ ही क्षणों बाद तकनीकी खराबी के चलते विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें 241 यात्रियों की जान चली गई। भाजपा पंजाब के लीगल सेल के संयोजक श्री एन. के. वर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि ÷श्री रूपाणी जी लंदन में रहने वाली अपनी बेटी से मिलने जा रहे थे। यह यात्रा पहले से निर्धारित थी, लेकिन उन्होने लुधियाना वेस्ट उपचुनाव की संगठनात्मक जिम्मेदारियों को प्राथमिकता देते हुए उन्होंने पहले अपनी पत्नी को भेजा और स्वयं चुनाव अभियान में जुटे रहे। बाद में उन्होंने अपनी उड़ान पुनः निर्धारित की, जो दुर्भाग्यवश उनकी अंतिम यात्रा बन गई।÷ श्री वर्मा ने कहा कि जब से श्री रूपाणी जी ने पंजाब की ज़िम्मेदारी संभाली, तब से संगठन में नई ऊर्जा और स्पष्ट दिशा का संचार हुआ। ÷उनका व्यवहार अत्यंत सौम्य, नीति आधारित और प्रेरणादायक था। उन्होंने पंजाब भाजपा को सशक्त आधार देने में अहम भूमिका निभाई। उनके नेतृत्व में भाजपा पार्टी ने जमीनी पकड़ मजबूत की है । उनका संसार से जाना न केवल पंजाब भाजपा के लिए, बल्कि पूरे राष्ट्र के लिए अपूरणीय क्षति है।÷ भाजपा कार्यालय में आज एक विशेष शोकसभा का आयोजन किया गया, जिसमें भाजपा के वरिष्ठ राष्ट्रीय व प्रदेश नेताओं ने भाग लिया। इस अवसर पर भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री सौदान सिंह, राष्ट्रीय सचिव एवं विधायक श्री नरेंद्र सिंह रैना, पूर्व मंत्री श्री मनोरंजन कलिया, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष श्री अविनाश शर्मा, केंद्रीय मंत्री श्री श्रीनिवासुलु, श्री केवल सिंह ढिल्लो, श्री राजेश राठौर, श्री सुभाष शर्मा, श्री के. डी. भंडारी सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

एसडी कॉलेज में सत्र 2025–26 के लिए दाखिले की प्रक्रिया शुरू, यूजी कोर्सों में 28 जून तक करें आवेदन

अर्थ प्रकाश/साजन शर्मा

चंडीगढ़। उत्तर भारत के प्रमुख मल्टी फैकल्टी को-एजुकेशनल संस्थानों में से एक, सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज में अंडर ग्रेजुएट, पोस्ट ग्रेजुएट, वोकेशनल, डिप्लोमा और सर्टिफिकेट कोर्सों में दाखिले की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। अंडर ग्रेजुएट कोर्सों में दाखिला लेने के लिए 28 जून तक आवेदन किया जा सकता है। बीकॉम, बीबीए और बीसीए के पहले वर्ष में दाखिला डॉयरेक्टर हायर एजुकेशन (डीएचई), चंडीगढ़ की सेंट्रलाइज्ड प्रवेश प्रक्रिया के माध्यम से होगा। एडमिशन शेड्यूल के तहत 1 जुलाई को शाम 5 बजे तक आवेदन करने वाले सभी छात्रों की लिस्ट डिसप्ले होगी। आवेदकों द्वारा विसंगतियों की रिपोर्ट स्पिक को dhechd-helpline@gmail.com के माध्यम से 3 जुलाई को शाम 5 बजे तक की जा सकती है।

शेड्यूल के मुताबिक सभी योग्य आवेदकों की प्रोविजनल लिस्ट 7 जुलाई को शाम 5 बजे तक जारी की जाएगी और 9 जुलाई को दोपहर 2 बजे तक जिन आवेदकों को कॉलेज अलॉट किया गया है उनकी प्रोविजनल लिस्ट डिसप्ले की जाएगी। वहीं, बीए, बीएससी, बी.वोक जैसे नॉन सेंट्रलाइज्ड कोर्सों के पहले वर्ष में दाखिला लेने को इच्छुक छात्र सीधे कॉलेज की वेबसाइट www.ggdsd.ac.in के माध्यम से 28 जून तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

जीजीडीएसडी कॉलेज अकादमिक उत्कृष्टता, नवाचार और समावेशी विकास के एक प्रतिष्ठित केंद्र के रूप में खड़ा है। कॉलेज पंजाब यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़ से संबद्ध है। वर्ष 1973 में स्थापित, कॉलेज ने पारंपरिक मूल्यों को भविष्य के लिए तैयार वैश्विक दृष्टिकोण के साथ मिलाकर शिक्षा में लगातार मानक स्थापित किए हैं कॉलेज को नेशनल असेसमेंट एंड एक्रीडिटेशन काउंसिल (नैक) द्वारा अपने चौथे चक्र में ए+ ग्रेड के साथ पुनः मान्यता दी गई है तथा नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) में 70वीं रैंक प्राप्त की है, जो शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रदान की गई मान्यता है।

शिवसेना चंडीगढ़ ने विमान दुर्घटना पर व्यक्त की संवेदना

चंडीगढ़ (अप्रस)। विमान दुर्घटना की दुखद घटना से हम अत्यंत मर्माहत हैं। इस हादसे में जिन लोगों ने अपनी जान गंवाई, उनके परिवारों के प्रति शिवसेना चंडीगढ़ और मेरी व्यक्तिगत संवेदनाएँ हैं। मैं, वसीम पहलवान, अध्यक्ष शिवसेना चंडीगढ़, इस दुखद क्षण में दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना करता हूँ और घायल व्यक्तियों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूँ। यह दुर्घटना न केवल प्रभावित परिवारों के लिए बल्कि पूरे देश के लिए एक गहरा आघात है। हम सरकार से अपील करते हैं कि दुर्घटना की निष्पक्ष और गहन जांच की जाए ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं से बचा जा सके। शिवसेना परिवार इस संकट की घड़ी में शोक संतप्त परिवारों के साथ खड़ा है।

विश्वास फाउंडेशन ने जों के सत्तू की छबील लगाई

अर्थ प्रकाश संवाददाता

पंचकूला। उत्तर भारत में पड़ रही गर्मी से लोग बेहाल है। ऐसे में विश्वास फाउंडेशन ने गुरुदेव श्री स्वामी विश्वास जी के आशीर्वाद से गर्मी से जूझ रहे हजारों राहगीरों व लोगों को राहत देने के लिए पंचकूला सेक्टर 16 के लेबर चौक पर जों के सत्तू की छबील लगाई। छबील सुबह 11 बजे शुरू होकर दोपहर बाद 2÷30 बजे तक चली। विश्वास फाउंडेशन की अध्यक्ष साध्वी नीलिमा विश्वास ने बताया कि बढ़ती गर्मी और प्राकृतिक असंतुलन के चलते हालात चिंताजनक हो गए है। इन हालातों में रंग- केमिकलों से बने शरबतों द्वारा शारीरिक गर्मी को दूर करना अत्यंत कठिन है, इसी विचार को लेते हुए साध्वी जी ने आयुर्वेदिक ऋषियों द्वारा बताए गए अत्यंत गुणकारी जों के सत्तू से बनी छबील को जनता के लिए सर्वसाधारण में वितरित करवाया। जौ के सत्तू में भरपूर मात्रा में फाइबर, बी-कॉम्प्लेक्स विटामिन, आयरन, मैग्नीशियम और फास्फोरस जैसे पोषक तत्व होते हैं। यह पाचन को बेहतर बनाने, ब्लड शुगर को नियंत्रित करने, यूरिक एसिड को कम करने और शरीर को ठंडा रखने में मदद करता है व किडनी संबंधित रोग, पित्त विकार, लू लगना, गर्मी के कारण होने वाले सभी रोग, समस्त प्रकार के खून संबंधित विकारों को जों का सत्तू आयुर्वेद के अनुसार हर लेता है। इस पुण्य सेवा के अवसर पर विश्वास फाउंडेशन के अनुयायियों ने बढ़ चढ़ के सेवा की।

ईमेल आईडी के जरिए कंपनी का डाटा लीक

मालिक ने कंपनी के पूर्व जीएम पर डाटा बेचने के आरोप

साइबर थाना पुलिस ने केस दर्ज कर मामले में पड़ताल तेज की

अर्थ प्रकाश संवाददाता

पंचकूला, 13 जून। बरवाला में ब्रांड कंपनियों के लिए गीजर और हीटर बनाने वाली कंपनी का डाटा लीक हो गया। कंपनी के मालिक ने पूर्व जीएम पर ईमेल आईडी का गलत इस्तेमाल कर डाटा चोरी करने और उसे बाजार में इस्तेमाल करने के आरोप लगाए हैं। साइबर थाना पुलिस द्वारा दर्ज की गई एफआईआर के मुताबिक सेक्टर 12 में रह रहे परम गुप्ता बरवाला में ग्लोबल इंडस्ट्रीज पार्क में गीजर और हीटर बनाने का व्यवसाय करते हैं। ऐसे में उत्पादों की डिटेल, इनफार्मेशन व डाटा को गोपनीय रखना पड़ता है। पुलिस को उन्होंने बताया कि बीती 29 मई को एक कस्टमर ने फोन करनके बताया कि कंपनी की गोपनीय जानकारी ओपन मार्किट में सार्वजनिक हो गई है। परम गुप्ता ने छानबीन की तो पाया कि उनकी ई-मेल आईडी कोई अन्य व्यक्ति भी ऑप्रेट कर रहा था। उनके जांच करने पर कुंडली एरिया में एक मोबाइल नंबर के जरिए उनकी आईडी ऑप्रेट होने की बात सामने आई। परम गुप्ता ने पुलिस को शिकायत देकर दावा किया कि उनके द्वारा कंपनी में तैयार किया जाने वाले हीटर और बीओएम उनकी वर्चुअल प्रॉपर्टी हैं। यानी उनकी खुद की विकसित की संपत्ति हैं।

पूर्व जीएम पर जताया संदेह

परम गुप्ता को अपनी कंपनी के पूर्व जीएम पर उनकी ईमेल आईडी अपने पास रख कर डाटा का गलत इस्तेमाल करने का संदेह हुआ। विजय शर्मा ने करीब 18 महीने तक काम किया। वह प्लांट हैड एवं जीएम की पोस्ट पर नियुक्त था। परम गुप्ता के मुताबिक मेल आईडी को उनके अलावा जीएम भी आप्रेट करता था। हालांकि उन्होंने 31 मार्च को ही अपनी ईमेल आईडी का पासवर्ड चेंज कर दिया था, बावजूद वह आईडी के जरिए गोपनीय जानकारी जुटा कर कंपनियों को बेच रहा था। विजय शर्मा बीओएम व हीटर का डिजाइन को अपनी नई कंपनी मार्क, इंटरप्राइजेज बददी के मालिक को बेच रहा था। इस तरह उनका डाटा मार्किट में देने से लाखों रूपए का नुकसान हुआ। पुलिस ने शिकायत के आधार पर बीएनएस की धारा 318 (4), आईटी एक्ट 66, 66बी, 66सी, 72 के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

ऑपरेशन मुस्कान : रास्ता भटकी 5 साल की बच्ची को पुलिस ने सड़क किनारे से किया बरामद

घर का रास्ता भटककर सड़क किनारे गई, डायल 112 व सेक्टर–1 चौकी की मुस्तैदी से मिली सफलता

अर्थ प्रकाश संवाददाता

पंचकूला, 13 जून। पूराना पंचकूला से सटी खड़कमंगोली कालोनी से रास्ता भटक कर हाई वे पर पहुंची 5 साल की बच्ची को ऑपरेशन मुस्कान की पुलिस टीम ने कुछ समय में बरामद कर परिवार को सकुशल सौंप दिया। पुलिस कमिश्नर शिवास कविराज के नेतृत्व में पंचकूला पुलिस अपराधियों की धरपकड़ के साथ-साथ मानवीय कार्यो में भी मुख्य भूमिका निभा रही है। इसका ताजा उदाहरण डायल 112 टीम की तत्परता व पुलिस चौकी सेक्टर-1 की मुस्तैदी है। जिन्होने ऑपरेशन मुस्कान के तहत घर से गुम हुई 5 वर्षीय बच्ची को सकुशल परिवार से मिलवाने में सफलता हासिल की।

यह घटना वीरवार शाम करीब 6 बजे की है जिसमें पंचकूला के खड़क मंगोली क्षेत्र से एक बच्ची रास्ता भटककर घर से दूर मुख्य सड़क की तरफ चली गई थी। बच्ची रो रही थी। डायल 112 के माध्यम से सूचना मिलते ही पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और बच्ची को सेक्टर-1 पुलिस चौकी में ले जाया गया। जहां पुलिस ने बच्ची को जल्द से जल्द परिवार से मिलवाने हेतु सभी प्रयास किए, पुलिस ने नम्रतापूर्वक बच्ची से भी उसका पता लगाने की भी कोशिश की लेकिन छोटी होने की वजह से ठीक से बता नही पा रही थी। पुलिस ने आस-पास के लोगो से भी पूछताछ की व सभी व्हाटस्अप ग्रुप से माध्यम से भी पता लगाने की कोशिश की।

इसी दौरान पुलिस ने सुराग ढुंढकर बच्ची के परिवार तक पहुंची और औपचारिकताएं पूरी कर उसे रात करीब 9 बजे परिजनों को सौंप दिया। अपने खोई हुई बच्ची को वापस पाकर परिजनों ने राहत की सांस ली और पंचकूला पुलिस का आभार प्रकट किया। पुलिस विभाग ने पुनः यह साबित किया कि वह न केवल कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए तत्पर है, बल्कि मानवीय संवेदनाओं को भी पूरी गंभीरता से समझता है। बच्ची को परिवार से मिलवाने में पुलिस चौकी सेक्टर-1 में तैनात एएसआई अरविंद, एएसआई राजीव व मुख्य सिपाही अनिल ने मुख्य भूमिका निभाई।

ऑपरेशन मुस्कान महत्वपूर्ण कदमः पुलिस उपायुक्त सृष्टि गुप्ता ने बताया कि ÷ऑपरेशन मुस्कान÷ बच्चों की सुरक्षा एवं पुनर्वास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो यह सुनिश्चित करता है कि गुमशुदा बच्चों को शीघ्रता से उनके परिवार से मिलाया जाए। पुलिस विभाग आम नागरिकों से अपील करता है कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि या गुमशुदगी की सूचना तुरंत नजदीकी पुलिस स्टेशन को दें, ताकि समय पर कार्रवाई की जा सके।

खरखौदा की राजस्व भूमि पर किए जा रहे अवैध निर्माण ध्वस्त : डीटीपी अजमेर सिंह

- अवैध कॉलोनियों का निर्माण करने वाले व्यक्तियों के खिलाफ दर्ज होगी एफआईआर
- जनसाधारण को जागरूक करने के लिए चेतावनी बोर्ड भी लगाये गए

अर्थ प्रकाश/आदेश त्यागी

सोनीपत, 13 जून। जिला नगर योजनाकार (डीटीपी) अजमेर सिंह ने बताया कि जिले में पनप रही अवैध कॉलोनियों और निर्माणों को प्रारंभिक चरण में ही ध्वस्त करने के लिए उपायुक्त डॉ0 मनोज कुमार के निर्देशानुसार प्रशासन द्वारा सख्त अभियान चलाया जा रहा है।

इसी क्रम में खरखौदा की राजस्व सीमा में लगभग 23.15 एकड़ भूमि पर विकसित किया जा रहा 4 अवैध कॉलोनियों के निर्माण पर कार्रवाई करते हुए लगभग 10 एकड़ में बने कच्चे रास्ते व फलाईएस से बनी सडक़ों को ध्वस्त किया गया।डीटीपी अजमेर सिंह ने आमजन से अपील करते हुए कहा कि अवैध कॉलोनियों में प्लॉट न खरीदें। ऐसी कॉलोनियों में सरकार द्वारा कोई भी मूलभूत सुविधा जैसे सडक, पानी, सीवरेज या बिजली प्रदान नहीं की जाती। इससे आपकी मेहनत की कमाई जोखिम में पड़ सकती है।

उन्होंने कहा कि प्लॉट खरीदने से पूर्व यह सुनिश्चित करें कि संबंधित कॉलोनी नियमानुसार स्वीकृत है अथवा नहीं।डीटीपी ने यह भी स्पष्ट किया कि जिले में किसी भी अवैध निर्माण की अनुमति नहीं दी जाएगी।

जिला नगर योजनाकार विभाग द्वारा जिले के सभी क्षेत्रों पर सख्त निगरानी रखी जा रही है और यदि कोई व्यक्ति अवैध कॉलोनी विकसित करता पाया गया, तो उसके विरुद्ध एफआईआर दर्ज करवाई जाएगी।तोडफ़ोड़ की इस कार्यवाही के दौरान विभाग की इन्फोर्समेंन्टटीम द्वारा बताया गया कि विभाग द्वारा की जा रही तोडफ़ोड़ में और सख्ती बरती जायेगी ताकि अवैध कालोनी काटने व उसमें निर्माण करने वाले मंसूबे पूरे न हो सकें और समय रहते पनप रहे अवैध निर्माण को तोड़ा जा सके। यहाँ यह भी बताया जाता है कि सभी अवैध कालोनियों में जनसाधारण को जागरूक करने के लिए चेतावनी बोर्ड भी लगाये जा चुके हैं।

बिजली आपूर्ति व्यवस्था का हाल जानने रात को गुड़ मंडी पहुंचे विधायक निखिल मदान

अर्थ प्रकाश/आदेश त्यागी

सोनीपत, 13 जून। लाइन पार के गुड मंडी,विशाल नगर और विकास नगर ककरोई रोड पर बिजली आपूर्ति बंद होने की सूचना मिलने पर विधायक निखिल मदान रात 2 बजे मौके पर पहुंचे। इस दौरान विधायक निखिल मदान ने पुरानी कचहरी ट्रांसफार्मर पर अपने सामने फ्यूज लगवा कर और अन्य खामियां दूर करके क्षेत्र की बिजली आपूर्ति को चालू करवाया। साथ ही मौके पर मौजूद बिजली विभाग के कनिष्ठ अभियंता अंग्रेज सिंह को आदेश दिए कि दो दिन के अंदर रत्न पान वाली गली और सिटी थाने के पास वाली गली की केबल बदलकर 24 घंटे बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। विधायक निखिल मदान ने कहा कि वो पूर्व की भांति बिजली विभाग के सभी अधिकारियों की बैठक लेकर शहर का दौरा करेंगे ताकि लोड के हिसाब से ट्रांसफार्मर की व्यवस्था की जाए और भीषण गर्मी के इस मौसम में 24 घंटे बिजली आपूर्ति की जाए। इसके साथ ही रोहतक रोड पर पुरानी कचहरी में खाली पड़ी जमीन पर पॉवर हाउस बनाने के कार्य को भी जल्द से जल्द सिरे चढ़ाया जाएगा। एक विस्तृत कार्ययोजना बनाकर पूरे शहर में बिजली आपूर्ति को बेहतर किया जाएगा। इस अवसर पर बिजली विभाग के कनिष्ठ अभियंता अंग्रेज सिंह,भाजपा के अग्रसेन मंडल अध्यक्ष नीरज सोनी, मुकेश मित्तल, निपुण जैन , प्रदीप डागर, नरेश शर्मा, पवन,राहुल शर्मा, निखिल दहिया, गौरव कौशिक,कुलदीप वत्स, शुभम शर्मा आदि लोग मौजूद रहे।

अवैध हथियार की पूर्व की घटना में संलिप्त दूसरे आरोपी को प्रोडक्शन वांरट पर लेकर किया गिरफ्तार, न्यायालय में पेशकर भेजा जेल

सोनीपत, 13 जून (अप्रस)। जिले की एसएजी यूनिट सैक्टर-7, सोनीपत की पुलिस टीम ने अवैध हथियार की एक पूर्व की घटना में संलिप्त दूसरे आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी मनीष पुत्र अजेन्द्र निवासी बागपत, उत्तरप्रदेश का रहने वाला है। इस प्रकरण की विस्तृत जानकारी देते हुए सोनीपत की अनुंसधान टीम में नियुक्त मुख्य सिपाही कृष्ण अपनी पुलिस टीम के साथ बराये गस्त पडताल जुराईम गाँव मुरथल भट्टा चौक के नजदीक मौजूद था कि खुफिया जानकारी मिली की एक नौजवान लड़का अतुल उर्फ काला पुत्र रामेश्वर निवासी गाँव जैनपुर जिसने आसमानी छापेदार रंग की सर्ट व काले रंग की जींस पेंट, सफेद रंग के जूते पहने हुए है जिसके पास अवैध हथियार है जो अब गाँव मुरथल से ताजपुर रोड नियर बख्तावरपुर मोड़ पर गाँव बख्तावरपुर की तरफ से पैदल पैदल आकर बख्तावरपुर मोड़ से किसी व्हीकल में बैठकर अब अपने साथी के पास सोनीपत जाएगा।

निलामी सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता हैं कि ग्राम पंचायत रत्तेवाली में पटवार खाना के मैटिरियाल की खुली बोली दिनांक 20 जून 2025 को सुबह 11 बजे ग्राम सचिवालय रत्तेवाली में होगी । जिसमें सिक्योरिटी 5 हजार रुपए जमा करवानी होगी । बोली कि शर्तें मौके पर बता दी जाएगी।

विशाल शर्मा (सरपंच)
ग्राम पंचायत रत्तेवाली
मो. 7082550310

AP-1972

COURT NOTICE

(U/o 5 Rule 20 CPC)
IN THE COURT OF
Ms. Anubha Jindal
Civil Judge Junior Division - 3 Rajpura,
THE PATIALA CENTRAL CO-OPERATIVE BANK LTD. GHANAUR
Vs.
NARINDER KUMAR
EXECUTION
CNR No. PBPTA0-000741-2024
Next Date:-02-07-2025
PUBLICATION ISSUED TO:
NARINDER KUMAR, Father-ISSAR RAM VILLAGE CHAMARU SUB TEHSIL GHANAUR TEHSIL RAJPURA DISTT PATIALA

In above titled case, the defendant(s)/respondent(s) could not be served. It is ordered that defendant(s)/respondent(s) should appear in person or through counsel on 02-07-2025 at 10:00 a.m.
For details logon to https://highcourtchd.gov.in/?mod=district_notice&district=patiala
Civil Judge Junior Division - 3 Rajpura
Dated, this day of 11-06-2025

AP-1975

सार्वजनिक सूचना

हम श्रीमति अनिता रानी पत्नी श्री विरेन्द्र कुमार, श्री आशीष व निधि पुत्र/पुत्री श्री विरेन्द्र कुमार निवासी गीता कॉलोनी, रादौर जोकि प्रोपर्टी नं. 7U1Y5AYO वाका रादौर नगरपालिका गृहकर रिकार्ड में गृहकर उद्देश्य हेतु दिनांक 11.09.2021 को पिता / पति की मृत्यु उपरांत तहसीलदार रादौर द्वारा जारी वारिसान रिपोर्ट के आधार पर अपने नाम दर्ज करवाना चाहते है। अगर उक्त विषय के बारे किसी का कोई ऐतराज है तो वह अपना एतराज मय सबूत लिखित रूप में 30 दिनों के अन्दर-2 कार्यालय नगरपालिका में दे। बाद मियाद गुजरने के कोई आपत्ति मान्य व स्वीकार नहीं होगी।

सचिव, नगरपालिका रादौर ।

AP-1986

grtr mhwll erlAw ivkws AQwirtl p~fw Bvn, sktr-62, As.e.As.ngr jnqk scnw

isgl ivf n. 445613 rwhl, Old Plot No 6, Block No-1, LOI No. 043 dated 01-02-2012 swiej 500 v. gj, Residential, Eco City, As e As ngr d mwlk Rajesh Kumar S/o Lalu Ram R/o 1857, Sector-46, Gurgaon n Jaswinder Singh S/o Daulat Ram, R/o # 2139, Sector 68,S.A.S Nagar (Mohali) & Gurbax Singh S/o Manjit Singh, R/o 855, Near Ranjit Nagar, Sector-11, Kharar ƒ Awpxw jlple inXkq klqw h j ik Book No 4, Registration No 1711/2024 imql 21.10.2024 ƒ dPqr sb-rijstrwr, sln ivK rijstrf hel h, pS klql h[

ies jlple d AwDwr q Jaswinder Singh & Gurbax Singh vll akq Old Plot No 6, Block No-1, LOI No 043 dated 01-02-2012 swiej 500 v.gj, Residential, Eco City, As e As ngr n Harinder Kaur W/o Bhajan Singh, Harpreet Singh Gill S/o Bhajan Singh & Bhajan Singh S/o Sardara Singh, R/o B-109 wembly Soicety, sec-91, Mohail d nwm q vcx/trwsPr lel dsqwvj pql bnql isgl ivf n. 445613 ƒ id·ql h[hx ieh ks imlK APsr, gmwfw, mhwll d dPqr ivc ivcwr ADIn h ies lel Old Plot No 6, Block No-1, LOI No 043 dated 01-02- 2012 swelj 500 v.gj, Reisdenital, Eco City As.e.As.ngr ƒ vcx /trwsPr q pihlw sicq klqw jwdw h ik ies bwr iks ƒ kel ieqrwj hv qw ies ivigApn dl imql q 15 idnw d Adr-Adr Awpxw ieqrwj imlK APsr gmwfw, mhwll pws ilKql rp iv·c d skdw h[inSicq imql Aq sml ql bwAd pwpq he ieqrwjl q kel ivcwr nhl klqw jwvgw akq rijstrf hel jl.pl.e.d AwDwr q Old Plot No 6, Block No-1, LOI No 043 dated 01-02-2012 swelj 500 v.gj, Reisdenital, Eco City, As.e.As.ngr ƒ trwsPr akq ibnkwr d nw jwrl kr id·ql jwvgl[

imLK APsr,
gmwfw,As.e.As.ngr[

AP-1974

COURT NOTICE

IN THE COURT OF
Ms. Manmeet Kaur Ghuman
Judicial Magistrate-1st Class
Panchkula
CNR No. HRPK03-006938-2022
Next Date:-11-08-2025
at 10.00a.m.
Subhash Chand Mittal
Vs.
Gautam Singh
Complaint Under Section 138 of Negotiable Instruments Act.

NOTICE TO :
Gautam Singh, Resident of H.No. 664, Huda, Sector-8, Ambala City.
IInd Address : Gautam Singh, resident of Village Baragarh, P.O. Shahzadpur, Tehsil Nalagarh, Distt. Ambala-134202

In above titled case, the accused could not be served. It is ordered that accused should appear in person or through counsel on 11-08-2025 at 10:00 a.m.
For details logon to https://highcourtchd.gov.in/?trs=district_notice&district=Panchkula*.

Judicial Magistrate-1st Class
Panchkula
Dated, this day of 12-06-2025

AP-1977

सार्वजनिक सूचना

आम जनता को सूचित किया जाता है कि हम अजय पुत्र राजपाल तथा रेखा देवी पत्नी अजय निवासी एकता कॉलोनी गोहाना ने कैपिटल स्मॉल फाइनेंस बैंक शाखा गोहाना (हरियाणा) शाखा कार्यालय में 5.50 लाख रुपए के ऋण के लिए आवेदन किया है। यह ऋण एकता कॉलोनी गोहाना में स्थित संपत्ति के विरुद्ध है, जिसका स्वामित्व बिक्री विलेख संख्या-1997 दिनांक 26-06-2024 के अनुसार रेखा देवी पत्नी अजय कुमार के पक्ष में है, जो खेवट संख्या 5032 तथा किला संख्या 255//8/1 में स्थित है। अब कैपिटल स्मॉल फाइनेंस बैंक को ऋण का समतुल्य बंधक बनाने के लिए बिमला पत्नी अजीत सिंह तथा काला पुत्र समरूदीन के पक्ष में दिनांक 28.05.2012 के पिछले बिक्री विलेख संख्या 1254 तथा दिनांक 17/11/2004 के बिक्री विलेख संख्या 4617 की आवश्यकता है। लेकिन पिछले मालिक ने पिछले मूल 1254 दिनांक 28.05.2012 और बिक्री विलेख संख्या 4617 दिनांक 17/11/2004 को खो दिया है। इस संबंध में अजय कुमार ने गोहाना सिटी पुलिस स्टेशन में डीडीआर नंबर 132390372500925 दर्ज कराया है। वर्तमान मालिक द्वारा प्रस्तुत घोषणा के अनुसार उक्त संपत्ति भार से मुक्त है और किसी अन्य बैंक या किसी वित्तीय संस्थान के पक्ष में उक्त संपत्ति पर कोई बंधक नहीं बनाया गया है। यदि कोई व्यक्ति कोई दावा/आपत्ति करता है, तो उनसे अनुरोध है कि प्रकाशन की तिथि से 7 दिनों के भीतर नीचे दिए गए पते पर सहायक दस्तावेजी साक्ष्य के साथ मुझे लिखित रूप में सूचित करें, ऐसा न करने पर, यदि किसी ऐसे व्यक्ति ने दावा किया है, तो उसे माफ कर दिया गया माना जाएगा और मेरे मुवक्किल को ऋण के वितरण और उसके संबंध में बंधक बनाने की कार्यवाही करनी होगी।

मनोज कुमार चौहान एडवोकेट
चैंबर नंबर 139
जिला न्यायालय कैथल। (हरियाणा)
मोबाइल -9896041525

AP-1975

मेयर राजीव जैन की पहल पर परशुराम और दहिया चौक पर जलभराव की समस्या का समाधान शुरू

अर्थ प्रकाश/आदेश त्यागी

सोनीपत, 13 जून। नगर निगम मेयर राजीव जैन के निर्देश पर परशुराम चौक एवं ओल्ड डी सी रोड सिथत दहिया चौक पर जलभराव की समस्या से निपटने के लिए परशुराम चौक के बाहर लगी टाइल को उखड़वाकर नीचे से नालों के स्लैब निकाले गए और फिर नाले की सफाई करवाकर बरसाती पानी की निकासी का प्रबंध किया गया ।नगर निगम मेयर राजीव जैन ने दो दिन पूर्व मौके पर पंहुचकर नालों की सफाई का जायजा लिया था और देखा कि नालों में बुरी तरह मिटटी फंसी हुई है, नालों के मुंह तक बंद हो चुके हैं, ऐसे हालात में पानी की निकासी कैसे संभव थी।

राजीव जैन ने स्वंय खड़े होकर जे सी बी बुलवाई और टाइल को उखड़वाया। राजीव जैन ने बताया कि 5 वर्ष पूर्व परशुराम चौक के निर्माण के समय नाले के स्लैब पर मिट्टी डालकर टाइल बिछा दी गई थी जिस कारण नालों की सफाई संभव नहीं हो पा रही थी। इसी तरह दहिया चौक के हालात थे।
नालों में पूरी मिटटी भरी पड़ी थी और स्लैब बहुत लम्बे थे जिस कारण सफाई नहीं हो पा रही। राजीव जैन ने नालों के स्लैब में नए मैन होल बनाने के निर्देश दिए ताकि मिट्टी निकालने में आसानी हो सके।

उन्होंने बताया कि जलभराव वाले स्थानों को चिन्हित करके समस्या का समाधान खोज कर उन्हें हल करने का प्रयास किया जा रहा है और वह स्वयं लगातार नालों की सफाई का निरीक्षण कर रहे हैं ।

अहमदाबाद विमान हादसे में दिवंगत आत्माओं को श्रद्धांजलि, भाजपा नेताओं व कार्यकर्ताओं ने रखा 2 मिनट का मौन

अर्थ प्रकाश/आदेश त्यागी

सोनीपत, 13 जून। भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष जसबीर दोदवा ने अपने कार्यालय पर आज एक शोकसभा आयोजित कर अहमदाबाद विमान हादसे में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। शोकसभा में उपस्थित सभी कार्यकर्ताओं और स्थानीय नागरिकों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना की। इस अवसर पर जसबीर दोदवा ने कहा कि यह हादसा अत्यंत हृदयविदारक है और देशभर में शोक की लहर है। उन्होंने कहा कि ÷हम शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना प्रकट करते हैं और ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि वे इस दुख की घड़ी में उन्हें शक्ति प्रदान करें।

अर्थ प्रकाश वलासीफाइड CLASSIFIED ADS
आज ही बुक करें
PH. : 0172-2638515, 98883-03520
Email : arthparkashadvt29@gmail.com

सार्वजनिक सूचना

मैं शदान पुत्र सरफिराज निवासी मकान नं. 2336/2, सेक्टर 45-सी, चंडीगढ़ ने अपना नाम शदान से बदलकर मोहम्मद शदान रख लिया है।

एपी-1976

मैं गुरमीत सिंह पुत्र जगदेव सिंह वासी गांव कुणाल जिला फतेहाबाद ने अपना नाम बदलकर गुरमीत सिंह Ghuman रखा है

मैं पंकज बतरा पत्नी विकास सहगल वासी 190, सैक्टर-13, अर्बन एस्टेट, करनाल, हरियाणा- 132001, ने अपना नाम बदलकर पंकज बतरा से पंकज सहगल रखा है

मैं अमिता शर्मा पत्नी सतिंदर कुमार वासी गांव बर्थल जिला करनाल ने अपना नाम बदलकर अमिता शर्मा से अमिता रानी रखा है

मैं सुलोचना पत्नी गुलाब सिंह वासी गांव बराना करनाल ने अपना नाम बदलकर सुलोचना से सुलोचना देवी रखा है

एपी-1982

I Sanchita d/o JC 414586A Sub Koli Valmik Balasaheb r/o VPO Kodoli, Tehsil Panhala, District Kolhapur (MH) have changed my name from Sanchita to Sanchita Valmik Koli vide affidavit dated 13-06-2025 before executive magistrate Nahan.

AP-1971

I PRADEEP KUMAR S/O CHAMAN SINGH R/O #B-8, FLAT NO. 169, GULMOHAR CITY, DERA BASSI DISTT SAS NAGAR(PUNJAB-140507)HAVE CHANGED MY NAME TO PRADEEP TOMAR FOR ALL FUTURE PURPOSES.

AP-1975

मैं गुरविन्द्र पुत्र श्री सुखदेव निवासी गांव व डा. बारना, तहसील थानेसर, जिला कुरूक्षेत्र ब्यान करता हूं कि मैंने अपना नाम गुरविन्द्र सिंह से बदलकर गुरविन्द्र रख लिया है।

एपी-1985

मैं, चौवन अमूलख भाई सैन्य संख्याः 149432634 रैंकः नायक नाम-चौहान मुकेश कुमार अमूलख भाई का पिता हूँ, वर्तमान में यूनिटः 24 मैक इन्फ सी/ओ 56 एपीओ जैसलमेर, राजस्थान में तैनात है स्थायी पताः पुराने देना बैंक के पास, लाठीदाद, बोटाद, गुजरात-364710 घोषणा करता हूँ कि मैंने अपना नाम चौवन अमूलख भाई से बदलकर चौहान अमूलखभाई लखमनभाई रख लिया है और साथ ही अपनी जन्मतिथि भी सही करके 05/07/1962 से 19/07/1972 कर ली है। शपथ पत्र संख्याः 48एए 901834, दिनांकः 13/06/2025

मैं, चौहान गौरीबेन ए, सैन्य संख्याः 14943263वाई रैंकः नायक नाम-चौहान मुकेश कुमार अमूलख भाई की माँ हूँ। वर्तमान में यूनिट- 24 मैक इन्फ सी/ओ 56 एपीओ जैसलमेर, राजस्थान में तैनात है। स्थायी पताः पुराने देना बैंक के पास, लाठीदाद, बोटाद, गुजरात-364710 घोषणा करती हूँ कि मैंने अपना नाम चौहान गौरीबेन ए से बदलकर चौहान गौरीबेन अमूलखभाई रख लिया है और साथ ही अपनी जन्मतिथि भी सही करके 09/08/1968 से 01/01/1973 कर ली है। शपथ पत्र क्रमांकः 48एए 901835, दिनांक- 13/06/2025

मैं, संचिता सामंता सैन्य संख्याः 15433484एल रैंकः हवलदार नाम-सुशांत सामंता की कानूनी रूप से विवाहिता पत्नी हूं वर्तमान में कमांड हॉस्पिटल चंडीमंदिर कैंट पंचकुला, हरियाणा में तैनात है, स्थायी पताः उत्तर चांगराचक, उत्तर चांगराचक, उत्तर चांगराचक, चांगराचक, पूर्व मेदिनीपुर, पश्चिम बंगाल, 721644 घोषणा करती हूं कि मैंने अपना नाम संचिता सामंता से बदलकर संचिता कर सामंता कर लिया है। जिला न्यायालय पंचकुला हरियाणा के समक्ष शपथ पत्र संख्याः 48एए 901836 दिनांकः 13/06/2025

एपी-1980

मैं, कपिला, पत्नी तेनजपाल, निवासी–गोपि वाली कुई के पास, कीर्ति नगर, भिवानी अपने हल्फ से बयान करती हूँ कि मैंने अपना नाम कपिला से बदलकर भविष्य के लिए कपिला देवी कर लिया है।

एपी-1984

मैं सलिन्द्र सिंह पुत्र श्री नरमैल सिंह गाँव पंजौरा तह.जगाधरी जिला यमुना नगर (हरियाणा) ब्यान करता हुँ कि मेरे पास पोर्ट न.O1419046 में मेरी माता का नाम कमलेश देवी लिखा है जबकि अन्य दस्तावेजो में उसका नाम कमलेश है।अब उसने अपना नाम कमलेश देवी से बदलकर कमलेश रख लिया है।

I, priyanka kumari Wife of No.14679666L Rank:Hav Name Abhinandan Kumar Unit: 1 Horse C/o 56 APO declare that in my husband's service record my name wrongly mentioned Priyanka Kumari but my correct name is Priyanka

मैं अरनव पुत्र दरबारा सिंह निवासी बी-2, डॉ. अंबेडकर हाउसिंग बिल्डिंग कोऑपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड, डीएसी कॉम्प्लेक्स के पास, सेक्टर 76 सोहाना एसएएस नगर पंजाब, ने अपना नाम अरनव से बदलकर अरनव सिंह रख लिया है।

मैं अक्षित पुत्र दरबारा सिंह निवासी बी-2, डॉ. अंबेडकर हाउसिंग बिल्डिंग कोऑपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड, डीएसी कॉम्प्लेक्स के पास, सेक्टर-76, सोहाना जिला एसएएस नगर ने अपना नाम अक्षित से बदलकर अक्षित सिंह रख लिया है।

एपी-1975

मैं गौरव पुत्र श्री अशोक कुमार, निवासी मकान नंबर 47, बहलाना चंडीगढ़ ने अपना नाम गौरव से बदलकर मोहम्मद जैद रख लिया है।

मैं निशांत पुत्र नरेश कुमार निवासी मकान नंबर 232, प्रथम तल, सेक्टर 35-ए, चंडीगढ़ ने अपना नाम निशांत से बदलकर निशांत कुमार रख लिया है।

मैं, कपूर, पुत्र गोविंद सिंह रावत निवासी 1042, सेक्टर 27/B, चंडीगढ़ ने अपना नाम कपूर से बदलकर कपूर सिंह रावत कर लिया है।

मैं, संगीता, पत्नी कपूर सिंह रावत , निवासी 1042, सेक्टर 27/B, चंडीगढ़ ने अपना नाम संगीता से बदलकर संगीता देवी कर लिया है।

मैं मीरा पत्नी श्री अमरीश कुमार, निवासी मकान नंबर 53, सेक्टर 27-ए, चंडीगढ़ ने अपना नाम मीरा से बदलकर मीरा कुमारी रख लिया है।

मैं अमरीश कुमार पुत्र श्री राम देव यादव निवासी मकान नंबर 1675/1, सेक्टर 30-बी चंडीगढ़ ने अपना नाम अमरीश कुमार से बदलकर अमरीश कुमार यादव रख लिया है।

एपी-1979

I, Chinchu S S W/o 15678958X CHM SUJITH K J R/o KJ NIVAS Therannoor PO Perumpazhuthoor PIN- 695126, Neyyattinkara Thiruvanantha-puram, Kerala has declared that in my husband's Army documents my Name has been erroneously mentioned as Chinchu Sujith where as my correct name is Chinchu S S. Kindly note all. Affidavit No 202526000001379575 dated 31 may 2025.

I, Chinchu S S W/o 15678958X CHM SUJITH K J R/o KJ NIVAS Therannoor PO Perumpazhuthoor PIN- 695126, Neyyattinkara Thiruvanantha-puram, Kerala has declared that in my husband's Army documents my Name has been erroneously mentioned as Chinchu Sujith where as my correct name is Chinchu S S. Kindly note all. Affidavit No 202526000001379575 dated 31 may 2025.

AP-1987

मैं विनय पुत्र नरेश कुमार निवासी पोपडा तहसील जिला करनाल-132039 अपने हल्फ से बयान करता हूँ कि मेरी दसवीं की मार्कशीट में पिता का नाम नरेश व माता का नाम मंमता लिखा गया है। जोकि गलत है । जबकि मेरे पिता का नाम नरेश कुमार व माता का नाम ममता देवी है। जो की सही व दुरूस्त है।

मैं गरिमा गोयल पत्नी वरूण कुमार निवासी मकान नं. डी-140, पुष्पांजलि एनक्लेव पीतमपुरा दिल्ली अपने हल्फ से बयान करती हूँ कि मैंने अपना नाम गरिमा गोयल से बदलकर गरिमा रख लिया है। भविष्य में मुझे गरिमा के नाम से जाना व पहचाना जाए।

एपी-1972

I, Priyanka Kumari Wife of No.15679666L Rank:Hav Name Abhinandan Kumar Unit: 1 Horse C/o 56 APO declare that in my husband's service record my name wrongly mentioned Priyanka Kumari but my correct name is Priyanka

It is for general information that I, SACHIN GUPTA Son of PAWAN KUMAR, R/o House No-381, Urban Estate, Sector-13 Extension, Karnal, Haryana-132001, declare that name of mine and my wife has been wrongly written as SACHIN KUMAR and NANDITA RANI respectively in my minor daughter KAVYA GUPTA aged 17 years in her Secondary School Marks Statement Cum Certificate. The actual name of mine and my wife is SACHIN GUPTA and NANDITA GUPTA respectively, which may be amended accordingly.

AP-1992

मैं,कर्ण सिंह पुत्र भाल सिंह गाँव छाव्लन, कुरुक्षेत्र ने अपना नाम बदलकर कर्ण उपनाम सिंह रख लिया है

एपी-1994

मैं हरफूल सिंह पुत्र स्व. लाल सिंह निवासी गाँव बकाली, तह. लाडवा, जिला. कुरूक्षेत्र, घोषणा करता है कि हरफूल सिंह (Harphool Singh) और हरफूल सिंह (Herphool Singh) दोनों नाम एक ही व्यक्ति हैं।

एपी-1989

बेदखली सूचना

मैं, नीमो देवी पत्नी स्वर्गीय नैब सिंह निवासी गांव-जट्टा माजरी घोषणा करती हूं कि मेरा पुत्र सुखविन्द्र सिंह व इसकी पत्नी भारती मेरे कहने-सुनने से बाहर है। मैं इनको अपनी चल-अचल सम्पति से बेदखल करती हूं। भविष्य में इनसे लेन-देन करने व सम्बंध रखने वाला स्वंय जिम्मेवार होगा।

हम वीना पत्नी सोमनाथ व सोमनाथ पुत्र श्री अमीर चंद गांधी निवासी शिव चैक झांझ गेट जींद-126102 (हरियाणा) अपने हल्फ से ब्यान करते हैं कि हमारा लड़का विनय उर्फ विक्की तथा उसकी पत्नी सिमरन हमारे कहने-सुनने से बाहर है। हम उन्हें अपनी तमाम चल-अचल संपत्ति से बेदखल करते हैं। भविष्य में जो भी इनसे कोई लेन-देन करेगा तो वह उसका स्वयं जिम्मेवार होगा, हमारी कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

एपी-1972

मैं, ईशम सिंह पुत्र धर्म सिंह निवासी गांव लाकड मय प्रतापपुर, तहसील प्रतापनगर (खिजराबाद) जिला यमुनानगर अपने हल्फ़ से ब्यान करता हूँ कि मेरा विवाहित लड़का आसु मेरे कहने-सुनने से बाहर हैं व लड़ाई झगड़ा करता है। इसलिए मैं इसको अपनी तमाम चल-अचल संपत्ति से बेदखल करता हूँ। भविष्य में इसके साथ लेन- देन करने वाले व संबंध रखने वाले स्वयं जिम्मेवार होंगे, मैं और मेरा परिवार नहीं।

एपी-1978

मैं कृष्ण पुत्र मांगे राम निवासी राजेंद्रा कॉलोनी, वार्ड नंबर 2, उचाना मंडी, जींद, हरियाणा सूचित करता हूं कि मेरा बेटा सोनू और उनकी पत्नी पिंकी मेरे नियंत्रण से बाहर हैं। मैं उन्हें अपनी सभी चल- अचल संपति से बेदखल करता हूं। भविष्य में जो कोई उनके साथ लेन- देन करेगा, वह स्वयं ही जिम्मेवार होगा। मैं और मेरे परिवार के सदस्य भविष्य में उनकी किसी भी गतिविधियों के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

एपी-1983

हम प्रमोद कुमार पुत्र रामकीर्तन और कमला देवी पत्नी प्रमोद कुमार निवासी मकान नं. 335, कमरा नं. 13, बुड़ैल चंडीगढ़ सूचित करते हैं कि हमारा बेटा विवेक गुप्ता और उसकी पत्नी रूबी देवी हमारे कहने सुनने से बाहर हैं। इसलिए हम इनको अपनी सभी चल और अचल संपत्तियों से बेदखल करते हैं। इनसे लेन देन करने वाला खुद जिम्मेदार होगा।

एपी-1979

मैं, अशोक कुमार पुत्र श्री गिरवर राम निवासी मकान नंबर 534, अमरावती एन्क्लेव के सामने, कालका, बीसीडब्ल्यू, सूरजपुर, पंचकूला हरियाणा, घोषणा करता हूँ कि मेरा बेटा लकी और उसकी पत्नी शिवानी दोनों मेरे नियंत्रण से बाहर हैं। इसलिए मैं उन्हें अपनी सभी चल/अचल संपत्तियों से बेदखल करता हूँ। भविष्य में इनसे लेन- देन करने वालें स्वयं जिम्मेवार होगें। मेरी व मेरे परिवार की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

एपी-1975

मैं सोनू कुमार पुत्र श्री पाला राम निवासी मकान नं.1135, गली न.11, हांसी रोड़, करनाल बयान करता हूं कि मेरा पुत्र हर्षित मेरे कहने-सुनने से बाहर है। मैं उसे अपनी चल-अचल संपत्ति से बेदखल करता हूं। वह अपने लेन-देन, अच्छे-बुरे, कानूनी, गैर-कानूनी कार्य का स्वयं जिम्मेदार होगा।

एपी-1988

मैं, राजपाल पुत्र हिरदा राम निवासी गांव चोंचड़ा, तहसील असंध, जिला करनाल, यह है कि मेरा लड़का खुशप्रीत जो कि मेरे कहने-सुनने से बाहर है इसलिए मैं उसे अपनी चल-अचल संपत्ति से बेदखल करता हूं, भविष्य में उसके किये हुए किसी भी प्रकार के लेन-देन व अच्छे -बुरे कार्य के लिए वह खुद जिम्मेदार होगा, मेरे परिवार की कोई जिम्मेदारी नही होगी।

एपी-1991

मैं कमलेश देवी पत्नी स्व- प्रेम सिंह निवासी नजदीक रोड मोहल्ला गांव कुंजपुरा जिला करनाल ब्यान करती हूं कि मेरी पुत्रवधु बबीता पत्नी स्व- जगमोहन और उनका बेटा विनय मेरे कहने सुनने से बाहर है।मैं उनको अपनी चल अचल संपति से बेदखल करती हूं।भविष्य में उनसे लेन देन करने वाला खुद जिम्मेवार होगा।मेरे व मेरे परिवार की कोई जिम्मवारी नहीं होगी।

मैं शिव कुमार पुत्र टिक्का राम निवासी गांव बल्ला उप तहसील बल्ला जिला करनाल ब्यान करता हूं कि मेरा पुत्र रिकेंश शर्मा और उसकी पत्नी मेरे कहने सुनने से बाहर है।इसलिए मैं उनको अपनी चल अचल संपति से बेदखल करता हूं। भविष्य में उनसे लेन देन करने वाला खुद जिम्मेवार होगा। मेरे व मेरे परिवार की कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

एपी-1992

मैं अकतर अली पुत्र हबीब निवासी गांव खिजरी, सब तहसील प्रतापनगर, जिला यमुनागर घोषणा करता हू कि मेरा बड़ा लड़का जाकिर हुसैन व उसकी पत्नी गुलशैना दोनों मेरे व मेरे परिवार के कहने-सुनने से बाहर हैं, इसलिए मैं उन्हें अपनी चल-अचल संपति से बेदखल करता हूं। भविष्य में इनसे लेनदेन करने वाला स्वयं जिम्मेदार होगा।

एपी 1993

आवश्यक सूचना

अर्थ प्रकाश (हाउस ऑफ प्रिंट एंड डिजिटल मीडिया) का इस समाचार पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्पले/ क्लासीफाइड) के तथ्यों संबंधी कोई दायित्व नहीं है। हमारा समाचार पत्र इनको सत्यापित नहीं करता है। किसी भी प्रकार के विज्ञापनों में पाठकों से विनती है कि वह कोई भी प्रतिक्रिया करने से पहले, विज्ञापनों पर कार्यवाही करने से पूर्व तथ्यों की स्वयं पुष्टि कर लें। यह समाचार पत्र उपरोक्त किसी भी विज्ञापन के प्रति उत्तरदायी नहीं होगा।

अनिल विज ने 15 दिन में खराब ट्रांसफार्मर नहीं बदलने वाले जेई को किया निलंबित

ग्रामीणों ने ऊर्जा मंत्री अनिल विज से ट्रांसफार्मर खराब होने तथा जेई के ढुलमुल रवैये की शिकायत दी थी जिस पर मंत्री लिया संज्ञान

श्री विज ने बिजली निगमों के अधिकारियों को शहर में एक घंटे और ग्रामीण क्षेत्रों में दो घंटे के भीतर खराब ट्रांसफार्मर बदलने के दिए हुए हैं निर्देश

अर्थ प्रकाश संवाददाता

अंबाला, 13 जून। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री श्री अनिल विज ने अम्बाला छावनी के चंदपुरा गांव में बिजली के खराब ट्रांसफार्मर को 15 दिन बाद भी नहीं बदलने वाले बिजली निगम के जेई (कनिष्ठ अभियंता) संजय कुमार को निलंबित कर दिया है।

अंबाला छावनी के गांव चंदपुरा के ग्रामीणों ने इस संबंध में ऊर्जा मंत्री अनिल विज को शिकायत दी थी जिस पर उन्होंने त्वरित कार्रवाई करते हुए जेई को निलंबित करने के निर्देश दिए थे। ग्रामीणों का आरोप था कि चंदपुरा में बिजली का ट्रांसफार्मर कई दिनों से खराब है और इस संबंध में उन्होंने इंडिस्ट्रयल एरिया, अम्बाला छावनी के जेई संजय कुमार को लगभग 15 दिन पहले शिकायत दी थी। मगर अब तक न तो ट्रांसफार्मर को ठीक किया गया और न ही इसे बदला गया है। ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने इस मामले में कड़ा संज्ञान लेते हुए जेई को सस्पेंड करने के निर्देश दिए जिसे तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है।

गौरतलब है कि ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने बिजली निगम अधिकारियों को पूर्व में निर्देश दिए थे कि बिजली के खराब ट्रांसफार्मर शहरी क्षेत्र में एक घंटे के भीतर ठीक या बदलकर विद्युत आपूर्ति चालू की जाए और ग्रामीण क्षेत्र में दो घंटे के भीतर ट्रांसफार्मर बदलकर या मरम्मत करके बिजली की आपूर्ति की जाए।

उल्लेखनीय है कि ग्रामीणों की शिकायत पर कार्रवाई करते हुए जहां जेई को सस्पेंड किया गया है वहीं खराब ट्रांसफार्मर को भी बिजली निगम द्वारा बदल दिया गया है।

इस विमान हादसे में अब हर पहलू से जांच की जा रही है: अनिल विज

अर्थ प्रकाश संवाददाता

अंबाला, 13 जून। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री श्री अनिल विज ने अहमदाबाद में गत दिवस हुए विमान हादसे पर दुख जताते हुए कहा कि इस हादसे में अब हर पहलू से जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि दुर्घटनाग्रस्त विमान का ब्लैक-बॉक्स मिल गया है जिसमें विमान का सारा रिकॉर्ड होता है और अब जल्द ही इसका भी आंकलन भी किया जाएगा। उन्होंने कहा कि अब देश के प्रधानमंत्री और गृहमंत्री स्वयं मौके पर खड़े हैं तो हर पहलु पर जांच की जाएगी।

श्री विज आज मीडिया कर्मियों द्वारा अहमदाबाद में हुए विमान के हादसे के संबंध में पूछे गए सवाल का जवाब दे रहे थे।

ऊर्जा मंत्री श्री अनिल विज ने विमान हादसे में मारे गए लोगों के प्रति अपना शोक व्यक्त हुए कहा कि यह विमान हादसा बहुत दुखदाई घटना है क्योंकि इस हादसे में बहुत लोगों की जान चली गई है। विमान हादसे में गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपानी का जाना पार्टी और देश के लिए एक बहुत बड़ी क्षति है। श्री विज ने मृतकों के परिजनों को सांत्वना देते हुए इस दुख से जल्द बाहर निकलने की कामना भी की है।

पत्रकारों द्वारा इस विमान हादसे को लेकर विपक्ष अब जांच की मांग उठा रहा है, के संबंध में पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए ऊर्जा मंत्री ने कहा कि विपक्ष बोले या न बोले लेकिन ये एयरलाइन का प्लेन क्रैश का मामला है और इसमें हर हाल में जांच होनी ही होनी है। श्री विज ने कहा कि प्रधानमंत्री आज सारे काम छोड़कर घटनास्थल पर गए है और जगह-जगह का निरीक्षण कर रहे है और मृतकों के परिजनों से मिले है व अधिकारियों से बातचीत कर रहे है।

बदलते परिदृश्य के अनुसार बच्चों का सही लालन-पालन, शिक्षा और संरक्षण करना हमारा नैतिक दायित्व: सुषमा गुप्ता

अर्थ प्रकाश/शैलेंद्र जैन

करनाल, 13 जून। हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद की मानद महासचिव सुषमा गुप्ता ने कहा कि बच्चे हमारे राष्ट्र के भावी कर्णधार है, जिनका तेजी से बदलते परिदृश्य के अनुसार सही लालन-पालन, शिक्षा, संरक्षण करना हमारा नैतिक दायित्व है। इसलिए हर अभिभावक को बेहतर ढंग से बच्चों की देखरेख करनी चाहिए। मानद महासचिव शुक्रवार को स्थानीय मंगलसेन ऑडिटोरियम में हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय बाल पुरस्कार वितरण समारोह में बतौर मुख्य अतिथि विजेता प्रतिभागियों को संबोधित कर रही थी। मानद महासचिव ने संबोधित करते हुए आप सबके बीच आकर बेहद खुशी की अनुभूति हो रही है। उन्होंने पुरस्कार ग्रहण करने वाले बच्चों को अपनी ओर से बधाई दी और शुभकामनाएं प्रदान की। उन्होने कहा कि बच्चों को नैतिकता एवं स्वावलम्बन की न केवल शिक्षा प्रदान करें बल्कि उन्हें स्वावलंबी बनने में सहयोग भी करे। बच्चों की रूची समझकर उन्हें भविष्य का मार्ग दिखाए ताकि वे बड़े होकर एक शिक्षित और सुव्यवस्थित होकर उच्च कोटि का नागरिक बन सके। बाल कल्याण परिषद बच्चों के कल्याण के लिए हमेशा नए सृजनात्मक कार्यक्रमों को शामिल कर रहा है ताकि उनका उज्जवल भविष्य एवं जीवन सार्थक बन सके। बाल कल्याण परिषद के माध्यम से बच्चे कर रहे नाम रोशन न्मानद महासचिव सुषमा गुप्ता ने कहा कि बाल कल्याण परिषद के माध्यम से बच्चे अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर देश व प्रदेश में नाम रोशन कर रहे है। देश भक्ति गीतों के माध्यम से स्कूलों से ही बच्चों को प्रेरणा मिलती है। इसलिए हमें आगे बढने का सकंल्प लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि वर्ष 2024 में जिला स्तर पर, मंडल स्तर पर और राज्य स्तर पर आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में करीब 25 हजार बच्चों ने भाग लिया था जिसमें से 378 बच्चों को आज सम्मानित किया जा रहा है इनमें 104 लडके व 274 लड़कियां शामिल हैं। प्रतियोगिताओं के माध्यम से बच्चों को मिलता है टैलेंट दिखाने का मौका- डॉ. वैशाली शमार- समारोह में अतिविशिष्ट अतिथि के रूप में नगर निगम की आयुक्त डॉ. वैशाली शर्मा ने कहा कि वर्तमान युग प्रतिस्पर्धाओं का युग है, उन्होंने अभिभावकों से अपील करते हुए कहा कि वे अपने बच्चे के टैलेंट को पहचानें और जिस क्षेत्र में बच्चे की रूचि है उसे सपोर्ट करें।

न्यूज ब्रीफ

गांधीनगर में आयोजित हुआ नवीन संकल्प शिविर

कुरुक्षेत्र (अप्रस/राजकुमार वालिया)। सांसद नवीन जिन्दल द्वारा कुरुक्षेत्र संसदीय क्षेत्र के लोगों के लिए नवीन संकल्प शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। आज थानेसर हल्के के गांधीनगर में पहुंच कर लोगों को स्वास्थ्य लाभ पहुंचाया गया। इन शिविरों में मोबाइल मेडिकल युनिटों में, एमबीबीएस डॉक्टरों द्वारा परामर्श और जांच के बाद निःशुल्क दवाइयां वितरित की जाती है। इस मौके पर रक्त और युरिन के टेस्ट भी किये जाते हैं, साथ ही नवीन जिन्दल यशस्वी छात्रवृत्ति योजना की संपूर्ण जानकारी दी जाती हैं। सांसद नवीन जिन्दल के संसदीय कार्यालय प्रभारी धर्मवीर सिंह ने बताया कि आज के नवीन संकल्प शिविर में 33 लोगों को परामर्श और जांच के बाद निःशुल्क दवाईयां दी गई। रक्त एवं युरिन के टेस्ट के साथ-साथ अन्य सुविधाएं भी उपलब्ध कराई कराई गई। उन्होंने कहा कि सांसद नवीन जिन्दल की पहल पर नवीन संकल्प शिविर में दवाइयों, परामर्श और टेस्टों के साथ-साथ खान-पान से संबंधित स्वास्थ्यवर्धक आदतों को अपनाने के लिए भी प्रेरित किया जाता है। नवीन संकल्प शिविर में आने वाले लोगों को नवीन जिन्दल यशस्वी छात्रवृत्ति योजना का लाभ लेने के लिए सभी प्रकार की औपचारिकताओं की पूरी जानकारी भी दी जाती है।

गुरु नानक टैक्सी सर्विस ने गर्मी में बांटी राहत

कुरुक्षेत्र (अप्रस/वालिया)। गर्मी की भीषण तपिश में राहगीरों को सुकून देने के उद्देश्य से गुरु नानक टैक्सी सर्विस कुरुक्षेत्र द्वारा पिपली रोड स्थित कार्यालय के बाहर ठंडे मीठे जल की छबील का आयोजन किया गया। यह सेवा सिख पंथ के छठे गुरु श्री गुरु हरगोबिंद साहिब जी के प्रकाश पर्व को समर्पित रही। सेवा का शुभारंभ कुरुक्षेत्र ऑटो यूनियन के पूर्व प्रधान जगतार सिंह ने किया। पूर्व प्रधान जगतार सिंह ने इस नेक पहल की सराहना करते हुए कहा कि भीषण गर्मी में आमजन को राहत देने के लिए गुरु नानक टैक्सी सर्विस का यह प्रयास प्रेरणादायक है। टैक्सी सर्विस के संचालक रविन्द्र सिंह ने बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य राहगीरों और वाहन चालकों को तपती गर्मी में राहत पहुंचाना है। सेवा के दौरान राह चलते लोगों को रोक-रोककर ठंडा मीठा जल पिलाया गया, जिससे सभी ने राहत की सांस ली और सेवा भावना की सराहना की। इस पुनीत कार्य में हरप्रीत सिंह, मनजीत सिंह, आशु मान, अमरजीत सिंह, रिंकू सैनी, करतार सिंह, मलकीत सिंह समेत टैक्सी सर्विस के अन्य सदस्यों ने तन-मन से सेवा निभाई। गर्मी में यह सेवा न केवल एक सामाजिक दायित्व की मिसाल बनी, बल्कि लोगों के दिलों को भी ठंडक पहुंचाई। इस अवसर पर गुरप्रीत सिंह, गुरनाम सिंह, दिलप्रीत सिंह, रूपमीत सिंह, हरमन सिंह, हरमीत सिंह व एकनूर सिंह सहित अन्य सेवादारों ने भी जल सेवा में योगदान देकर गुरु घर की परंपरा को निभाया।

गर्मी से निजात दिलाने के लिए लगाई मीठे पानी की छबील

थानेसर (अप्रस/दलबीर मलिक)। रेलवे रोड थानेसर स्थित पंजाब फार्मेसी पर ठंडे व मीठे पानी की छबील लगाई गई जिसमें राहगीरों ने ठंडा शर्बत पीकर भीषण गर्मी से निजात पाई। रेलवे रोड के दुकानदार और अन्य समाजसेवी संगठन आते-जाते लोगों को शरबत पिलाते नजर आए। सभी ने पूरा दिन आने जाने वाले राहगीरों के लिए उत्साह एवं सेवाभाव से शरबत वितरित किया। इस अवसर पर समाजसेवी रोहित, गगन, भूषण कुमार, राजेश शर्मा, दर्शन चुघ, विकास जिंदल, गगन कोहली, अतुल जुनेजा अमित अरोड़ा, शुभम बंसल, राजेंद्र धीमान, सुशील कुमार, जतिन्द्र अग्रवाल व कुलवंत राय अश्वनी वालिया, डी आर भटनागर, राजकुमार वालिया , दलबीर मलिक ,सुशील शर्मा ,संजीव गोयल ,राजकुमार कौशिक, अमित गर्ग ,गुरदीप सिंह गुजराल ,अजय शर्मा ,गुलशन ग्रोवर इत्यादि ने जल सेवा में भाग लिया।

किसानों के बीच पहुंचे देश के जाने माने वैज्ञानिक

बुवाई का सही समय, बीज की गहराई और पोषक तत्व प्रबंधन के बारे में जानकारी दी

अर्थ प्रकाश/शैलेंद्र जैन

करनाल, 13 जून। भारतीय गेहूँ एवं जौ अनुसंधान संस्थान, के निदेशक डॉ. रतन तिवारी ने संस्थान के नोडल अधिकारी तथा प्रधान वैज्ञानिक डॉ. अनिल कुमार खिप्पल, के साथ किसानों और वैज्ञानिकों को प्रेरित करने के लिए राज्य के कई जिलों में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लिया। इस संस्थान के 44 वैज्ञानिकों ने विकसित कृषि संकल्प अभियान में भाग लिया। उन्होंने धान की सीधी बीजाई के लिए कृषि प्रथाओं के व्यापक पैकेज के बारे में किसानों को जागरूक किया, जिसमें बुवाई का सही समय, बीज की गहराई और पोषक तत्व प्रबंधन शामिल थे। फसलों की उत्पादकता और स्थिरता बढ़ाने के लिए गन्ने की फसल के साथ अंतर- फसली प्रथाओं के समग्र पैकेज की जानकारी दी गई। किसानों को धान की यांत्रिक रोपाई, रोपाई से पहले धान के बीज एवं पौध उपचार के तरीके व लाभ के प्रति जागरूक किया गया। शाकनाशी-सहिष्णु बासमती धान की नवीनतम किस्में पीबी 1979 एवं पीबी 1985 के बारे में जागरूक किया गया। ब्लास्ट् एवं ब्लाइट प्रतिरोधी धान किस्में पीबी 1847 एवं पीबी 1885 आदि को बढ़ावा देने की बात कही गई। इस जागरूकता कार्यक्रम के दौरान नाइट्रोजन आधारित उर्वरकों, विशेष रूप से यूरिया का अत्यधिक उपयोग, धान में ब्यूटाक्लोर एवं प्रीटिलाक्लोर जैसे पुराने रासायनिकों के प्रति शाकनाशी प्रतिरोध का उद्भव, धान में बाकानी (झंडा) रोग के प्रति प्रभावी प्रबंधन की रणनीतियों की आवश्यकता, धान की सीधी बीजाई (डीएसआर) में बीजों का कम अंकुरण एवं खरपतवारों का उच्च दबाव आदि प्रमुख समस्याओं पर चर्चा की गई। वैज्ञानिकों से किसानों की मांग थी कि धान, गेहूँ एवं अन्स प्रमुख फसलों की अधिक उपज देने वाली, लवणता सहिणु किस्मों का विकास, फसल विविधीकरण और समय पर बुवाई करने के लिए कम अवधि वाली धान की किस्मों की उपलब्धता, प्राकृतिक और जैविक खेती प्रणालियों के लिए उपयुक्त उच्च उपज देने वाली धान, मक्का एवं सब्जियों की किस्मों की उपलब्धता के साथ-साथ प्रभावी खरपतवार प्रबंधन के लिए फसलों में शाकनाशी प्रतिरोधी किस्में आदि विषय पर अनुसंधान कार्य किए जाएं।

कैबिनेट मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने अहमदाबाद में हुई दुर्घटना पर जताया शोक

अर्थ प्रकाश/हितेश गर्ग

नरवाना, 13 जून। कैबिनेट मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने अहमदाबाद में हुए विमान हादसे को देश को झकझोरने वाले दर्दनाक दुर्घटना बताया। उन्होंने कहा कि यह विमान हादसा बहुत की पीड़ादायक है और जिन परिवारों ने अपने परिजन खोए हैं, उनकी क्षतिपूर्ति असंभावी है।

कैबिनेट मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने शुक्रवार को स्थानीय पीडब्ल्यूडी रैस्ट हाउस में मृत जनों के प्रति अपना शोक व्यक्त किया और पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की। अपने शोक संदेश में श्री बेदी ने कहा कि होनी को कोई टाल नहीं सकता, लेकिन इससे जो पीड़ित और व्यथित होते हैं, उन्हें दुख की इस घड़ी में हमें सांत्वना देने की कोशिश करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि देश का नेतृत्व अपनी जनता के प्रति पूर्णतः संवेदनशील है और किसी भी प्रकार की मानवीय तथा प्राकृतिक त्रासदी में पीड़ित लोगों के साथ खड़ा रहने की काबिलियत रखता है। देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी स्वयं घटना स्थल पर पहुंचे हैं और गृह मंत्री अमित शाह तथा राजस्थान के मुख्यमंत्री के साथ लगातार संपर्क कर हर पल की जानकारी ले रहे हैं। हादसे के तुरंत बाद बचाव एवं राहत कार्य युद्धस्तर पर जारी हैं।

कैबिनेट मंत्री ने देश में हुई बड़ी दुर्घटना पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि एयर इंडिया के दुर्घटनाग्रस्त हवाई जहाज में सवार 241 लोगों की जान गई है, इसके अलावा विमान हादसे की वजह से देश ने काबिल एवं कार्यकुशल 7 डॉक्टरों को भी खोया है। दुर्घटनाग्रस्त क्षेत्र में भी करीब 50 से ज्यादा लोगों की जान गई है। जिससे देश में शोक की लहर है। इस दुर्घटना ने देश को झकझोर दिया है। उन्होंने कहा कि मेरा मन बहुत ज्यादा द्रवित और पीड़ित है। देश की सरकार व जनता दुख की इस घड़ी में पीड़ित परिवारों के साथ है। वे भी व्यक्तिगत रूप से आहत भावना के साथ परमात्मा से पीड़ित परिजनों को इस गहरे दुख से उभरने की शक्ति देने तथा पावन मृत आत्माओं को अपने श्री चरणों में जगह देने की विनती करते हैं।

जीवन में अच्छे कार्य के लिए रक्तदान से जुड़ी संस्थाओं से लें प्रेरणा: उपायुक्त

अर्थ प्रकाश/सुकरमपाल

रोहतक, 13 जून। उपायुक्त एवं जिला रेडक्रॉस सोसायटी के अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह ने कहा कि हमें जीवन में कोई नया कार्य करने के लिए रक्तदाताओं और रक्तदान से जुड़ी संस्थाओं से प्रेरणा लेनी चाहिए। रक्तदाता रक्तदान करके जरूरतमंद व्यक्ति को नया जीवनदान देने का कार्य करते है। इसलिए रक्तदान को महादान भी कहा गया है। उन्होंने रक्तदाताओं व रक्तदान से जुड़ी संस्थाओं को सम्मानित भी किया।धर्मेंद्र सिंह स्थानीय लघु सचिवालय स्थित सभागार में विश्व रक्तदाता दिवस के उपलक्ष में जिला रेडक्रॉस सोसायटी द्वारा आयोजित सम्मानित समारोह में उपस्थितगण को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने नियमित रूप से रक्तदान शिविर लगाने वाली सामाजिक संस्थाओं को सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि रक्तदाताओं व ऐसी संस्थाओं के कारण ही पीजीआई ब्लड बैंक में पर्याप्त रक्त उपलब्ध हो रहा है। राज्यभर से आने वाले मरीजों व अन्य जरूरतमंद व्यक्तियों को पीजीआई के रक्तकोष से रक्त उपलब्ध हो रहा है। उन्होंने कहा कि रक्तदाताओं में रक्तदान के प्रति इतना जनुनु है कि वे रक्तदान के लिए मात्र एक फोन कॉल मिलने पर ही रक्तदान के लिए पीजीआई में पहुंच जाते है। उपायुक्त धर्मेंद्र सिंह ने सामाजिक संगठनों का आह्वान किया कि वे आपसी तालमेल बनाकर रक्तदान शिविर करें ताकि वर्षभर रक्तकोष में रक्त उपलब्ध रहे ताकि थैलेसीमिया से प्रभावित मरीज, बीमार व्यक्तियों, गर्भवती महिलाओं व दुर्घटनाग्रस्त व्यक्तियों को समय पर रक्त उपलब्ध करवाकर उनकी बहुमूल्य जिंदगियों को बचाया जा सके।

इन संस्थाओं को किया गया सम्मानित: उपायुक्त धर्मेंद्र सिंह ने इस अवसर पर मां दानों देवी चैरिटेबल ट्रस्ट सांघी, आपके साथ एक नई शुरुआत, सुनो नहरों की पुकार मिशन, हम और आप सोशल वेलफेयर सोसाइटी, भागराम ट्रस्ट गोहाना, मुनींद्र धर्मार्थ ट्रस्ट सतलोक आश्रम गोहाना, श्रीमद् शंकर स्वामी विश्व देवानंद तीर्थ धर्म ट्रस्ट, राष्ट्र देवः भवः मिशन, सुंदर जेटली, भारत विकास परिषद हरियाणा मध्य, सावन कृपाल रूहानी मिशन, संत निरंकारी मंडल कलानौर, रक्तदान सेवा संस्थान, वाई आर सी कोऑर्डिनेटर अंजू धीमान, लाइंस क्लब ऑन, लायंस क्लब आस्था, सतीश सुनेजा जन सेवा समिति, रक्तदाता तस्वीर हुड्डा, जेपी गॉड, अजय हुड्डा, चिराग बेरी, सुरेंद्र विश्वास, डॉ. गोपाल कृष्ण, बाबा सुखा साह, सुनील जैन, पंकज कोचर, राजेश कुमार खेड़ा, मधु कांत, अंजू धीमान, महेंद्र गुगनानी, सुभाष गुप्ता, बसंत गिरधर को प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर रेडक्रॉस सचिव श्याम सुंदर, जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी राजपाल चहल, जिला सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी संजीव सैनी, प्रोजेक्ट मैनेजर प्रीति, तान्या, रेडक्रॉस वॉलिंटियर फरूटी, पिंकी सहित अनेक वालंटियर उपस्थित थे।

सरकार तीन इंजनों की होने के बावजूद भी टोहाना के लोग बिजली पानी को तरसे

अर्थ प्रकाश/संजीव सिंगला

टोहाना, 13 जून। हरियाणा प्रदेश व भारत में भारतीय जनता पार्टी अपने कार्यों को बड़ा चढ़कर गांव-गांव में हर शहरों में बड़े-बड़े होल्डिंग्स पर गिनवाती दिखाई देती है पर धरातल में टोहाना शहर में भीषण गर्मी के कुछ दिनों में ही टोहाना क्षेत्र में बिजली व पानी के लिए आमजन सभी शहर निवासी वह हर वार्ड के लोग बिजली पानी की समस्या से त्रस्त हैं। सभी की जुबान पर यह ही बात है कि 11 वर्ष में क्या यह ही काम भारतीय जनता पार्टी ने किया है कि थोड़ी सी गर्मी पढ़ते ही जल विभाग व बिजली विभाग के हाथ पैर फूल गए। हर रोज भारतीय जनता पार्टी के उच्च शीर्ष के नेता इन विभागों को करोड़ों रुपए की ग्रांट देते हुए दिखाई देते हैं इतनी भीषण गर्मी में सारी सारी रात बिजली आंख में चोली का खेल खेलती हुई दिखाई देती है और सारा सारा दिन भी बिजली गायब रहती है खाने को टोहाना शहर नहरो की नगरी है पर लोगों के घर पीने का भी पानी नहीं है जल विभाग में हर साल सरकार करोड़ों रुपए की ग्रांट जारी करती है और आने वाले कई कई सालों के लिए जल भराव के वादे करती है पर थोड़ी सी गर्मी पढ़ते ही सारे शहर में पीने के पानी का संकट मुंह आड़े दिखाई देता है शहर में बिजली के 12 12 घंटे कट लगाए जा रहे हैं लोगों को यह लगने लग गया है कि जैसे हम बरसों पुराने युग में चले गए हैं बिजली घर के कंप्लेंट नंबरों का भी बहुत बुरा हाल है कितनी बार भी आप अपनी कंप्लेंट दर्ज करवा लो कोई भी सुनने वाला नहीं है लोगों का यह भी कहना है कि सरकार जानबूझ कर कर टोहाना के लोगों को सबक सिखाना चाहती है कि विपक्ष को वोट डालने से कितना फर्क पड़ता है हर क्षेत्र में टोहाना का राजनीतिक हरण किया जा रहा है।

सरकार की जन कल्याणकारी नीतियों व उपलब्धियों को दर्शाती भव्य प्रदर्शनी: उपायुक्त

अर्थ प्रकाश/सुभाष जैन

पानीपत, 13 जून। सूचना, जनसम्पर्क एवं भाषा विभाग द्वारा सरकार के 11 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में जिला सचिवालय में केंद्र व राज्य सरकार की सामूहिक उपलब्धियों को प्रदर्शित करने को लेकर लगाई गई प्रदर्शनी दूसरे दिन भी आम व्यक्ति के लिए आकर्षण का केन्द्र रही और जिला सचिवालय में आने वाले नागरिकों ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया। लोगों का दिन भर उपलब्धियों से भरी प्रदर्शनी को देखने के लिए जमावड़ा लगा रहा। विदित रहे की प्रदर्शनी का वीरवार को हरियाणा कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल ने विधिवत रूप से उद्घाटन किया व केन्द्र सरकार के 11 वर्ष पूरे होने पर आम जन को बधाई दी।

उपायुक्त डॉ. विरेंद्र कुमार दहिया ने बताया कि व केंद्र सरकार की उपलब्धियों को बहुत ही शानदार तरीके से प्रदर्शित किया गया है। हर क्षेत्र का बारिकी से हवाला प्रदर्शनी के माध्यम से दिया गया था। सचिवालय में पहुंचने वाले जिले के नागरिक प्रदर्शनी का अवलोक कर सरकार की नीतियों की चर्चा करते हुए नजर आ रहे थे। दिन भर यह प्रदर्शनी लोगों के आकर्षण का केंद्र बनी रही।

उपायुक्त डॉ. विरेन्द्र कुमार दहिया ने बताया कि सरकार के 11 वर्ष उपलब्धियों को लेकर यह प्रदर्शनी लगाई गई । प्रदर्शनी के माध्यम में जिले के नागरिक सरकार द्वारा किये गये विकास कार्यो की जानकारी ले सकते हैं व इसे एक दूसरे के साथ सांझा कर सकते हैं। विदित रहे की प्रदर्शनी में सरकार की उपलब्धियों में हर वर्ग का विशेष ख्याल रखा गया है। मध्यम वर्ग के परिवार का जीवन खुशहाल रहा है इस पर भी प्रकाश डाला गया। प्रदर्शनी में पीएम आवास योजना के तहत उपलब्ध कराये जा रहे शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र के आवास की भी जानकारी दी गई है। डीजी लॉकर उड़ान योजना के लाभ पर भी रोशनी डाली गई है।

हर व्यक्ति को कम से कम एक पौधा जरूर लगाना चाहिये: शिक्षा मंत्री

शिक्षा मंत्री ने उग्राखेड़ी गांव में पौधारोपण कर जिले को हरा भरा रखने का दिया संदेश

अर्थ प्रकाश/सुभाष जैन

पानीपत, 13 जून। हरियाणा के शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा ने शुक्रवार को जिले के गांव उग्राखेड़ी में संकल्प से सिद्धि की और व सफाई अभियान के तहत विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ पौधारोपण किया व साफ-सफाई कर लोगों को नियमित रूप से सफाई करने का संदेश दिया। शिक्षा मंत्री ने कहा कि साफ सफाई हमारे जीवन का हिस्सा होना चाहिये। इसमें हमें किसी भी प्रकार की कौताही नहीं बरतनी चाहिये। गांव के विकास को लेकर राज्य सरकार गंभीरता से कार्य कर रही है। हर गांव का सम्मानतर रूप से विकास किया जा रहा है। उन्होंने कई अन्य स्थानों पर भी पौधारोपण किया। उन्होंने कार्यक्रम में बच्चों के साथ संवाद भी किया। प्रशासनिक अधिकारियों और ग्राम पंचायत द्वारा गांव में पहुंचने पर मंत्री का बुके देकर जोरदार तरीके से स्वागत किया गया। मंत्री ने गांव की साफ -सफाई की प्रशंसा की व गांव के सफाई कर्मचारियों और वरिष्ठ नागरिकों के कार्य को देखते हुए उन्हें सम्मानित किया।

मंत्री महिपाल ढांडा ने अपने इस कार्यक्रम के दौरान कई अन्य स्थानों पर भी पौधारोपण किया व विकास कार्यो को लेकर अपने निजि कोष से चार लाख रूपये की राशि खर्च करने की घोषणा की। इसमें एक लाख रूपये की राशि क्रिकेट पिच बनाने, एक लाख रूपये की राशि स्टेडियम एसोसिएशन द्वारा मैंटेनेंस करने और दो लाख रूपये की राशि वरिष्ठ सिटिजन कल्ब को विकासात्मक कार्यो पर खर्च करने की घोषणा की।

शिक्षा मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश आर्थिक रूप से मजबूत व सशक्त हो रहा है। आतंकवाद पर शिकंजा कसने के लिए ऑप्रेशन सिन्दूर के तहत जो कार्यवाही की है उससे भी आतंकवाद के फन को कुचला जा सकता है। यह ऑप्रेशन सिन्दूर भविष्य में भी जारी रहेगा। उन्होंने सरकार द्वारा 24 फसलों पर एमएसपी देने की बात करते हुए कहा कि सरकार हमेशा किसान के हित में निर्णय लेती है। किसानों की फसल की 72 घण्टे में पेमेंट करना भी अपने आप में एक उदाहरण है।

अतिरिक्त उपायुक्त डॉ. पंकज ने इस मौके पर कहा कि जितनी ज्यादा संख्या में हम पौधारोपण करेंगे उतना ही हमें इसका लाभ मिलेगा। हमें फलदार व छायादार पौधों को लेकर एक-एक पौधा अपनी मॉं व धरती मॉं के नाम पर लगाना चाहिए। अतिरिक्त उपायुक्त ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल मार्गदर्शन में एक पेड़ मॉं के नाम अभियान की शुरूआत की गई थी जिसके तहत जिले में बड़ी संख्या में पौधारोपण किया गया। स्कूलों, ग्रामीण क्षेत्रों में इस वर्ष भी पौधारोपण किया जा रहा है। दो लाख से ज्यादा जिले में निःशुल्क पौधे वितरित किए जा रहे हैं। सामाजिक संगठनों को भी पौधारोपण के लिए आगे आना चाहिए।

कृष्ण पिंगल संकष्टी चतुर्थी व्रत आज, व्रत व पूजन से मिलेगी संकटों से मुक्ति

ज्योतिष, अमन राजन

हिंदू धर्म में गणपति बप्पा का विशेष स्थान है। विघ्नहर्ता, बुद्धिदाता, मंगलकर्ता गणेश जी को प्रसन्न करने के लिए मासिक चतुर्थी व्रत का विधान है, जिसे संकष्टी चतुर्थी कहा जाता है। यह व्रत प्रत्येक माह कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि को रखा जाता है। इस व्रत में विशेष रूप से रात्रि में चंद्रमा दर्शन के बाद व्रत का पारण किया जाता है। संकष्टी चतुर्थी के कई प्रकार होते हैं और प्रत्येक में एक विशेष नाम और कथा होती है। इन्हीं में से एक है 'कृष्ण पिंगल संकष्टी चतुर्थी', जो विशेष फलदायक और संकटों से मुक्ति देने वाला माना गया है।

कृष्ण पिंगल संकष्टी चतुर्थी क्या है?

कृष्ण पिंगल संकष्टी चतुर्थी, संकष्टी चतुर्थी का ही एक स्वरूप है, जो विशेषतः कृष्ण पक्ष की चतुर्थी को आती है और इसका नाम 'कृष्ण पिंगल' होता है। 'कृष्ण' शब्द दर्शाता है कि यह चतुर्थी अमावस्या की ओर अग्रसर होती है और 'पिंगल' गणेश जी के एक विशेष स्वरूप को व्यक्त करता है।

इस दिन व्रती गणेश जी के कृष्ण पिंगल रूप की पूजा करते हैं और उनकी विशेष कथा सुनते हैं। व्रत रखने से संकटों से मुक्ति मिलती है, संतान सुख प्राप्त होता है और जीवन में शांति व समृद्धि आती है।

व्रत का महत्वः

संकटों का नाशः संकष्टी चतुर्थी का शाब्दिक अर्थ है- 'संकट का क्षय करने वाली चतुर्थी'। यह दिन विशेष रूप से जीवन के कष्टों और विघ्नों को दूर करने में सहायक होता है।

गणेश कृपा प्राप्त होती हैः जो भक्त इस दिन विधिवत व्रत रखते हैं और गणेश जी की आराधना करते हैं, उन्हें ज्ञान, बुद्धि, सुख और समृद्धि की प्राप्ति होती है।

मनोकामना पूर्तिः यह व्रत श्रद्धा से रखने पर व्यक्ति की सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं, विशेषकर संतान सुख की प्राप्ति के लिए यह व्रत अत्यंत प्रभावशाली माना गया है।

व्रत की विधि

पूर्व संकल्पः व्रत से एक दिन पहले ही संकल्प लिया जाता है कि अगले दिन भगवान गणेश के लिए व्रत रखा जाएगा।

निर्जल उपवासः भक्त दिनभर निर्जल या फलाहार रहकर व्रत करते हैं। कुछ लोग सिर्फ जल ग्रहण करते हैं और कुछ फलाहार के साथ व्रत का पालन करते हैं।

पूजन विधिः प्रातःकाल स्नान के बाद स्वच्छ वस्त्र धारण करें।

गणेश जी की मूर्ति या चित्र को लाल या पीले वस्त्र पर विराजित करें।

रोली, अक्षत, दूर्वा, मोदक, फूल, धूप, दीप आदि से पूजन करें।

गणेश जी को 21 दूर्वा अर्पित करना विशेष पुण्यकारी माना गया है।

'ॐ गं गणपतये नमः' मंत्र का 108 बार जाप करें।

व्रत कथा सुनें या पढ़ें (विशेषतः कृष्ण पिंगल संकष्टी की कथा)।

चंद्र दर्शन व अर्घ्य

रात्रि को चंद्रमा के दर्शन करने के बाद उन्हें जल, अक्षत व दूध से अर्घ्य दिया जाता है। इसके पश्चात व्रत का पारण किया जाता है।

कृष्ण पिंगल संकष्टी चतुर्थी की कथाः

पौराणिक कथा के अनुसार एक समय देवराज इंद्र ने अपने ऐश्वर्य के अहंकार में आकर ब्रह्मा और विष्णु से भी बड़ा समझ लिया। तब भगवान शंकर ने गणेश जी को एक विशेष रूप में उत्पन्न किया जिसे कृष्ण पिंगल गणेश कहा गया।

जब इंद्रदेव की सभा में एक बार अप्सरा रंभा गणेश जी के इस अद्भुत रूप को देखकर उनका उपहास करती है, तो गणेश जी उसे शाप दे देते हैं कि वह पृथ्वी पर जाकर मनुष्य रूप में जन्म लेगी और तभी उसका उद्धार होगा जब कोई संकट में पड़ा हुआ व्यक्ति संकष्टी व्रत करेगा।

कुछ काल बाद एक निर्धन ब्राह्मण कन्या जिसे कोई वर नहीं मिल रहा था, उसने इस व्रत को किया और गणेश जी की कृपा से उसका विवाह एक राजकुमार से हुआ। उसी दिन रंभा का भी उद्धार हुआ।

इस कथा से यह संदेश मिलता है कि संकष्टी चतुर्थी विशेषतः कृष्ण पिंगल चतुर्थी व्रत श्रद्धा से करने पर सभी संकट दूर होते हैं।

विशेष मंत्र

व्रत के दिन गणेश जी के इन मंत्रों का जाप करना अत्यंत लाभकारी होता हैः

गणपति बीज मंत्रः

ॐ गं गणपतये नमः।

गणेश गायत्री मंत्रः

ॐ एकदन्ताय विद्महे वक्रतुण्डाय धीमहि।
तन्नो दंती प्रचोदयात्॥

विघ्नहर्ता मंत्रः

वक्रतुण्ड महाकाय सूर्यकोटि समप्रभ।
निर्विघ्नं कुरु मे देव सर्वकार्येषु सर्वदा॥

गणेश जी को प्रिय भोग

इस दिन भगवान गणेश को प्रिय भोग अर्पित किए जाते हैः

मोदक- गणेश जी का सबसे प्रिय व्यंजन।

तिल गुड़ के लड्डू- खासतौर पर सर्दियों में चढ़ाए जाते हैं।

पान के पत्ते, दूर्वा घास और लाल फूल।

गुड़ और चने- यह जोड़े में अर्पित किया जाता है।

कृष्ण पिंगल संकष्टी चतुर्थी व्रत गणेश जी के कृपा प्राप्त करने का एक अत्यंत प्रभावशाली और सरल माध्यम है। श्रद्धा, आस्था और निष्ठा से किया गया यह व्रत जीवन की अनेक बाधाओं को दूर कर देता है। यह न केवल धार्मिक दृष्टि से बल्कि मानसिक, सामाजिक और आत्मिक स्तर पर भी लाभकारी होता है।

गणेश जी को 'संकटनाशक' कहा गया है और इस दिन उनका स्मरण और पूजन जीवन को संकटों से मुक्त करता है। अतः प्रत्येक श्रद्धालु को यह व्रत पूर्ण श्रद्धा और विश्वास के साथ करना चाहिए।

कृष्णपिङ्गल संकष्टी चतुर्थी शुभ मुहूर्तः वैदिक पंचांग के अनुसार, 14 जून को दोपहर 03 बजकर 46 मिनट पर आषाढ़ माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि शुरू होगी। वहीं, 15 जून को दोपहर 03 बजकर 51 मिनट पर आषाढ़ माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि का समापन होगा। तिथि गणना से 14 जून को कृष्णपिङ्गल संकष्टी चतुर्थी मनाई जाएगी। आषाढ़ माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि पर चन्द्रोदय का शुभ समय 10 बजकर 07 मिनट है।

॥ अथ श्री गणेशाष्टकम् ॥
श्री गणेशाय नमः।
सर्वे उचुः।

यतोऽनन्तशक्तेरनन्ताश्च जीवायतो निर्गुणादप्रमेया गुणास्ते।
यतो भाति सर्वं त्रिधा भेदभिन्नंसदा तं गणेशं नमामो भजामः॥1॥

यतश्चाविरासीज्जगत्सर्वमेतत्तथाऽब्जासनोविश्वगो विश्वगोप्ता।
तथेन्द्रादयो देवसङ्घा मनुष्याःसदा तं गणेशं नमामो भजामः॥2॥

यतो वह्निभानू भवो भूर्जलं चयतः सागराश्चन्द्रमा व्योम वायुः।
यतः स्थावरा जङ्गमा वृक्षसङ्घासदा तं गणेशं नमामो भजामः॥3॥

यतो दानवाः किन्नरा यक्षसङ्घायतश्चारणा वारणाः श्वापदाश्च।
यतः पक्षिकीटा यतो वीरूधश्चसदा तं गणेशं नमामो भजामः॥4॥

यतो बुद्धिरज्ञाननाशो मुमुक्षोर्यतःसम्पदो भक्तसन्तोषिकाः स्युः।
यतो विघ्ननाशो यतः कार्यसिद्धिःसदा तं गणेशं नमामो भजामः॥5॥

यतः पुत्रसम्पद्यतो वाञ्छितार्थोयतोऽभक्तविघ्नास्तथाऽनेकरूपाः।
यतः शोकमोहौ यतः काम एवसदा तं गणेशं नमामो भजामः॥6॥

यतोऽनन्तशक्तिः स शेषो बभूवधराधारणेऽनेकरूपे च शक्तः।
यतोऽनेकधा स्वर्गलोका हि नानासदा तं गणेशं नमामो भजामः॥7॥

यतो वेदवाचो विकुण्ठा मनोभिःसदा नेति नेतीति यत्ता गृणन्ति।
परब्रह्मरूपं चिदानन्दभूतंसदा तं गणेशं नमामो भजामः॥8॥

॥ फल श्रुति ॥
श्रीगणेश उवाच।
पुनरूचे गणाधीशःस्तोत्रमेतत्पठेन्नरः।
त्रिसन्ध्यं त्रिदिनं तस्यसर्वं कार्यं भविष्यति॥9॥

यो जपेदष्टदिवसंश्लोकाष्टकमिदं शुभम्।
अष्टवारं चतुर्थ्यां तुसोऽष्टसिद्धिरवानप्नुयात्॥10॥

यः पठेन्मासमात्रं तुदशवारं दिने दिने।
स मोचयेद्बन्धगतंराजवध्यं न संशयः॥11॥

विद्याकामो लभेद्विद्यांपुत्रार्थी पुत्रमाप्नुयात्।
वाञ्छितांल्लभतेसर्वानेकविंशतिवारतः॥12॥

यो जपेत्परया भक्तयागजाननपरो नरः।
एवमुक्तवा ततोदेवश्चान्तर्धानं गतः प्रभुः॥13॥

॥ इति श्रीगणेशपुराणे उपासनाखण्डे श्रीगणेशाष्टकं सम्पूर्णम् ॥

विश्व शांति एवं राष्ट्रहित की कामना से भीषण गर्मी के बीच चल रही अग्नि तपस्या का हुआ समापन, मुख्यमंत्री के सचिव तरुण भंडारी भी पहुंचे

राष्ट्रहित में 41 दिन की अग्नि तपस्या के समापन पर हुआ विशाल भंडारे और रात्रि जागरण का आयोजन, भारी संख्या में पहुंचे श्रद्धालु

अर्थ प्रकाश/राजकुमार वालिया

कुरुक्षेत्र, 13 जून। भीषण गर्मी के मौसम में तेज आग की लपटों के ढेरों के बीच बैठने की कोई आम आदमी सोच भी नहीं सकता है लेकिन धर्मनगरी के जग ज्योति दरबार में गद्दीनशीन महंत राजेंद्र पुरी पिछले करीब दो दशक से 41 दिनों की भीषण गर्मी में आग की धूणी (ढेरों) के बीच अग्नि तपस्या करते हैं। महंत राजेंद्र पुरी की जनकल्याण, विश्व शांति एवं राष्ट्रहित के लिए 41 दिन की अग्नि तपस्या का शुक्रवार को सुबह विधिवत समापन हुआ। इस मौके पर हरियाणा के मुख्यमंत्री के सचिव तरुण भंडारी, हरियाणा सरकार में मंत्री कृष्ण बेदी के पुत्र कर्ण प्रताप सिंह सहित सैकड़ों साधु-संत और हजारों श्रद्धालु जग ज्योति दरबार में पहुंचे। तपस्या के समापन पर आयोजित आशीर्वाद एवं आध्यात्मिक सत्संग कार्यक्रम में श्री महंत

बंशी पुरी, महंत सुखदेव पुरी, महंत सर्वेश्वरी गिरी, महंत चमन पुरी, कोस्की गिरी साध्वी, साध्वी देवा ठाकुर, महंत जगन्नाथ पुरी, महंत तरण दास, महंत विजय गिरी, महंत शिव पुरी, देव पुरी, महंत रमन पुरी, विद्यानंद सरस्वती, स्वामी महेंद्र दास, महंत सुनील दास, महंत लक्ष्मी नारायण पुरी, स्वामी हरी ओम परिव्राजक, परमहंस ज्ञानेश्वर दास, महंत इंद्र पुरी सहित सैंक?ों संत महापुरुष मौजूद रहे। संत महापुरुषों ने भंडारे में प्रसाद ग्रहण किया व श्रद्धालुओं को आशीर्वाद दिया। इस मौके पर वीरवार की रात्रि भव्य जागरण का आयोजन किया गया। इससे पूर्व अनुष्ठान की समाप्ति पर हवन यज्ञ भी हुआ। जग ज्योति दरबार को रंगीन रोशनियों से सजाया गया। साथ ही भव्य कव्वालियों तथा भजनों का भी आयोजन हुआ। इस अवसर पर भारी संख्या में दरबार में श्रद्धालु पहुंचे। महंत राजेंद्र पुरी ने बताया कि उनके परिवार की चौथी पी?ी इस कड़े तप को कर रही है। इस भीषण गर्मी के बीच आग में बैठने के साहस बारे उन्होंने बताया कि यह तपस्या केवल वे जनकल्याण के लिए करते हैं। वह 44-45 डिग्री तापमान में जनकल्याण के लिए हर वर्ष अग्नि तपस्या करते हैं। उन्होंने बताया कि यहां आने वाले सभी श्रद्धालुओं की मनोकामनाएं पूर्ण होती है। इस तपस्या के लिए प्रभु कृपा होती है और हमारा कर्म होता है। जग ज्योति दरबार में कोई खाली हाथ वापिस नहीं लौटता है। महंत राजेंद्र पुरी ने कहा कि प्रभु इच्छा से ही जीवन के सभी कार्य होते हैं और यह भीषण गर्मी में आग की धूणी के बीच तपस्या भी प्रभु कृपा से सम्भव है। उन्होंने बताया कि वे केवल जनकल्याण, विश्व शांति एवं राष्ट्रहित के लिए ही तपस्या करते हैं। हमारा भारतवर्ष हमेशा तरक्की करे। महंत राजेंद्र पुरी ने कहा कि प्रत्येक भारतीय के मन में केवल राष्ट्रवाद होना चाहिए। अगर राष्ट्र है तो तभी हम सब नागरिक हैं। हमें अपने बुजुर्गों की सेवा करनी चाहिए और सामाजिक कुरीतियों को दूर करना चाहिए। महंत राजेंद्र पुरी ने बताया कि जग ज्योति चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा दरबार के आशीर्वाद से गरीब कन्याओं का विवाह, गौ सेवा, गरीबों और असहाय लोगों को अन्न तथा राशन वितरित किया जाता है। उन्होंने कहा कि ऐसी कामना है कि सभी लोगों को सुख के दिन मिलें।

पंचांग

शनिवार, 14 जून, 2025

सूर्योदय 05:20 ए एम सूर्यास्त 07:27 पी एम चन्द्रोदय 10:14 पी एम चन्द्रास्त 07:40 ए एम शक सम्वत1947 विश्वावसु विक्रम सम्वत 2082 कालयुक्त गुजराती सम्वत 2081 नल अमान्त महीना ज्येष्ठ पूर्णिमान्त महीना आषाढ़ वार शनिवार पक्ष कृष्ण पक्ष तिथि तृतीया - 03:46 पी एम तक नक्षत्र उत्तराषाढ - 12:22 ए एम, जून 15 तक योग ब्रह्म - 01:13 पी एम तक करण विष्टि - 03:46 पी एम तक द्वितीय करण बव - 03:51 ए एम, जून 15 तक प्रविष्टे/गते 31 सूर्य राशि वृषभ चन्द्र राशि धनु - 05:38 ए एम तक राहुकाल 08:51 ए एम से 10:37 ए एम गुलिक काल 05:20 ए एम से 07:05 ए एम यमगण्ड 02:09 पी एम से 03:55 पी एम अभिजित मुहूर्त 11:55 ए एम से 12:51 पी एम दुर्मुहूर्त 05:20 ए एम से 06:16 ए एम दुर्मुहूर्त 06:16 ए एम से 07:13 ए एम अमृत काल 05:41 पी एम से 07:21 पी एम वर्ज्य 07:41 ए एम से 09:21 ए एमवर्ज्य04:28 ए एम, जून 15 से 06:06 ए एम, जून 15

भविष्य फल

मेषः आज का दिन आपके लिए मिश्रित रूप से फलदायक रहने वाला है। संतान की संगति पर आपको विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है।

वृषः आज का दिन आपके लिए सकारात्मक परिणाम लेकर आएगा। व्यापार में मंदी के कारण आप परेशान रहेंगे।

मिथुनः कार्यक्षेत्र में आपके ऊपर कोई सहयोगी झूठा आरोप लगा सकता है, इसलिए आपको थोड़ा ध्यान देना होगा। परिवार में किसी सदस्य की सेहत को लेकर आपको टेंशन रहेगी।

कर्कः आज का दिन आपके लिए खर्चों भरा रहने वाला है। आपको अपने बजट को ध्यान में रखकर खर्च करना होगा, तभी आप भविष्य के लिए कुछ सेविंग कर पाएंगे।

सिंहः आज का दिन आपके लिए आर्थिक दृष्टिकोण से अच्छा रहने वाला है। घर-परिवार में आपको थोड़ा संयम रखकर कामों को करने की आवश्यकता है।

कन्याः आज का दिन आपके लिए प्रभाव और प्रताप में वृद्धि लेकर आने वाला है। आपकी कुछ नए लोगों से जान पहचान बढ़ेगी। नौकरी की तलाश में लगे लोगों को भी कोई अच्छा अवसर मिल सकता है।

तुलाः आपकी कोई पुरानी गलती परिवार के सदस्यों के सामने आ सकती है। प्रेम जीवन जी रहे लोगों की अपने साथी से खूब पटेगी।

वृश्चिकः आज का दिन आपके लिए सुख सुविधाओं में वृद्धि लेकर आएगा। धर्म कर्म के कार्यों में आपकी काफी रुचि रहेगी। आपके घर किसी अतिथि का आगमन होने से माहौल खुशनुमा रहेगा।

धनुः आज का दिन आपके लिए आनंदमय रहने वाला है। आपको छुटपुट लाभ के अवसर मिलेंगे। आपके घर किसी पूजा-पाठ का आयोजन होने से परिवार के सभी सदस्य एकजुट नजर आएंगे।

मकरः आज आपकी सेहत कमजोर रहेगी और आपके ऊपर काम का दबाव अधिक रहने से आप काफी व्यस्त भी रहेंगे।

कुंभः आप अपने सुख-साधनों में वृद्धि करने की कोशिश में लगे रहेंगे और कोई कानूनी मामला भी सुलझेगा, जो आपको खुशी देगा, लेकिन आप किसी को धन उधार देने से बचें।

मीनः आज का दिन आपके लिए लेनदेन के मामले में सावधान रहने के लिए रहेगा। साझेदारी में कोई काम करने से आपको अच्छी सफलता मिलेगी।

महापुरुष इस मन को अर्पित करता है

सद्गुरु माता सुदीक्षा जी महाराज

जिस तरह से एक लालटेन के ऊपर कोई पतंगा, कोई कीड़ा बैठा हुआ है। उस पतंगे का अक्स, उसकी परछाई, सामने दीवार के ऊपर पड़ती है। अगर हम कहें कि उस दीवार पर बैठे पतंगे को हटाना है और हम कोई झाड़ू ले लें, कोई सोटी (डंडा) ले लें या हाथ से ही उसे हम दीवार से हटाना चाहें, तो वह नहीं हटेगा, वह वहीं पर रहेगा। क्योंकि वह पतंगा दीवार पर नहीं बैठा हुआ है, वह लालटेन पर बैठा हुआ है। उसे लालटेन से हटाएंगे तो वह खुद-ब-खुद दीवार से भी हट जाएगा।

इसी तरह से जो भी लालसाएं, तृष्णाएं हैं, ये मन में बैठी हुई हैं। मन में ही अभिमान होता है, मन ही सचिंत होता है। बैठे कहीं होते हैं, यह मन कहां की सोच रहा होता है, कहां पर इसका ध्यान लगा होता है। महापुरुष इस मन को अर्पित करता है। हम चाहे कुछ भी अर्पित कर देते हैं, दान पुण्य भी कर देते हैं, लेकिन मन में अभिमान बना हुआ है, तो महापुरुषों ने कहा-

कबीर माया तजिआ, मानु तजिआ न जाई।

अगर सब कुछ अर्पित कर दिया, लेकिन मन का ये अभिमान बना रहा तो कुछ भी बनने वाला नहीं। हमें मन को समझाना है। अगर हम मन को अपने फर्जों की अदायगी करते हुए एक प्रभु के साथ जोड़ लेते हैं, तो हम फिर भी निर्लिप्त रह सकते हैं, एक निर्लेप अवस्था वाले हो सकते हैं। माया में मन ही फंसा करता है। शरीर तो खुद ही माया का पुतला है। इसीलिए सन्तों ने कहा है कि-

जो किछु किया सो मन कीआ मूंडा मूंडु आ जाइ।

अगर इस मन के ऊपर हम हावी नहीं, तो फिर यह ऐसे नाच नचाता है, जैसे बेलगाम का घोड़ा। जिस घोड़े के लगाम नहीं होती, वह घोड़ा हावी होता है और सवार उसके अधीन होता है, लेकिन जिसकी लगाम है और सवार का लगाम पर कंट्रोल है, तो फिर सवार हावी होता है और घोड़ा उसकी मर्जी के मुताबिक चलता है।

सांसारिक त्याग की भावना तो ऐसी है, जैसे यह कहनाकि घोड़े से गिरने का खतरा होता है, अत~ घोड़े की छुट्टी करो। लेकिन घोड़ा एक अच्छी सवारी भी है, घोड़ा हमारे कई काम भी करता है, उसे त्यागना नहीं है, घोड़े को कंट्रोल मे रखना है। तभी महापुरुष कहते हैं कि यह ज्ञान समझे खम्भा है, और मन है बन्दर। बन्दर कहीं भी जा सकता है, लेकिन अगर ब्रह्मज्ञान रूपी खम्भे से बन्दर को बांध दो, तो वह बन्दर वहीं बैठ जाता है। मन को वश करने के लिए ही हमें साधसंगत की आवश्यकता होती है। हमारा ध्यान इस दातार के साथ जुड़ा रहे। जब हम साधसंगत से दूर हो जात हं, तो यह मन भी पदार्थ की तरफ खिंच कर सांसारिक दृष्टि वाला बन जाता है। सन्तों की संगति मन को ऊँचा करती है, क्योंकि यहां पर ऊँची मति प्राप्त होती है, ऊँची भावनाएं हमें सीखने को मिलती है। संसार में तो मति को नीचे गिराना सिखाया जाता है, अभिमान करना सिखाया जाता है। जब ऐसी भावनाएं मानव की बनती हैं, तो फिर यह मन भी उसी तरह की वृत्ति रखने वाला बन जाता है। इसको फिर कष्ट सहना पड़ता है, इसकी बेचैनी बनी रहती है।

मन में प्रभु रहते हैं तो यह शांत हो जाता है, लेकिन जब इसमें संसार रहता है तो मन अशान्त होता है। लोग कहते हैं कि मानव खाली हाथ ही जग में आया और खाली ही चला जाएगा। खाली भले ही आया है लेकिन इस नाम धन को साथ लेकर जा सकता है। इस हरि-परमात्मा, इस लाल को साथ लेकर जा, जिसके प्राप्त करने से लोक भी सुखी हो जायेगा और परलोक भी सुहेला हो जाएगा। ईश्वर जानने योग्य है, इसी को जानना है, इसी की पहचान करनी है। इसकी प्राप्ति के लिए तुझे कहीं वीरानों में नहीं जाना है, तुझे कहीं कन्दराओं में नहीं जाना है। भगवान कृष्ण जी जब अर्जुन को विराट स्वरूप दिखा रहे हैं, उसके

इग्नू में जुलाई 2025 सत्र दाखिलों के लिए पोर्टल खुला: डॉ धर्म पाल

प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के साथ साथ कर सकते है इग्नू से पढ़ाई

अर्थ प्रकाश/शैलेंद्र जैन

करनाल, 13 जून। इग्नू के क्षेत्रीय निदेशक डॉ धर्म पाल ने जानकारी देते हुए बताया की इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्विद्यालय (इग्नू) में जुलाई 2025 सत्र के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। जो लोग कौशल आधारित और ज्ञान आधारित शिक्षा लेना चाहते है उनके लिए इग्नू सबसे उपयुक्त विश्वविद्यालय है ढ्ढ इग्नू का उद्देश्य विद्यार्थियों का ज्ञान वर्धन करके उनके लिए उत्थान के समान अवसर उपलब्ध करवाना है ढ्ढ इग्नू रिमोट एरिया, गांव देहात के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा पहुंचाने का कार्य कर रही है ढ्ढ ऐसे विद्यार्थी जो किसी भी कारण से रेगुलर कॉलेज और विश्विद्यालय में नहीं जा सकते तो ऐसे विद्यार्थी आसानी से इग्नू के माध्यम से पढ़ाई कर डिग्री हासिल कर सकते हैं। जॉब करने वाले कैंडिडेट भी आसानी से दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से अपनी उच्च शिक्षा जारी रख सकते हैं और इग्नू के किसी भी पाठ्यक्रम में एडमिशन ले सकते है ऐसे इच्छुक विद्यार्थी जिनको प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करनी उनके लिए इग्नू की दूरस्थ शिक्षा प्रणाली एक उपयुक्त प्लेटफार्म है डॉ धर्म पाल ने बताया की इच्छुक विद्यार्थी इग्नू द्वारा संचालित लगभग 350 तरह के सर्टिफिकेट, पीजी सर्टिफिकेट, डिप्लोमा, पीजी डिप्लोमा, बैचलर्स और पोस्ट ग्रेजुएट के विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए ऑनलाइन लिंक पर अप्लाई कर सकते हैं। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ( ) के निर्देशानुसार, ओडीएल /ऑनलाइन कार्यक्रम में आवेदन करने के इच्छुक उम्मीदवारों के लिए डीईबी आईडी बनाना अनिवार्य है। यूजीसी-डीईबी सार्वजनिक सूचना के अनुसार, अब प्रत्येक शिक्षार्थी (अंतर्राष्ट्रीय शिक्षार्थियों को छोड?र) के लिए किसी भी ओपन एंड डिस्टेंस लर्निंग (ओडीएल) या ऑनलाइन (ओएल) पाठ्यक्रम में नामांकन से पहले अपनी एबीसी आईडी का उपयोग करके एक डीईबी-आईडी बनाना अनिवार्य है विद्यार्थी यूजीसी-डीईबी वेब पोर्टल पर जाएं और अपने अकादमिक बैंक ऑफ क्रेडिट (एबीसी) आईडी का उपयोग करके डीईबी-आईडी जेनरेट करें। यदि आपके पास एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट (एबीसी) आईडी नहीं है, तो आप डिजीलॉकर के माध्यम से बना सकते हैं या पर जाकर अपने आधार कार्ड, पैन कार्ड या अपार आईडी से अपनी एबीसी आईडी बना सकते है डीईबी आईडी एक बार जेनरेट होने के बाद फिर शिक्षार्थी के जीवन काल के लिए वैध रहेगी।

जीवन मे जो भी निर्णय ले मजबूती से ले : मनीषी संत मुनिश्री विनय कुमार आलोक

चुनौतियों से निरंतर जूझते रहने का नाम ही जीवन है। जिन्हें सदा संरक्षण मिलता रहा वे स्वतंत्र रूप से बेहतरीन कार्य निष्पादन में अक्षम रहे। ज्ञान-विज्ञान, तकनीक, कला, साहित्य, अध्यात्म, समाजकार्य आदि के क्षेत्रों में जिन्होंने बुलंदियां हासिल कीं, उन्होंने कुदाली पकडकर अपने रास्ते स्वयं तैयार किए। लक्ष्य प्राप्ति की उधेड़बुन में एक-दर-एक चुनौती से निबटने की प्रक्रिया में उन्हें निजी स्वार्थ साधने की सुध न रही। सुविदित भौतिक शास्त्री न्यूटन ने गति की बेहतर समझ में आड़े आती चुनौतियों को सुलझाते हुए गणित की एक प्रशाखा कैल्कुलस ईजाद कर डाली। किसी निर्धारित या नपे-तुले कार्य को पूरा कर डालना यांत्रिक गतिविधि है, जिसे रोबोट या मशीन कम समय में अधिक दक्षता से बखूबी निपटा लेती है। इसकी तुलना में चुनौतियों से जूझने के लिए बुद्धि, अंतर्दृष्टि, दूरदृष्टि और विशेष सूझबूझ चाहिए। ये शब्द मनीषीसंतमुनिश्रीविनयकुमारजीआलोक ने सैक्टर 24सी अणुव्रत भवन तुलसीसभागार में सभा को संबोधित करते हुए कहे।

मनीषीश्रीसंत ने आगे कहा जब बात अपनी हो, अपने बारे मे फैसले करने की हो तो हम एकदम बैकफुट पर चले जाते है इतने पीछे कि कई बार तो अंपायर की बात सुनकर भी क्रीज पर नही लौटते। बल्कि इससे इस तरह से समझिए कि लौट ही नही पाते क्योकि पांव पर अ निर्णय की जंजीरे ं पडी रहती है। दूसरो के बारे मे कोई फैसला नही करना, उनकी मदद नही करने को गलत कहा जा सकता है, लेकिन जब कोई अपनी ही मदद न करना चाहे तो उसे क्या कहना चाहिए।

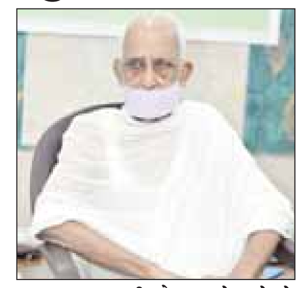

मनीषीश्रीसंत ने आगे कहा जो भी राह चुनिये निर्णयपूर्वक चुनिये। अपने निर्णय पर अटल रहिए। निर्णय लेने और निरंतर लेते रहने की आदत हमे भीतर से साफ, सक्षम, स्वतंत्र और सुंदर बनाती है। निर्णय लेने की आदत कुछ और नही हमारे भीतर चेयना का दीया जलते रहना है। जो निर्णय नही ले पाते वह भीतर से कमजोर, दुखी और बीमार होते जा रहे है। इसी प्रकार से चुनौती अंधकार न हो तो प्रकाश की कद्र कैसे होगी? चुनौतियों से निरंतर जूझते रहने का नाम ही जीवन है। दीर्घावधि तक टिकी या बेकाबू प्रतीत होती कठिनाई, दुविधा या रुकावट चुनौती का रूप ले लेती हैं। सामान्य सोच विचार के अनुसार फूल हैं तो कांटे भी होंगे। प्रतिकूल परिस्थितियां जीवन का अभिन्न अंग हैं, इनका आना-जाना लगा रहेगा और इन्हें स्वीकार करना होगा।

मनीषीश्रीसंत ने अंत मे फरमाया कर्मवीर चुनौतियों से कतराता या बचने का प्रयास नहीं करता। ऐसा इसलिए, क्योंकि वह जानता है कि इन्हीं सीढियों के माध्यम से मंजिल तक पहुंचा जाएगा। मार्टिन लूथर किंग के अनुसार किसी की शख्सियत की पहचान सुविधा संपन्न परिस्थितियों के दौरान नहीं, बल्कि तब होती है, जब वह चुनौतियों से घिरा होता है। एक कवि ने यहां तक लिखा है, जिस व्यक्ति को प्रकृति असाधारण मुकामों के लिए तराशती है, उसे थपेड़ती, पटकती और तूफानों और कठिनतम परीक्षणों से गुजारती है तब जाकर वह निखर कर नायाब हीरा बनता है।

तत्काल टिकट बुकिंग में अब नहीं चलेगी दलालों की मनमानी

एक जुलाई से लागू होंगे आधार-लिंक्ड ओटीपी नियम

विजय कुमार निगम

नई दिल्ली/लखनऊ। भारतीय रेलवे ने तत्काल टिकट बुकिंग प्रणाली में लंबे समय से चली आ रही दलाली और धांधली को रोकने के लिए एक बड़ा और महत्वपूर्ण कदम उठाया है। 1 जुलाई, 2025 से रेलवे तत्काल टिकट बुक करने के नियमों में महत्वपूर्ण बदलाव करने जा रहा है, जिससे आम यात्रियों के लिए कन्फर्म टिकट पाना चुटकियों का काम हो सकता है।

क्या हैं नए नियम?

रेलवे द्वारा जारी नई व्यवस्था दो चरणों में लागू की जाएगी: पहला चरण (1 जुलाई से): इस तारीख से तत्काल टिकट बुक करते समय आपको यात्री का आधार नंबर दर्ज करना अनिवार्य होगा।

दूसरा चरण (15 जुलाई से): इस तारीख से प्रक्रिया को और सुरक्षित बनाया जाएगा। आधार नंबर डालने के बाद, आपके आधार से रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर एक वन-टाइम पासवर्ड भेजा जाएगा। इस ओटीपी को आईआरसीटीसी वेबसाइट पर दर्ज करने के बाद ही आप टिकट बुक कर पाएंगे। सीधे शब्दों में, अगर आपके पास आधार कार्ड नहीं है या आपका मोबाइल नंबर आधार से लिंक नहीं है, तो आप 15 जुलाई के बाद तत्काल टिकट बुक नहीं कर पाएंगे।

क्यों पड़ी इस बदलाव की जरूरत?: यह कदम उन हजारों यात्रियों की शिकायतों के बाद उठाया गया है, जो तत्काल टिकट खुलने के कुछ ही सेकंड के भीतर सभी टिकट बुक हो जाने से परेशान थे। यात्रियों का लंबे समय से आरोप था कि दलाल और अनधिकृत एजेंट विशेष सॉफ्टवेयर का उपयोग करके कुछ ही पलों में सारी टिकटें हथिया लेते थे, जबकि आम यात्री वेबसाइट पर लॉग इन करने के लिए संघर्ष करते रहते थे।

जैसा कि एक नियमित यात्री परवेज आलम बताते हैं, कि जब भी आप तत्काल टिकट बुक करने के नियत समय पर आईआरसीटीसी की वेबसाइट खोलते हैं, तो वह या तो खुलती नहीं या 'एरर' दिखाने लगती है। लेकिन 5-7 मिनट बाद ही सब कुछ सामान्य हो जाता है, जब तक सारी टिकटें खत्म हो चुकी होती हैं। हमारा इंटरनेट कितना भी तेज हो, कोई फायदा नहीं होता, जबकि एजेंट यही काम आसानी से कर लेते हैं।

एजेंट्स पर लगेगी लगाम

नए नियमों के तहत, रेलवे ने एजेंट्स पर भी नकेल कसी है। तत्काल बुकिंग शुरू होने के शुरुआती 30 मिनट के लिए एजेंट्स को टिकट बुक करने से प्रतिबंधित कर दिया गया है। गौरतलब है कि वातानुकूलित कोच की तत्काल बुकिंग सुबह 10 बजे और गैर-वातानुकूलित कोच की बुकिंग 11 बजे शुरू होती है। यह शुरुआती आधा घंटा ही टिकट बुकिंग के लिए सबसे महत्वपूर्ण होता है, जिस पर अब केवल आम यात्रियों का अधिकार होगा। रेलवे का मानना है कि इस दो-स्तरीय सुरक्षा प्रणाली से न केवल फर्जी एजेंट्स और दलालों पर लगाम लगेगी, बल्कि वास्तविक यात्रियों को टिकट बुक करने का एक समान और निष्पक्ष अवसर भी मिलेगा।

हज यात्रियों की पहली वापसी उड़ान पहुंची लखनऊ

राज्य मंत्री दानिश आज़ाद अंसारी ने किया स्वागत

अर्थ प्रकाश/ विजय कुमार निगम

लखनऊ। हज-2025 के लखनऊ उड़ान स्थल से गए हज यात्रियों की पहली वापसी उड़ान आज तड़के लखनऊ पहुंची। जेद्दा से चलकर आई उड़ान संख्या स्ङ्क-3106 निर्धारित समय 00ः25 के बजाय 00ः05 बजे चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरी। इस फ्लाइट से 288 हज यात्री सकुशल लौटे।

एयरपोर्ट पर यात्रियों के स्वागत के लिए उत्तर प्रदेश सरकार के राज्य मंत्री (अल्पसंख्यक कल्याण) एवं राज्य हज समिति के अध्यक्ष जनाब दानिश आज़ाद अंसारी स्वयं मौजूद रहे। उन्होंने सभी यात्रियों का गर्मजोशी से स्वागत किया और फूल भेंट कर उन्हें बधाई दी। मंत्री दानिश आज़ाद ने यात्रियों से बातचीत कर उनकी कुशलक्षेम पूछी और हज यात्रा के दौरान मिली सुविधाओं का फीडबैक भी लिया। यात्रियों ने मिना, अराफात और मुज़दलिफा में की गई व्यवस्थाओं की विशेष सराहना की और हज यात्रा की संपूर्ण प्रक्रिया को सुविधाजनक एवं संतोषजनक बताया। उन्होंने उत्तर प्रदेश राज्य हज समिति की सेवाओं और स्टेट हज इंस्पेक्टर की तत्परता की भी प्रशंसा की। मंत्री के साथ नवगठित राज्य हज समिति के सदस्यगण – जनाब वली मोहम्मद, नदीमुल हसन, सैयद अली वारसी, हाफिज़ एजाज़ अहमद, कल्बे हुसैन, मोहम्मद इफ्तेखार हुसैन, कामरान खान, जुनैद अहमद अंसारी, जावेद कमर खान और कमरुद्दीन (जुगनू) – भी एयरपोर्ट पर मौजूद रहे। दूसरी वापसी उड़ान एसवी-3108 भी आज सुबह 5.22 बजे लखनऊ पहुंची, जिसमें 287 हज यात्री लौटे।

इस अवसर पर सचिव/कार्यपालक अधिकारी एस.पी. तिवारी, विशेष कार्याधिकारी मोहम्मद जावेद खान, प्रशासनिक अधिकारी आरिफ रऊफ सहित अन्य कर्मचारी और बड़ी संख्या में वालंटियर्स यात्रियों की सहायता के लिए मौजूद रहे।

सीआईआई ने स्व. श्री सुंजय कपूर के असामयिक निधन पर शोक जताया

अर्थ प्रकाश नेटवर्क

नई दिल्ली। सीआईआई ने स्व. श्री सुंजय कपूर के असामयिक निधन पर शोक व्यक्त किया। भारतीय उद्योग परिसंघ श्री सुंजय कपूर, चेयरमैन, सोना कॉमस्टार के असमय एवं आकस्मिक निधन पर गहरा शोक व्यक्त करता है। कपूर ने सीआईआई के साथ कई महत्वपूर्ण विषयों पर सक्रिय रूप से कार्य किया और निर्माण, सतत विकास, और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार जैसे अहम क्षेत्रों से जुड़ी अनेक परिषदों और समितियों का नेतृत्व किया। वे वर्तमान में सीआईआई उत्तरी क्षेत्र के चेयरमैन के रूप में कार्यरत थे और क्षेत्रीय प्रतिस्पर्धा, व्यापार सुगमता, समावेशिता, प्रौद्योगिकी को अपनाने, और सतत विकास जैसे प्रमुख मुद्दों पर केंद्रित थे।

उन्होंने सीआईआई स्मार्ट मैन्युफैक्चरिंग काउंसिल और मेकिंग मैन्युफैक्चरिंग फ्यूचर रेडी काउंसिल के सह-अध्यक्ष के रूप में भी भूमिका निभाई थी। वे सीआईआई यूरोप समिति के अध्यक्ष रहे, जहाँ उन्होंने भारत और यूरोप के बीच व्यापार और सहयोग को सुदृढ़ करने में योगदान दिया। इसके अलावा, उन्होंने सीआईआई हरियाणा स्टेट काउंसिल की अध्यक्षता भी की थी। सतत विकास के एक प्रबल समर्थक के रूप में, वे सीआईआई वाटर इंस्टिट्यूट के सलाहकार मंडल के सदस्य भी थे, जहाँ उन्होंने जल संरक्षण और संसाधन दक्षता के लिए कार्य किया।

भारत सरकार द्वारा निर्देशित सुधार कार्यक्रमों को तेजी से लागू करें : मुख्य सचिव

अर्थ प्रकाश नेटवर्क

देहरादून। मुख्य सचिव आनंद बर्धन की अध्यक्षता में पूंजीगत निवेश हेतु राज्य को विशेष सहायता के लिए योजना (एसएएससीआई- स्पेशल असिस्टेंस टू स्टेट फॉर कैपिटल इन्वेस्टमेंट) 2025- 26 की समीक्षा बैठक की गई। बैठक में एसएएससीआई स्कीम की टाइड और अनटाइड दोनों तरह के मद से संचालित विकास कार्यों पर व्यापक चर्चा की गई।

मुख्य सचिव ने सभी विभागों को निर्देशित किया कि भारत सरकार द्वारा निर्देशित सुधार कार्यक्रमों को तेजी से लागू करें ताकि इसके अंतर्गत विकास कार्यों के लिए प्राप्त होने वाली धनराशि का राज्य के हित में समुचित उपयोग किया जा सके। उन्होंने खनन, परिवहन, शहरी विकास, आवास, वित्त, परिवहन, राजस्व, कृषि विभाग इत्यादि विभागों को एक सप्ताह में स्र्स्ष्टद्ब स्कीम के कार्यों का रोड मैप और कार्य योजना विद टाइमलाइन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिए कि जो कार्य अधिक महत्व के हैं तथा जो कार्य शीघ्रता से पूरे किए जा सकते हैं ऐसे कार्यों को प्राथमिकता से लेना सुनिश्चित करें।

मुख्य सचिव ने सभी विभागों को निर्देशित किया कि जिन विभागों ने स्कीम के तहत विकास कार्यों को पूरा कर लिया है वे तत्काल उपयोगिता प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना सुनिश्चित करें।

मुख्य सचिव ने खनन सेक्टर के रिफॉर्म के लिए खनन विभाग को निर्देशित किया कि माइनर मिनरल्स पॉलिसी निर्माण, दुर्लभ और परमाणु संयंत्र के लिए उपयोगी खनिज के सर्वे, स्टार रेटिंग सिस्टम तथा माइनर मिनरल्स ब्लॉक के ऑक्शन इत्यादि में तेजी से अग्रिम कार्रवाई करें। उन्होंने परिवहन विभाग को ईवी द्वारा ओल्ड व्हीकल के प्रतिस्थापन, प्रदूषण रहित वाहन को बढ़ावा देने तथा सड़क सुरक्षा और नियंत्रण हेतु इलेक्ट्रॉनिक एनफोर्समेंट डिवाइसेज के उपयोग(ई-चालान जनरेशन, ऑनलाइन ई-चालान डिस्पोजल तथा ऑनलाइन ट्रैफिक मैनेजमेंट इत्यादि) से संबंधित सुधारात्मक कार्यों को तेजी से पूरा करने के निर्देश दिए।

उन्होंने राजस्व विभाग और संबंधित विभागों को ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में लैंड रिफॉर्म (लैंड रिकॉर्ड के आधुनिकीकरण और डिजिटलीकरण) के कार्यों को तेजी से पूरा करने को निर्देशित किया। कहा कि डिजिटल क्रॉप सर्वे, वन कृषक आईडी तथा रेवेन्यू कोर्ट का डिजिटलीकरण इत्यादि का कार्य तेजी से पूरा करें। उन्होंने वित्त और नियोजन विभाग को वित्तीय मैनेजमेंट का आधुनिकीकरण, डिजिटलीकरण और उसको पारदर्शी प्रक्रिया में लाने से संबंधित कार्यों को शीघ्रता से पूरा करने को निर्देशित किया। उन्होंने आधार बेस्ट डीबीटी (प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण) की प्रगति बढ़ाने के निर्देश दिए। नियोजन विभाग ने अवगत कराया कि इस वित्त वर्ष राज्य को अनटाइड फंड से 615 करोड़ रुपए की धनराशि प्राप्त होगी जबकि अन्य धनराशि की प्राप्ति विभिन्न विभागों द्वारा केंद्र सरकार द्वारा निर्देशित सुधारात्मक कार्यों की प्रगति पर निर्भर रहेगी।

अहमदाबाद हादसा देश और विश्व के लिए अत्यंत पीड़ादायक : धामी

अर्थ प्रकाश नेटवर्क

देहरादून। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री आवास में उच्च अधिकारियों के साथ बैठक के दौरान गुजरात के अहमदाबाद में हुए विमान हादसे में जान गंवाने वालों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने मौन रखकर दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना की एवं शोकाकुल परिजनों के प्रति अपनी संवेदनाएं भी व्यक्ति की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह हादसा देश और विश्व के लिए अत्यंत दुःखद एवं पीड़ादायक है। राज्य सरकार की संवेदनाएं इस दुःख की घड़ी में मृतकों के परिवारजनों के साथ है।

सभी विभाग पारदर्शिता के साथ आमजन की समस्याओं का समाधान करें, लापरवाही पर होगी सख्त कार्यवाही : एडीसी सतबीर मान

लंबित शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण समाधान में ढिलाई पर ने दिए कड़े निर्देश

अर्थ प्रकाश/ दयाराम वशिष्ठ

फरीदाबाद। जिला प्रशासन जन शिकायतों के समाधान को लेकर पूरी तरह से सक्रिय और गंभीर है। मंगलवार को लघु सचिवालय स्थित सभागार में आयोजित समीक्षा बैठक में अतिरिक्त उपायुक्त (एडीसी) श्री सतबीर मान ने समाधान शिविर, मुख्यमंत्री विंडो (ष्टरू ङ्खद्बठ्ठस्रश2) एवं एसएमजीटी (स्ररूञ्ज) पोर्टल पर प्राप्त जन शिकायतों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शिकायतों के समाधान में किसी भी प्रकार की लापरवाही, ढिलाई या टालमटोल अब बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

एडीसी ने बैठक में उपस्थित अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि शिकायतों का निपटारा केवल एक औपचारिक प्रक्रिया नहीं है, बल्कि हर शिकायत का समाधान समयबद्ध, प्रभावी और पूरी संतुष्टि के साथ किया जाना अनिवार्य है। प्रत्येक विभाग को यह सुनिश्चित करना होगा कि समाधान के उपरांत शिकायतकर्ता से सीधा संवाद स्थापित कर उसकी संतुष्टि प्राप्त की जाए। शिकायत के समाधान के पश्चात प्राप्त फीडबैक को संबंधित पोर्टल पर अपडेट करना भी आवश्यक होगा, ताकि कोई भी शिकायत दोबारा खुलने की स्थिति में न आए।

समीक्षा प्रक्रिया को पारदर्शी और प्रभावी बनाने के लिए एडीसी ने निर्देश दिए कि प्रत्येक विभाग समीक्षा बैठक से एक दिन पूर्व अपनी सभी हल की गई शिकायतों को संबंधित पोर्टल्स पर अपडेट कर 'निपटान श्रेणी' में दर्ज करे। इससे यह सुनिश्चित किया जा सकेगा कि समीक्षा के दौरान केवल वास्तविक और लंबित मामलों पर ही चर्चा हो तथा समय की प्रभावी बचत हो। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि जिन विभागों में शिकायतों की संख्या अपेक्षाकृत अधिक है, उन्हें विशेष अभियान चलाकर शीघ्र समाधान सुनिश्चित करना होगा। साथ ही, जिन मामलों में एक से अधिक विभागों की सहभागिता होती है, वहां आपसी समन्वय और टीम भावना के साथ कार्य करना अनिवार्य होगा। एडीसी ने अधिकारियों को स्मरण कराते हुए कहा कि माननीय मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी स्वयं इस प्रणाली की नियमित समीक्षा कर रहे हैं, अतः सभी को अपनी जिम्मेदारियों को और अधिक गंभीरता से निभाना होगा।

एडीसी ने सख्त निर्देश देते हुए कहा कि समीक्षा बैठकों में बिना पूर्व अनुमति के अनुपस्थित रहने वाले अधिकारियों पर अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगी। एडीसी ने सभी अधिकारियों से अपेक्षा जताई कि वे जन शिकायत निवारण प्रक्रिया को एक मिशन भावना से लें और नागरिकों की संतुष्टि को प्रशासनिक व्यवस्था की प्राथमिकता बनाएं।

महापौर की अध्यक्षता में निगम अधिकारियों की समीक्षा बैठक आयोजित

स्वच्छ फरीदाबाद का सपना होगा पूरा, अधिकारी शहर से गंदगी को दूर कराएं : प्रवीण जोशी महापौर

अर्थ प्रकाश/ दयाराम वशिष्ठ

फरीदाबाद। महापौर श्रीमती प्रवीण जोशी की अध्यक्षता में आज शुक्रवार को निगम के अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित हुई । बैठक में महापौर ने अधिकारियों को कहा कि उनका सपना स्वच्छ फरीदाबाद तब सफल होगा जब अधिकारी धरातल पर कार्यों का निरीक्षण करें और शहर से सर्वप्रथम सफाई कराकर गंदगी दूर कराएं। बैठक में निगम कमिश्नर धीरेंद्र खड़गटा,एडिशनल कमिश्नर सलोनी शर्मा, एडिशनल म्युनिसिपल कमिश्नर डॉश विजयपाल यादव,जॉइंट कमिश्नर राजेश कुमार,जॉइंट कमिश्नर द्विजा,चीफ इंजीनियर विवेक गिल सहित अधीक्षण अभियंता ओमवीर सिंह, स्वास्थ्य अधिकारी नीतीश परवाल और सभी कार्यकारी अभियंता मौजूद रहे। बैठक में महापौर श्रीमती प्रवीण जोशी ने अधिकारियों से पिछली बैठक में दिए गए निर्देशों पर भी समीक्षा की। महापौर श्रीमती जोशी ने कहा कि स्वच्छ फरीदाबाद बनेगा लेकिन उससे पहले शहर में सफाई व्यवस्था को दुरुस्त कर गंदगी को दूर कराना होगा।

बैठक में महापौर ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि शहर में विकास कार्यों को जल्द से जल्द शुरू करानें के लिए टेंडर प्रकिया को पूरा कराएं और वर्क ऑर्डर जारी किए जाए, ताकि वार्डो में कार्य शुरू किया जा सके। बैठक में महापौर के निर्देशों पर निगम कमिश्नर धीरेंद्र खड़गटा ने सभी कार्यकारी अभियंता को आदेश दिए है वे अपने अपने इलाके में दो दिन के अंदर दौरा करें और स्थानीय पार्षद के सहयोग से कार्यों की स्थिति का जायजा ले और जलभराव के स्थानों को चिन्हित कराएं ताकि बरसात से पहले उनका समाधान कराया जा सके।

निगम कमिश्नर धीरेंद्र खड़गटा ने महापौर को अवगत कराया कि कालोनियों में छोटी छोटी गलियों के अंदर नालियों की सफाई पर विशेष ध्यान दिया जाएगा, छोटी गलियों में नालियों की सफाई के लिए छोटी मशीनरी हायर कर सफाई कराने का प्लान तैयार किया जा रहा है। इसके अलावा शहर को ग्रीन बनाने की दिशा में में निगम प्रयासरत है ।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले ने प्रेस की स्वतंत्रता को बरकरार रखा

अर्थ प्रकाश / बोम्मा रेड्डी

ताडेपल्ली (आंध्र प्रदेश)। वाईएसआरटीसीयू के अध्यक्ष पी. गौतम रेड्डी ने कहा कि वरिष्ठ पत्रकार कोम्मिनेनी श्रीनिवास राव की गिरफ्तारी को अवैध घोषित करने वाले सुप्रीम कोर्ट के आदेश ने मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू को करारा झटका दिया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि न्यायपालिका ने राज्य में चंद्रबाबू सरकार द्वारा प्रेस की स्वतंत्रता पर लगाई गई बेड़ियों को तोड़ दिया है। सुप्रीम कोर्ट के फैसले ने पूरे देश को यह स्पष्ट कर दिया है कि कोम्मिनेनी की गिरफ्तारी गैरकानूनी थी।

गौथम ने आगे बताया कि सुप्रीम कोर्ट ने आज एक ऐतिहासिक आदेश जारी किया, जिसमें अवैध रूप से मामले दर्ज करने और कोम्मिनेनी श्रीनिवास राव की गिरफ्तारी की निंदा की गई। अदालत का फैसला मीडिया की स्वतंत्रता को बरकरार रखता है, जो लोकतंत्र में लोगों की भावनाओं को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि चंद्रबाबू के शासन के सिर्फ एक साल में राज्य में अराजकता, भ्रष्टाचार और हिंसक नीतियां देखी गई हैं।

सर्वोच्च न्यायालय के फैसले ने प्रेस की स्वतंत्रता पर लगाए गए सत्तावादी प्रतिबंधों को प्रभावी रूप से समाप्त कर दिया है। रेड्डी ने यह भी बताया कि चंद्रबाबू ने अपने पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं को साक्षी मीडिया के कार्यालयों पर हमला करने के लिए उकसाया, और यह नवीनतम निर्णय ऐसी अराजकता के खिलाफ चेतावनी के रूप में कार्य करता है। न्यायालय ने आगे स्पष्ट किया कि टीवी चैनलों पर किसी विश्लेषक के बयानों को उद्धृत करना अनुचित है। आदेश मुख्यमंत्री चंद्रबाबू द्वारा कोम्मिनेनी की गिरफ्तारी के माध्यम से अपनाई गई षडयंत्रकारी रणनीति को उजागर करते हैं। गौतम ने मुख्यमंत्री चंद्रबाबू पर मजदूर विरोधी नीतियों को आगे बढ़ाने का आरोप लगाया, उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार मजदूरों पर काम का बोझ बढ़ाने के लिए कारखाना अधिनियम की कई धाराओं में संशोधन कर रही है। उन्होंने वैश्विक मजदूरों के संघर्षों के माध्यम से जीते गए आठ घंटे के कार्यदिवस को दस घंटे तक बढ़ाने की चंद्रबाबू की भयावह योजना की आलोचना की, जिसके लिए पहले ही एक परिपत्र जारी किया जा चुका है। पहले, मजदूर 50 से 75 घंटे का ओवरटाइम चुन सकते थे, लेकिन अब सरकार इसे बढ़ाकर 144 घंटे करने की योजना बना रही है, जिससे उन पर काफी बोझ बढ़ जाएगा। पहले, श्रमिकों को पांच घंटे काम करने के बाद एक घंटे का ब्रेक मिलता था, लेकिन अब उन्हें ब्रेक मिलने से पहले लगातार छह घंटे काम करना पड़ता है। आपात स्थिति में, साढ़े दस घंटे का कार्यदिवस लागू किया गया था, लेकिन चंद्रबाबू के शासन में, लक्ष्य बारह घंटे का कार्यदिवस लागू करना है। इसके अतिरिक्त, श्रमिकों की कल्याण सुविधाओं का निरीक्षण करने के अधिकारियों की शक्तियों को छीनने के लिए दुकान और प्रतिष्ठान अधिनियम में संशोधन पेश किए जा रहे हैं। इसके विपरीत, रेड्डी ने इस बात पर प्रकाश डाला कि वाईएस जगन के कार्यकाल के दौरान, श्रमिक समर्थक नीतियों को लागू किया गया था, जिसमें आउटसोर्स श्रमिकों के लिए एक निगम की स्थापना, आरटीसी कर्मचारियों का सार्वजनिक क्षेत्र में एकीकरण और बुनकरों और अन्य श्रमिकों के लिए समर्थन शामिल था। चंद्रबाबू के शासन में, न केवल श्रमिकों को न्याय से वंचित किया गया है, बल्कि मौजूदा नौकरियों को समाप्त कर दिया गया है। काम के घंटे बढ़ाकर और श्रमिक कल्याण सुविधाओं की निगरानी को हटाकर, सरकार श्रम कल्याण को रौंद रही है।

16 जून को जिला जेल नीमका का दौरा करेंगी महिला आयोग की चेयरपर्सन

फरीदाबाद। हरियाणा राज्य महिला आयोग की चेयरपर्सन श्रीमती रेणु भाटिया आगामी 16 जून 2025 को फरीदाबाद स्थित जिला जेल नीमका का दौरा करेंगी। इस अवसर पर वे जेल परिसर में बंद महिला कैदियों से मुलाकात कर उनके रहने, स्वास्थ्य, सुरक्षा एवं अन्य बुनियादी सुविधाओं की समीक्षा करेंगी। आयोग की चेयरपर्सन जेल प्रशासन के अधिकारियों से बातचीत कर महिला बंदियों की समस्याओं, उपलब्ध सेवाओं और सुधारात्मक उपायों की जानकारी लेंगी, ताकि महिलाओं के हितों की रक्षा सुनिश्चित की जा सके। यह निरीक्षण महिला अधिकारों के संरक्षण एवं जेल सुधारों की दिशा में एक अहम पहल के रूप में देखा जा रहा है।

श्रीमती रेणु भाटिया का यह दौरा महिला आयोग की उस कार्यनीति का हिस्सा है जिसके तहत राज्य की विभिन्न जेलों में महिलाओं की स्थिति की वस्तुनिष्ठ समीक्षा की जा रही है। आयोग यह सुनिश्चित करना चाहता है कि महिला बंदियों को संविधान व कानून द्वारा प्रदत्त सभी अधिकारों का पालन हो।

पंजाब ने पीजीआईएमईआर के सहयोग से लगाया रक्तदान शिविर

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़, 13 जून। नियंत्रक संचार लेखा कार्यालय, पंजाब परिमंडल, संचार मंत्रालय, दूरसंचार विभाग , नई दिल्ली का पंजाब राज्य के लिए चण्डीगढ़ में नोडल कार्यालय है । नियंत्रक संचार लेखा कार्यालय ने स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान संस्थान पीजीआई, चंडीगढ़ के साथ मिलकर शुक्रवार को चंडीगढ़ में रक्तदान शिविर में भाग लिया।

संयुक्त नियंत्रक डॉ. मंदीप सिंह ने रक्तदान के महत्व पर जोर दिया और कर्मचारियों को शिक्षित किया तथा इसे समाज के लिए सर्वोच्च सेवा बताया। रक्तदाताओं की टीम का नेतृत्व उप नियंत्रक श्री अक्षय गुप्ता ने किया। रक्तदाताओं के बीच रक्तदान के अनुभव को साझा करते हुए, श्री अक्षय गुप्ता ने बताया कि वह नियमित रक्तदाता हैं और हर साल रक्तदान करते हैं। अधिकारियों और कर्मचारियों ने रक्तदान शिविर में स्वेच्छा से रक्तदान किया। पीजीआई के ट्रांसफ्यूजन विभाग के प्रमुख श्री आर आर शर्मा ने मानवता की सेवा में कार्यालय की भागीदारी की सराहना की। रक्तदाताओं को डॉ. आर आर शर्मा, प्रोफेसर और ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन विभाग के प्रमुख, पीजीआईएमईआर और स्टेट ब्लड ट्रांसफ्यूजन काउंसिल यूटी चंडीगढ़ द्वारा प्रशंसा प्रमाण पत्र जारी किए गए।

तपती गर्मी में बिना बिजली और पानी से लोगों का जीना हुआ मुहाल

पानी के ट्यूबवेल पर बैकअप की व्यवस्था नहीं, लाइट जाने पर प्रभावित होती है पानी की सप्लाई

बिना पावर बैकअप के चल रहे हैं 126 ट्यूबवेल

अर्थ प्रकाश/संदीप सिंह बावा

जीरकपुर, 13 जून। नगर परिषद जीरकपुर ने इस साल भी ट्यूबवेल चलाने के लिए जनरेटर और पॉवर बैकअप की व्यवस्था नहीं की है। इसके चलते गर्मियों में किसी कारण वर्ष लगने वाले पावर कट के कारण शहरवासियों को पानी की सप्लाई नहीं मिल रही। जीरकपुर की आबादी 6 लाख से अधिक पहुंच गई है तेजी से शहर में लोग आकर बस रहे है। ऐसे में पानी सबके लिए मूल जरूरत है। गर्मी आते ही पानी की आवश्यकता बढ़ने लगती है। दूसरा गर्मी में बिजली की भी अधिक खपत होने शुरू हो जाती है। कटौती के अलावा गर्मी में आंधी तूफान से भी बिजली की सप्लाई प्रभावित होती है। ऐसे में शहरवासियों को पानी की भी सप्लाई में परेशानी पेश आएगी। कारण, शहर में पानी की सप्लाई के लिए 126 ट्यूबवेल तो लगे हैं पर इनमें से एक पर भी जनरेटर की व्यवस्था नहीं है। ऐसे में बिजली का कट लगने की स्थिति में शहरवासियों को पानी की किल्लत से जूझना पड़ रहा है। जीरकपुर में लोगों का कहना है कि यहां गर्मी ने भी धीरे धीरे अपने तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं। अभी गर्मी का पूरा सीजन पड़ा है। पिछले एक हफ्ते में हर क्षेत्र में प्रतिदिन 12-12 घंटे बिजली बंद रही जिस कारण पानी की सप्लाई भी बुरी तरह से प्रभावित हुई। कुछ क्षेत्रों में तो लोगों द्वारा पानी के टैंकर मंगवा कर उसी से गुजारा करना पड़ा। वहीं पावरकॉम के अधिकारियों का दावा है कि बिजली की सप्लाई को पटरी पर लाने के लिए पावरकॉम पुख्ता इंतजाम कर रहा है।

ट्यूबवेल्स पर पावर बैकअप का बंदोबस्त नहीं: शहर में पानी सप्लाई के लिए 126 ट्यूबवेल है लेकिन हैरानी की बात यह है कि किसी भी ट्यूबवेल पर पावर बैकअप का इंतजाम नहीं है। ऐसा नहीं कि पावर बैकअप के लिए जेनरेटर सेट नहीं थे। कुछ साल पहले नगर परिषद ने ट्यूबवेल चलाने 10 के करीब जेनरेटर सेट खरीदे गए थे। एक-दो साल चलाने के बाद उनको कबाड़ की तरह छोड़ दिया गया। सभी जेनरेटर ट्यूबवेल्स के आसपास झाड़ियां, कचरे और खुले में खराब हो गए। अब किसी भी ट्यूबवेल पर जनरेटर नजर नहीं आता और पहले वाले जनरेटर संबंधी किसी भी अधिकारी को कोई जानकारी नहीं है कि वह जनरेटर कहां गए चोरी हो गई या बेच दिए गए। अगर चोरी हो गए तो उसे संबंधी पुलिस को शिकायत क्यों नहीं की गई? अब किसी भी ट्यूबवेल के लिए पावर बैकअप नहीं है।

> जिस भी ट्यूबल पर ज्यादा कॉलोनियों या ज्यादा आबादी निर्भर हैं हम उन ट्यूबवेल संबंधी जानकारी इकट्ठी करके और एस्टीमेट बनाकर उन पर जनरेटर लगाने संबंधी जल्द ही कार्यवाही शुरू कर रहे हैं।
>
> **-जितेंद्र सिंह बैंस एसडीओ नगर परिषद जीरकपुर।**

गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी को भावनात्मक श्रद्धांजलि

जीरकपुर (अप्रस)। गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी के आकस्मिक निधन पर भाजपा परिवार शोक में डूब गया है। हाल ही में हुए विमान हादसे में रूपाणी जी के निधन की खबर सुनते ही पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं में शोक की लहर दौड़ गई। इस दुखद क्षण में भाजपा नेता संजीव खन्ना ने गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए उन्हें भावनात्मक श्रद्धांजलि अर्पित की। आज भाजपा दफ्तर में शोक समारोह में संजीव खन्ना ने कहा, ‰विजयभाई रूपाणी न सिर्फ एक कद्दावर नेता थे, बल्कि एक सच्चे जनसेवक और भाजपा के विचारों के प्रबल संवाहक भी थे। उनका जीवन सदैव राष्ट्रहित और जनकल्याण को समर्पित रहा। गुजरात के विकास में उनका योगदान कभी भुलाया नहीं जा सकता। वह हम सभी के लिए प्रेरणा थे और रहेंगे। उनके जाने से पार्टी को अपूरणीय क्षति हुई है।‰ उन्होंने आगे कहा कि रूपाणी जी का व्यवहारिक और सौम्य स्वभाव सभी को जोड़ने वाला था। उन्होंने राजनीति में ईमानदारी, धैर्य और अनुशासन का जो उदाहरण प्रस्तुत किया, वह आज के युवाओं के लिए मार्गदर्शक है। संजीव खन्ना ने रूपाणी जी की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की और उनके परिजनों के प्रति अपनी गहरी संवेदना प्रकट की। इस हादसे ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है। भाजपा कार्यकर्ता और आमजन अब भी इस खबर पर यकीन नहीं कर पा रहे। रूपाणी जी की स्मृतियों को नमन करते हुए संजीव खन्ना ने यह भी कहा कि पार्टी उनके सपनों और विचारों को आगे ले जाने के लिए संकल्पबद्ध है।

‘श्री माता मनसा देवी पर चोला अर्पित करने की ऑनलाइन बुकिंग प्रक्रिया शुरू’

कालका (जग्गी)। श्री माता मनसा देवी श्राइन बोर्ड की मुख्य प्रशासक एवं उपायुक्त मोनिका गुप्ता ने बताया कि श्री माता मनसा देवी पूजास्थल बोर्ड के मंदिरों में चोला अर्पित करने की ऑनलाइन बुकिंग प्रक्रिया शुरू हो गई है। उन्होंने बताया कि 16 जून से 5 जुलाई के दौरान चोला अर्पित करने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। उन्होंने बताया कि श्री माता मनसा देवी पूजास्थल बोर्ड के श्री माता मनसा देवी मुख्य मंदिर, पटियाला मन्दिर व सती मंदिर पंचकूला, श्री काली माता मंदिर कालका व श्री चण्डीमाता मंदिर, चण्डी मंदिर में देवी को चोला अर्पित करने के लिये ऑनलाईन बुकिंग प्रक्रिया के माध्यम से माता को दिनांक 16 जून से 5 जुलाई की अवधि के दौरान चोला अर्पित करने के लिये ऑनलाइन बुकिंग 11 जून प्रात: 10 बजे से ‘पहले आओ पहले पाओ’ के आधार पर शुरू कर दी है।

एसएसओसी ने पाकिस्तान से जुड़े नार्को-टेरर मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया, दो आरोपी गिरफ्तार

अर्थ प्रकाश/संदीप सिंह बावा

जीरकपुर, 13 जून। स्टेट स्पेशल ऑपरेशन सेल (एसएसओसी) ने पाकिस्तान तस्करों से जुड़े दो गुर्गों पारसप्रीत उर्फ पारस और गुरविंदर सिंह को जीरकपुर की बादल कॉलोनी से गिरफ्तार किया है। दोनों से 9 एमएम ग्लॉक पिस्टल, तीन मैग्जीन और 207 ग्राम हेरोइन बरामद हुई है।

एआईजी रवजोत ग्रेवाल के अनुसार, यह हथियार व हेरोइन ड्रोन के जरिए पाकिस्तान से भेजे गए थे। आरोपियों ने जीरकपुर में किराए पर घर लेकर शरण ली थी। पारसप्रीत पहले से तरनतारन पुलिस द्वारा वांछित था।

पूछताछ में पता चला कि आरोपी पाकिस्तान स्थित हैंडलरों से सीधे संपर्क में थे और राज्य में ड्रोन से हथियार व नशा पहुंचा रहे थे। इससे पहले उनके साथियों सूरजपाल और अर्शदीप को भी तरनतारन से गिरफ्तार किया जा चुका है। पुलिस ने दोनों को कोर्ट में पेश कर 5 दिन के रिमांड पर लिया है। पूरे नेटवर्क की जांच जारी है।

तुम जियो हजारों साल

मीनू पाहुजा को उनके जन्मदिन पर परिवार व सगे संबंधियों की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं

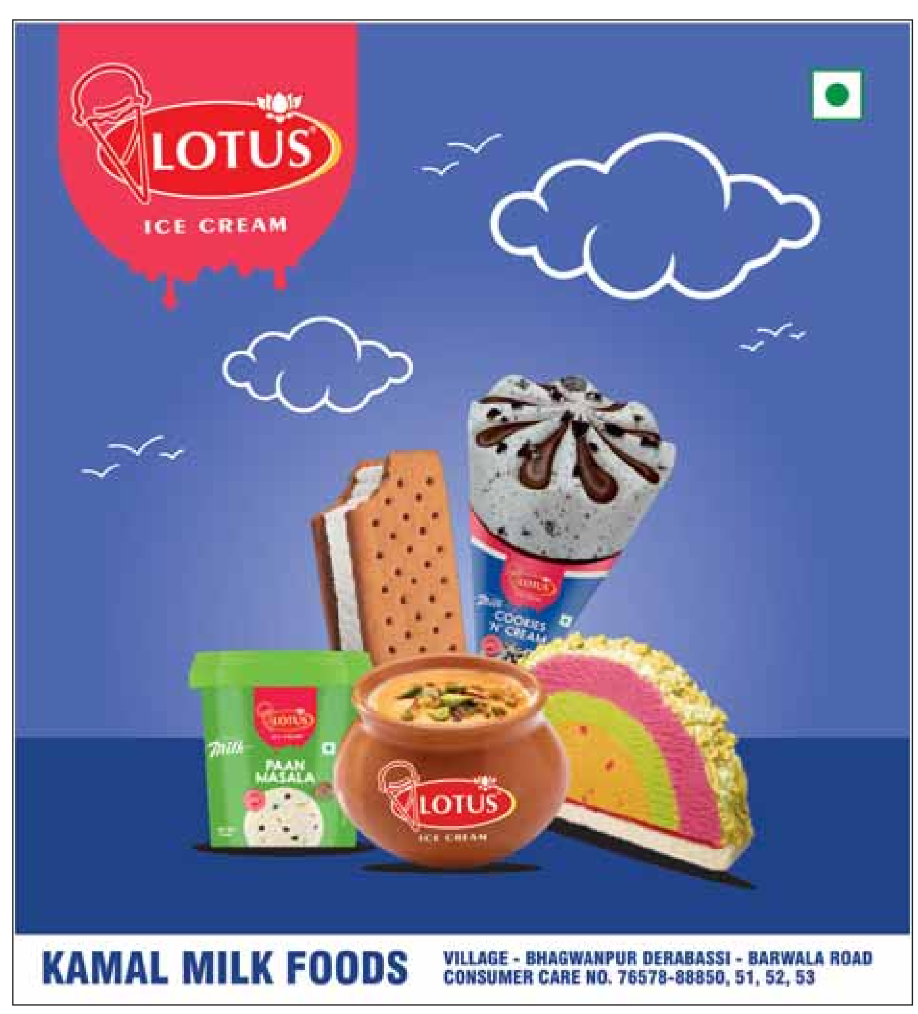

अर्थ प्रकाश न्यूज पेपर्स के लिए मालिक, मुद्रक एवं प्रकाशक महावीर जैन द्वारा ‘अर्थ प्रकाश प्रेस’ से मुद्रित एवं प्रकाशित तथा अर्थ प्रकाश कार्यालय अर्थ प्रकाश भवन, सैक्टर 29-डी, चण्डीगढ़ से जारी। प्रधान सम्पादक : **महावीर जैन,** सम्पादक एवं मुख्य संवाददाता **कैलाश चन्द जैन**
आर.एन.आई. पंजीक्रम : **42427/86** डाक पंजीक्रम : **G/CHD/0197/2021-23** फोन : 0172-2652743, 2638515, फैक्स 2653533 E-mail : arthparkash@gmail.com, arthparkashnews@gmail.com मुख्य सलाहकार : **हरीश चंद्र जैन,** एचसीएस (सेवानिवृत्त)